रविवारीय दैनिक जागरण

▸▸ वर्ष 69 ▸▸ अंक 221 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 10 मई, 2026
▸▸ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2083
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए
www.dainikjagranmpcg.com

मदर्स डे आज

44.5 फीसदी महिलाएं बच्चों और घर की जिम्मेदारियों के कारण नौकरी नहीं कर पातीं।

01 बच्चे वाले परिवारों का ट्रेंड बढ़ रहा है भारतीय शहरों में। इसकी वजह खर्च करियर और जीवनशैली है।

21-23 साल के बीच पहुंच गई है पहली बार मां बनने की औसत उम्र। करियर और शिक्षा हैं इसकी वजह।

73 फीसदी तक कम हो जाती है मातृत्व के बाद महिलाओं के काम पर लौटने की संभावना।

स्रोत: पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे

संक्षिप्त खबरें

रिटायर्ड ले. जनरल सुब्रमणि नए सीडीएस

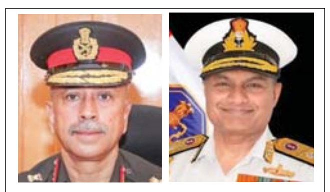

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने शनिवार को देश के शीर्ष सैन्य नेतृत्व में बड़े बदलाव का ऐलान किया। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को देश का नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन भारतीय नौसेना के अगले प्रमुख होंगे। दोनों अधिकारी 31 मई को अपना कार्यभार संभालेंगे। मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल 30 मई को समाप्त हो रहा है। एनएस राजा सुब्रमणि करीब 39 साल की सेवा के बाद वे 31 जुलाई 2025 को वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद से रिटायर हुए थे। फिलहाल वे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। वहीं 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन हुए स्वामीनाथन कम्युनिकेशन इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के विशेषज्ञ माने जाते हैं।

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख

अनिल के एडीए समूह के 17 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को उद्योगपति अनिल अंबानी के रिलायंस एडीए समूह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई में 17 परिसरों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े मामलों में की गई है। सीबीआई के मुताबिक, एजेंसी ने इन कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन अलग-अलग मामलों में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के आवासीय परिसरों के साथ उन मध्यस्थ कंपनियों के दफ्तरों में भी छापेमारी की गई, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर फंड के हेरफेर के लिए किया गया था। सीबीआई ने विशेष अदालत से शुक्रवार को तलाशी वारंट हासिल किया था। अधिकारियों का दावा है कि छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और अहम सबूत बरामद किए गए हैं।

एलआईसी व बैंकों से जुड़े केस में सीबीआई की कार्रवाई

आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम लखनऊ
समय : अपराह्न 3.30 बजे से
बेंगलुरु बनाम मुंबई
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स जियोहॉटस्टार पर

परिणाम: गुजरात ने राजस्थान को 77 रनों से हराया।

प. बंगाल में शुभेंदु सरकार

अधिकारी बने पहले भाजपाई सीएम, बांग्ला में ली शपथ, दिलीप घोष समेत 5 मंत्रियों ने ली शपथ, मोदी ने मंच से किया जनता को प्रणाम

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया, जब भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बन गए। कोलकाता के परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में सुवेंदु अधिकारी ने बांग्ला भाषा में ईश्वर के नाम पर शपथ ग्रहण की। शपथ लेने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झुककर प्रणाम किया।

सुवेंदु अधिकारी के साथ भाजपा के पांच अन्य नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल हैं। सभी नेताओं ने बांग्ला में शपथ लेकर बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को प्रमुखता देने का संदेश दिया।

शपथ ग्रहण समारोह भाजपा और एनडीए के बड़े शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। इसके अलावा एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के करीब 20 मुख्यमंत्री भी समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी थी। भाजपा समर्थकों ने 'जय श्रीराम' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ नए मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मंच से घुटनों के बल झुककर जनता को किया प्रणाम: मुख्यमंत्री और मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मंच से लोगों को संबोधित किया। भाषण के अंत में उन्होंने घुटनों के बल बैठकर बंगाल की जनता को प्रणाम किया। पीएम के इस अंदाज पर कार्यक्रम स्थल तालियों और नारों से गूंज उठा।

पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ ही सुशासन, सुरक्षा और विकास के एक नवयुग का आरंभ हो गया है। पश्चिम बंगाल अब सच्चे अर्थो में 'आमार सोनार बांग्ला' बनेगा। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में यह राज्य अब अपने पुराने गौरव और वैभव को प्राप्त कर समग्र विकास, निवेश, सुशासन एवं जनकल्याण के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

\- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मोदी ने 98 साल के कार्यकर्ता के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री मोदी मंच पर मौजूद भाजपा के 98 वर्षीय वरिष्ठ कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास पहुंचे। पीएम मोदी ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। माखनलाल सरकार पश्चिम बंगाल में भाजपा और राष्ट्रवादी आंदोलन के पुराने कार्यकर्ताओं में गिने जाते हैं। 1952 में वे जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर आंदोलन में शामिल हुए थे।

रोड शो करते हुए पहुंचे पीएम: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शपथ ग्रहण समारोह स्थल तक रोड शो करते हुए पहुंचे। ग्राउंड की एंट्री से मंच तक उन्होंने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान उनके साथ भाजपा नेता समिक भट्टाचार्य और सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद थे।

गुरुदेव टैगोर को दी श्रद्धांजलि: समारोह की शुरुआत में मोदी ने मंच पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की। बंगाली कैलेंडर के अनुसार 'पोचिशे बोइशाख' यानी 9 मई को टैगोर की 165वीं जयंती मनाई जाती है।

चुनावी हिंसा में मारे गए कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिले पीएम: शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं के परिवारों से भी मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत कार्यकर्ताओं देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल के परिजनों से बातचीत कर उन्हें सांत्वना दी।

मना रहे हैं मदर्स डे!

राजधानी दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

भाजपा मुख्यालय व सरकारी इमारतों की सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आतंकी हमले की आशंका को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। इंटेलिजेंस एजेंसियों ने संभावित आतंकी खतरे को देखते हुए राजधानी में हाई अलर्ट जारी किया है। इसके बाद भाजपा मुख्यालय और आसपास की कई सरकारी इमारतों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित राजनीतिक और सरकारी दफ्तरों को निशाना बनाया जा सकता है। एजेंसियों ने आत्मघाती हमला, कार ब्लास्ट, गोलीबारी और द्वश्वष्ठ विस्फोट जैसी संभावनाओं को लेकर चेतावनी जारी की है। अलर्ट के बाद दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी है। कई जगह बैरिकेडिंग की गई है और वाहनों की रैंडम चेकिंग शुरू कर दी गई है। राजधानी के प्रमुख सरकारी दफ्तरों, भाजपा मुख्यालय और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई है।

विजय ने पार की 'राज्यपाल बाधा'

संशय खत्म: आज सुबह लेंगे सीएम पद की शपथ

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु में पिछले कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता आखिरकार शनिवार शाम खत्म हो गई। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता सी. जोसेफ विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इसके बाद राज्यपाल ने विजय को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित कर दिया। विजय रविवार 10 मई को सुबह 10 बजे चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ 9 अन्य मंत्री भी शपथ ग्रहण करेंगे। यह पहली बार होगा जब अभिनेता से राजनेता बने विजय तमिलनाडु की सत्ता संभालेंगे।

234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। पार्टी ने 108 सीटें जीती थीं, लेकिन बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत थी। इसके बाद कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और आईयूएमएल ने विजय को समर्थन दिया। विजय ने राज्यपाल को कुल 120 विधायकों के समर्थन का दावा पेश किया। हालांकि विजय ने खुद दो सीटों से जीत हासिल की थी और उन्हें एक सीट छोड़नी होगी, जिसके बाद सदन की प्रभावी संख्या 233 रह जाएगी। ऐसे में बहुमत का आंकड़ा 117 होगा और टीवीके गठबंधन के पास 121 सीटों का समर्थन है।

चार दिनों में चौथी बार राज्यपाल से मिले विजय

सरकार गठन को लेकर विजय पिछले चार दिनों में चौथी बार राज्यपाल से मिले। इससे पहले बहुमत का आंकड़ा पूरा न होने के कारण राज्यपाल ने उन्हें इंतजार करने को कहा था। शनिवार को वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन के बाद विजय कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और आईयूएमएल नेताओं के साथ लोक भवन पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

टीवीके मुख्यालय के बाहर जश्न

विजय के सरकार बनाने का दावा पेश करते ही चेन्नई में टीवीके मुख्यालय के बाहर जश्न शुरू हो गया। समर्थकों ने पटाखे फोड़े और विजय के पोस्टर लेकर नारेबाजी की। बड़ी संख्या में लोग लोक भवन के बाहर भी जमा हुए थे।

वीसीके डीएमके गठबंधन में बनी रहेगी: वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अब भी डीएमके-नीत गठबंधन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शासन से बचने और सबसे बड़ी पार्टी को वीसीके ने स्वतंत्र रूप से समर्थन दिया है।

स्टालिन बोले- नई सरकार जारी रखे जनकल्याण योजनाएं: तमिलनाडु के कार्यवाहक सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने नई सरकार को शुभकामनाएं दीं और कहा कि डीएमके सरकार द्वारा वंचित वर्गों के लिए शुरू की गई जनकल्याण योजनाएं नई सरकार को जारी रखना चाहिए।

खुलासा पहली बार माना- ऑपरेशन सिंदूर में तैयार किए थे जेट्स

चीन ने दी थी पाक को तकनीकी मदद

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के खिलाफ हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की मदद की थी। पहली बार चीन की ओर से सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया गया है कि उसने संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई थी। यह दावा चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी पर प्रसारित एक इंटरव्यू में सामने आया।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने इंटरव्यू में कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान में तैनात थी और वहां लड़ाकू विमानों व संबंधित सैन्य सिस्टम को पूरी तरह ऑपरेशनल बनाए रखने का काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य फाइटर जेट्स को युद्ध के लिए हर समय तैयार रखना था। चीनी इंजीनियर झांग हेंग ने बताया कि पाकिस्तान में सपोर्ट बेस पर लगातार फाइटर जेट्स की आवाजें और एयर रेड सायरन सुनाई देते थे। उन्होंने कहा कि मई की भीषण गर्मी में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता था, जिससे हालात बेहद कठिन हो गए थे।

भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह जुलाई 2025 में यह दावा कर चुके थे कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर को 'लाइव लैब' की तरह इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा था कि चीन ने अपने सैटेलाइट नेटवर्क के जरिए भारतीय सैन्य गतिविधियों की निगरानी की और पाकिस्तान को रियल टाइम इनपुट दिए।

पाक ने इस्तेमाल किए चीन के जे-10सीई

रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान एयर फोर्स ने चीन में बने जे-10सीई फाइटर जेट का इस्तेमाल किया। यह चीन के जे-10सी मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट का एक्सपोर्ट वर्जन है। इन विमानों का निर्माण चीनी रक्षा कंपनी एवीआईसी की सहायक इकाई करती है।

पाक को और आधुनिक हथियार देने की तैयारी

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन अब पाकिस्तान को अपना पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट जे-35 बेचने पर विचार कर रहा है। रक्षा विशेषज्ञ इसे चीन की रक्षा तकनीक को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

एडिशनल डीसीपी के गोपनीय प्रतिवेदन पर हटे टीआई कोतवाली

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोतवाली थाना प्रभारी काशीराम कुशवाह को थाने से हटाकर पुलिस लाइन भेजा गया है। टीआई ने सीएम के मशाल जुलूस में लापरवाही बरती थी। इस संबंध में उन्हें एक दिन पहले से अवगत कराया गया था। कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति न के बराबर रही और उनके द्वारा कोई काम नहीं किए गए। एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित के गोपनीय प्रतिवेदन पर टीआई कोतवाली को हटाया गया है। इस संबंध में डीसीपी जोन-थ्री आयुष गुप्ता ने शुक्रवार दो आदेश जारी किया है। उन्हें पुलिस लाइन भेजा है। एडिशनल डीसीपी जोन-थ्री भोपाल ने 29 अप्रैल को अपने पत्र के माध्यम से बताया कि दिनांक 28 अप्रैल को थाना कोतवाली क्षेत्र में निकाले जाने वाले मुख्यमंत्री, मप्र शासन के प्रस्तावित मशाल जुलूस मार्ग के दौरान निरीक्षक काशीराम कुशवाह थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा जुलूस मार्ग में किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की गई। न ही मार्ग में खड़े वाहनों को हटाने का कोई प्रयास किया गया। इनकी उक्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान सक्रिय उपस्थिति एवं थाना प्रभारी के रूप में दायित्व निर्वहन का अभाव था। एडिशनल डीसीपी के इस गोपनीय प्रतिवेदन पर डीसीपी ने सख्त प्रतिक्रिया करते हुए निरीक्षक काशीराम कुशवाह थाना प्रभार कोतवाली भोपाल के तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेजा है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार का कहना है कि यदि कोई भी थाना प्रभारी अपने काम को लेकर सजग नहीं है और लापरवाही करता है तो उसे तत्काल हटाया जाएगा। उसके काम के आधार पर ही आंकलन किया जाएगा। दूसरे को मौका दिया जाएगा। कोतवाली टीआई की काम के प्रति लापरवाही सामने आई, इस पर उन्हें थाने से हटाया गया है। काम के प्रति किसी की भी लापरवाही बरती नहीं जाएगी। अभी टूआईसी के पास थाने की जिम्मेदारी है।

3000 किमी उड़कर एमपी से उज्बेकिस्तान पहुंचा गिद्ध

मुख्य संवाददाता, भोपाल। दुर्लभ प्रजाति का सिनेरियस गिद्ध मप्र से लगभग 3000 किलोमीटर की लंबी यात्रा कर उज्बेकिस्तान पहुंच गया है। 19 दिसंबर 2025 को विदिशा जिले के सिरोंज क्षेत्र से एक घायल सिनेरियस गिद्ध का रेस्क्यू किया गया था। इसके बाद इसका भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क और केरवा स्थित वल्चर कंजर्वेशन ब्रीडिंग सेंटर में उपचार किया गया। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद 23 फरवरी को इसे रायसेन जिले के हलाली डैम में छोड़ दिया गया था। स्थित इसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। गिद्ध की गतिविधियों पर तरीके से नजर रखने के लिए इसकी जीपीएस ट्रैकिंग की गई। लगभग एक महीने तक हलाली डैम के पास रहने के बाद यह पक्षी 10 अप्रैल को रवाना हुआ। इस दौरान राजस्थान के रास्ते पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमाओं को लांघते हुए यह 4 मई को उज्बेकिस्तान पहुंच गया।

चेकिंग में लापरवाही, सब इंस्पेक्टर समेत 5 सस्पेंड

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। वाहन चेकिंग के दौरान गंभीर लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने सब इंस्पेक्टर समेत पांच पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। कार्रवाई शनिवार रात टीटी नगर थाना क्षेत्र के जवाहर चौक चेकिंग पॉइंट पर की गई। आदेश के अनुसार, सब इंस्पेक्टर नर्मदा प्रसाद उइके, प्रधान आरक्षक भूपेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश मिश्रा, जलील खान और कमलेश लोधी की ड्यूटी वाहन चेकिंग के लिए लगाई गई थी। निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी चेकिंग पॉइंट से गायब मिले। कोई मोबाइल पर व्यस्त था तो कोई इधर-उधर घूमता और बाइक पर बैठा मिला। इसे ड्यूटी के प्रति गंभीर लापरवाही और कर्तव्यहीनता मानते हुए सभी को निलंबित कर रक्षित केंद्र अटैच किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मच गया है।

सिंगरौली विकास प्राधिकरण का मामला

सीएम-डिप्टी सीएम और प्रदेश भाजपा ने दे डाली बधाई, तब खुला राज... फर्जी है नियुक्ति आदेश

राज्य सरकार में चल रहे नियुक्तियों के दौर में चौंकाने वाला मामला, पुराना प्राधिकरण नहीं हुआ भंग, नए अध्यक्ष को भी आदेश का इंतजार

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। राज्य सरकार में चल रहे नियुक्तियों के दौर में एक चौंकाने वाला मामला आया है। सिंगरौली विकास प्राधिकरण के लिए राज्य सरकार ने नया अध्यक्ष तय भी नहीं किया और प्रदेश में नियुक्ति आदेश भी जारी हो गया। यह फर्जी आदेश इतनी सफाई से तैयार किया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल सहित भाजपा के दिग्गजों ने नए अध्यक्ष को बधाई दे दीं। उप मुख्यमंत्री ने तो नए अध्यक्ष को मिठाई तक खिला दी। अब इसकी सच्चाई सामने आई है। राज्य शासन से कोई आदेश ही जारी नहीं हुआ और बधाई-मिठाई लेने वाले अध्यक्ष ही आज तक आदेश का इंतजार कर रहे हैं। निगम-मंडलों, आयोग और प्राधिकरणों ताबड़तोड़ हुई नियुक्तियों के बीच सिंगरौली विकास प्राधिकरण अध्यक्ष का नाम भी सामने आया था। विंध्य निवासी भाजपा नेता वीरेंद्र गोयल को इसका नया अध्यक्ष बताते हुए नियुक्ति आदेश भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह आदेश 1 मई की तारीख का है। आश्चर्य जनक यह है कि वायरल हो रहे पत्र को देख बधाई और मिठाई के दौर चल पड़े। जब प्रदेश के मुखिया सहित सत्ता और संगठन के जिम्मेदार वरिष्ठ जन बधाई दे रहे थे तो वीरेंद्र गोयल को भी कोई शक नहीं रहा। गोयल भी भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और सिंगरौली जिले के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसलिए आदेश में उनका नाम देख कोई और भी शक नहीं कर सका। बधाई का सिलसिला चलता रहा।

मध्यप्रदेश शासन
नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462004
//आदेश/[illegible]

भोपाल, दिनांक 01/05/2026

क्रमांक एफ 15-5/2026/18/नाप्रवि/चार : राज्य शासन एतद् द्वारा **श्री वीरेंद्र गोयल** को सिंगरौली विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है।

यह नियुक्ति आदेश जारी होने की तारीख से अगले आदेश तक प्रभावशील होगी।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार,
(अजय कुमार सिंह)
अवर सचिव
मध्यप्रदेश शासन
नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग

आदेश वायरल होने पर ही खुला राज

मजेदार बात यह है कि सोशल मीडिया पर जिस आदेश को देखकर गोयल को बधाई दी जा रही थीं, उसे देखकर ही मंत्रालय में भूचाल आ गया और इस पत्र के फर्जी होने का राज खुल गया। असल में सिंगरौली विकास प्राधिकरण को लेकर मंत्रालय स्तर पर पहले ही एक चूक हो चुकी थी, जिसे जिम्मेदारी अधिकारी दबाए बैठे थे। असल में फरवरी में जारी जिस आदेश में सभी निगम-मंडलों की पुरानी कार्यकारिणी को भंग किया गया था, उसमें अधिकारी सिंगरौली विकास प्राधिकरण का नाम जोड़ना भूल गए थे। ऐसे में जब तक पुराने प्राधिकरण को भंग नहीं किया जाता, तब नए अध्यक्ष की नियुक्ति भी नहीं हो सकती। जब अधिकारियों को अपनी पहली गलती का अहसास हुआ तो ताबड़तोड़ ढंग से नई नियुक्ति के आदेश की पड़ताल की गई। इसमें पकड़ में आया कि पुराना भंग न होने से नए अध्यक्ष की नियुक्ति ही नहीं की गई है।

गोयल भी अब तक गफलत में

सिंगरौली के पूर्व जिला ध्यक्ष गोयल अब तक गफलत में हैं। एक तरफ वे सभी से बधाई-मिठाई स्वीकार कर रहे हैं, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बधाई भी ले रहे हैं। मगर नियुक्ति आदेश उन्हें आज तक नहीं मिला। वे भी सोशल मीडिया पर अपनी नियुक्ति देख रहे हैं। पुराना प्राधिकरण भंग न किए जाने से दिलीप शाह आज भी अध्यक्ष हैं। वे भी संशय में हैं कि पिछले दिनों वे क्षेत्र के विकास के लिए करोड़ों के कार्य स्वीकृत करा चुके हैं। नई नियुक्ति हो गई होती तो शासन नए अध्यक्ष से प्रस्ताव लेता।

विभाग बता रहा फर्जी

फर्जी आदेश से सबसे अधिक परेशान नगरीय विकास विभाग है। विभाग के आला अफसरों ने जांच कराकर स्पष्ट कर दिया है कि ऐसा कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। वायरल आदेश फर्जी है। विभाग के अपर मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भी हकीकत से अवगत कराया है। वहीं विपक्ष भी निगम-मंडलों की फर्जी लिस्ट और आदेशों को लेकर सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। पूर्व में निगम-मंडल अध्यक्षों की एक फर्जी सूची भी सामने आ चुकी है।

गुना के औद्योगिक विकास को लगेंगे पंख भेरुंदा में पीएम ग्रामीण सड़क-4 का शुभारंभ

सीएम आज 2962 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे भूमि पूजन, शिवराज व केंद्रीय मंत्री सिंधिया रहेंगे मौजूद

जागरण, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को प्रदेश में 2962 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण करेंगे। एक तरफ गुना को अंबूजा सीमेंट की नई यूनिट स्थापना के लिए भूमिपूजन करेंगे। अडानी समूह की इस फैक्टरी से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। साथ ही रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। वहीं प्रदेश की 963 बसाहटों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क परियोजना-4 के तहत पक्की सड़क का जाल बिछाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुना में 1059 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाली अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री (अडानी समूह)का शिलान्यास करेंगे। अंबुजा कांक्रीट नार्थ प्रा.लि. द्वारा गुना से 5 किमी दूर मावन में 32 हैक्टेयर भूमि पर स्थापित की जा रही है। यह सीमेंट प्रोजेक्ट जिले के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। परियोजना से प्रतिवर्ष 2 गुणा 2 मिलियन टन प्रतिवर्ष का उत्पादन होगा। इसकी स्थापना से लगभग 500 लोगों को प्रत्यक्ष एवं 1000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। साथ ही शासन को प्रतिवर्ष लगभग 160 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व की प्राप्त होगी। इसके अलावा करीब 130 करोड़ रुपये की लागत के 144 विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत भी शामिल होंगे।

मेले सांस्कृतिक एकता के आधारः सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मालवा उत्सव केवल एक मेला नहीं, बल्कि मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का मंच है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव आज अपनी रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से देश की सांस्कृतिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में लोक संस्कृति मंच द्वारा आयोजित मालवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मालवा उत्सव के उत्साहपूर्ण माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि भांगड़ा, गरबा और अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने ऐसा वातावरण बना दिया मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो।

1763 करोड़ की लागत से बनेंगी 2117 किमी लंबी सड़कें

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान सीहोर के भैरूंदा से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं पीएम जनमन योजना का शुभारंभ करेंगे। इस परियोजा में 1763 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 2117 किलोमीटर लंबी 963 सड़कों का निर्माण प्रदेश में होगा। प्रदेश की 987 बसाहटों को बेहतर सड़क संपर्क सुविधा मिल जाएगी। सीहोर जिले में 165 करोड़ रुपये की लागत से 84 बसाहटों के बीच 209 किलोमीटर लंबी 81 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान सहित हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम, उड़ीसा, गुजरात, हरियाणा, बिहार, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू कश्मीर, मेघालय, राजस्थान, अंडमान निकोबार, लद्दाख, पुदुचेरी, सिक्किम और त्रिपुरा राज्यों के प्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल होंगे।

समुदाय की महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ेंगी अल्पसंख्यक महिलाएं

पटवारी ने लांच किया प्रोजेक्ट, 160 महिलाओं का अलग कैडर

जागरण, भोपाल। अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस ने एक नया कैडर तैयार किया है। कांग्रेस ने प्रदेश भर में 160 महिलाओं को चिंहित कर प्रोजेक्ट एम शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी सभी महिलाएं अब सेवादल की तरह गतिविधियां चलाते हुए अपने समुदाय की अल्प संख्यक महिलाओं को ही टारगेट बनाएंगी। लगातार संपर्क कर महिलाओं को राजनीति में लाकर कांग्रेस से जोड़ेंगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ करते बौद्ध, सिख, ईसाई, जैन एवं मुस्लिम एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं से महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व निर्माण, राजनीतिक भागीदारी एवं सामाजिक चुनौतियों पर चर्चा कर कार्ययोजना समझाई। हाशिए से नेतृत्व तक का नारा देते हुए अल्पसंख्यक महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाई जाएगी। प्रोजेक्ट में चुनी गईं ये महिलाएं पार्टी के धरना, प्रदर्शन व रैलियों से दूर रहकर चुपचाप अपने टारगेट पर सक्रिय रहेंगी। यह अपने क्षेत्र व समुदाय की महिलाओं से लगातार संपर्क करते रहेंगी। कांग्रेस की सोच है कि राजनीति में चुनिंदा परिवारों की महिलाएं ही सक्रियता दिखा पाती हैं। हमें हर वर्ग, समुदाय की महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ने व राजनीतिक भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। घर-घर संपर्क कर महिलाओं को समझाएंगी कि कांग्रेस एक धर्मनिरपेक्ष दल है। भाजपा की विचारधारा में अल्पसंख्यक वर्ग के लोग खुद को सहज महसूस नहीं करते। कांग्रेस अल्पसंख्यक महिलाओं को एक ऐसा मंच दे रही है, जहां वे नेतृत्व क्षमता दिखा सकती हैं। कार्यक्रम में संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले, प्रशिक्षण विभाग प्रभारी महेंद्र जोशी तथा मतदाता सूची की सह-प्रभारी आरिफा खान, सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्रदेश के सरकारी विश्राम गृहों से कलेक्टर एसडीएम का अघोषित कब्जा हुआ खत्म

लोक निर्माण विभाग के पास लौटा बुकिंग का अधिकार, आदेश जारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में अब सरकारी विश्राम गृहों में ठहरने के लिए कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदारों की परमिशन की जरूरत नहीं होगी। सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए रेस्ट हाउस के कमरों के आरक्षण यानी बुकिंग का अधिकार प्रशासनिक अफसरों से छीनकर वापस लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों को सौंप दिया है। विभाग के उप सचिव एआर सिंह द्वारा जारी आदेश के बाद अब कलेक्टर और एसडीएम का इन गेस्ट हाउसों पर एकाधिकार खत्म हो गया है। लंबे समय से यह शिकायतें मिल रही थीं कि प्रदेश के जिलों, शहरों और खासकर पर्यटन स्थलों पर बने इन रेस्ट हाउसों पर जिला प्रशासन का अघोषित कब्जा रहता था और कलेक्टर, एसडीएम एवं तहसीलदार ही तय करते थे कि कमरा किसे मिलेगा और किसे नहीं। कई बार विभाग के ही अफसरों को वहां जगह नहीं मिल पाती थी, क्योंकि प्रशासन इन कमरों को अपने खास मेहमानों के नाम पर ब्लॉक कर देता था।

स्टेट गेस्ट हाउस सत्कार अधिकारी कलेक्टर के पास

जिलों में प्रशासनिक अफसरों के इस रवैये से होने वाली परेशानी को देखते हुए सरकार ने अब बुकिंग की कमान प्रोफेशनल ढंग से बांटी है। राजधानी भोपाल में आए दिन वीवीआईपी का आगमन होता है, इसलिए यहां स्थित सबसे बड़े स्टेट गेस्ट हाउस की बुकिंग का अधिकार सीधे राच्य सत्कार अधिकारी को दे दिया गया है। इसके अलावा प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर स्थित सर्किट हाउस की बुकिंग कलेक्टर के पास ही यथावत रहेगी। विभाग के भोपाल स्थित सभी रेस्ट हाउस में बुकिंग का अधिकार अब मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी के पास रहेगा, जबकि अन्य जिलों, शहरों और कस्बों में स्थित रेस्ट हाउस की जिम्मेदारी जिले के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (कार्यपालन यंत्री) की रहेगी। गौरतलब है कि प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के कुल 478 रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस हैं। इनमें लगभग 50 सर्किट हाउस और शेष रेस्ट हाउस हैं। इनमें से 34 को पर्यटन विभाग को ट्रांसफर भी किया जा रहा है।

विजय शाह पर सुप्रीम फटकार ने बढ़ाई चिंता

अभियोजन की बजाय नया कानूनी रास्ता ढूंढ सकती है सरकार

जागरण, भोपाल। सार्वजनिक माफी मांगने के बाद लंबी चुप्पी ओढ़कर बैठे मंत्री विजय शाह के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक बार फिर दिखाई गई सख्ती ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। शीर्ष अदालत के निशाने से खुद को तो बचाना ही है, सरकार अपने आदिवासी चेहरे पर भी दाग नहीं रहने देना चाहती। इसी के चलते अदालत द्वारा दी गई टाइम लिमिट में सरकार एक बार फिर कानूनी राय लेकर नया रास्ता अपना सकती है, ताकि सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी से भी बचा जा सके। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर प्रदेश के आदिमजाति कल्याण मंत्री विजय शाह की विवादित टिप्पणी के मामले में सुनवाई की गई थी। इसमें राज्य सरकार द्वारा मंत्री शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में आनाकानी पर अदालत ने खासी नाराजगी जताई। अदालत ने 19 जनवरी को दिए आदेश में मंजूरी के लिए शासन को दो सप्ताह का समय दिया था। मगर सरकार ने शीर्ष अदालत के आदेश को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया था। साथ ही मंत्री शाह को भी सरकार सेफ मानने लगी थी। बजट सत्र के अलावा विशेष सत्र में भी मंत्री शाह पुराने अंदाज में नजर आ रहे थे। शाह पूर्व में अपने बयान कई बार माफी भी मांग चुके हैं। इससे सरकार को भी मानकर चल रही थी कि उसकी युक्ति काम आ गई है और कानूनी टीम अब शाह को कठघरे से बाहर निकाल लेगी। मगर शुक्रवार को अदालत ने न केवल शाह की आदत पर खुलकर टिप्पणी की, बल्कि सरकार के रवैये को भी उचित नहीं मानते हुए पानी सिर से ऊपर बता दिया। इससे सरकार की चिंता तो बढ़ गई है। शनिवार को भी अदालत के आदेश की प्रति न मिलने से राज्य शासन ने राहत की सांस ले ली, लेकिन अब राज्य शासन हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठ सकती। हालांकि सारे विकल्पों पर चिंतन के दौर शुक्रवार से ही शुरू हो गए हैं। महाधिवक्ता की टीम के अलावा पार्टी से जुड़े वरिष्ठ विधि विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं से नए आदेश के मायने समझे जा रहे हैं और अब ऐसी स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों पर भी राय ली जा सकती है। अभियोजन की मंजूरी से बचने के लिए नए सिरे से सरकार का पक्ष रखा जा सकता है। वैसे भी शाह को लेकर पहले ही दिन से रक्षात्मक रवैया सरकार अपनाकर चल रही है। शाह को उनके हाल पर छोड़कर सरकार आदिवासियों की नाराजगी नहीं उठाना चाहेगी। आदिवासी बाहुल सीटों को लेकर सत्तापक्ष की स्थिति लगातार डावाडोल होती रही है। यही वजह है कि आदेश की प्रति मिलने के पहले ही आला अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। विधि विशेषज्ञों की राय पर अदालत की समय सीमा में रिपोर्ट तो पेश करना ही पड़ेगी। ऐसे में सामान्य प्रशासन, गृह, विधि सहित सभी जिन विभाग अपनी ओर से जरूरी कार्रवाई पूरी करके रखेंगे। अभियोजन को लेकर अंतिम निर्णय अदालत के रवैये को देखकर ही लिया जाएगा।

संक्रामक रोगों से निपटने में मरीजों का डाटा अहम

नगर संवाददाता, भोपाल। राष्ट्रीय एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम अंतर्गत 9 मई को स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सम्मिलित निजी अस्पतालों को संक्रामक रोगों की निगरानी के लिए आवश्यक रिपोर्टिंग फॉर्म की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ मनीष शर्मा, नर्सिंग होम एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ संजय गुप्ता, वरिष्ठतम चिकित्सक डॉ अनूप हजेला, पब्लिक हेल्थ फिजिशियन डॉ चंद्रकांत मोघे, सहायक संचालक एनएबीएच डॉ. नवीन चौधरी, भारतीय गुणवत्ता परिषद के सलाहकार जगत पटेल, डॉ श्रव्या सालम, राज्य एपिडेमियोलॉजिस्ट, जापाईगो संस्था से डॉ ज्योति बनवारी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ कामिनी मेहरा द्वारा सम्बोधित किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा

एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ मनीष शर्मा ने कहा कि भोपाल जैसे बड़े शहरों में शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं के साथ साथ निजी क्षेत्रों की स्वास्थ्य संस्थाएं भी बड़े पैमाने पर सेवाएं दे रही हैं। संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए प्राइवेट सेक्टर द्वारा रिपोर्ट किया जाना बेहद जरूरी है। डॉ शर्मा ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के लिए अनमोल पोर्टल पर प्रविष्टियों की जानकारी साझा की। कार्यशाला में सम्मिलित विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई कि समय पर सरकार को साझा की गई जानकारी से बीमारियों की रोकथाम, चेतावनी, आउटब्रेक मैनेजमेंट आसानी से किया जा सकता है।

नवाचार प्रदेश के सभी 66 जिला स्तरीय हेल्प डेस्क पर सातों दिन सेवा, मातृ-शिशु मृत्यु दर रोकने में कारगर

प्रदेश की सुमन हेल्प डेस्क नवाचार के लिए बनी देश में मॉडल

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के सुमन हेल्प डेस्क एवं इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को देश में नवाचार के लिए मॉडल माना गया है। यही कारण है कि भारत सरकार द्वारा आयोजित 10वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (नेशनल समिट ऑन इनोवेशंस एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज) में नवाचार एवं सर्वोत्तम कार्य-पद्धति के रूप में सराहा गया है। आईसीसीसी पूर्व से ही 24 घंटे सातों दिवस कार्यरत था, जबकि जिला स्तरीय हेल्प डेस्क कार्यालयीन समय में संचालित होते थे। इस व्यवस्था के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए मई 2026 से प्रदेश के सभी 66 जिला स्तरीय हेल्प डेस्क को भी सातों दिन संचालित किया जा रहा है। राज्य में प्रारंभिक रूप से 57 स्वास्थ्य संस्थाओं से शुरू हुई यह व्यवस्था अब विस्तारित होकर 55 जिला चिकित्सालयों, 10 शासकीय मेडिकल कॉलेजों तथा 01 एम्स भोपाल तक पहुंच चुकी है।

हर जिले में सक्रिय सुमन हेल्प डेस्क

प्रदेश के प्रत्येक जिले में सुमन हेल्प डेस्क स्थापित की गई है, जहां दो टेली-कॉलर एवं एक सुपरवाइजर नियुक्त हैं। हेल्प डेस्क का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को सभी निर्धारित स्वास्थ्य सेवाएं समय पर, निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण रूप से उपलब्ध हों। लाभार्थी को स्वास्थ्य सेवाओं में देरी या असुविधा पर हेल्प डेस्क द्वारा संबंधित स्वास्थ्यकर्मी, एएनएम, सीएचओ अथवा अन्य मैदानी अमले से समन्वय स्थापित कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है। शिकायतों का समयबद्ध निवारण इस प्रणाली की प्रमुख विशेषता है।

हाई-टेक निगरानी व्यवस्था

सुमन हेल्प डेस्क व्यवस्था राज्य स्तरीय सुमन इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) से जुड़ी हुई है। कंट्रोल सेंटर से सेवाओं की सतत निगरानी, रिपोर्टिंग एवं समन्वय किया जा रहा है। यह कमांड सेंटर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और तकनीक-आधारित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

104 टोल फ्री सेवा से लोगों को पहुंच रही मदद

104 टोल फ्री नंबर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, शिकायत निवारण, शासकीय योजनाओं की जानकारी तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) सेवाओं की जानकारी, सोनोग्राफी एवं आवश्यक जांच के लिए परामर्श, आईएफए एवं कैल्शियम अनुपूरण संबंधी मार्गदर्शन, बर्थ वेटिंग होम में भर्ती के लिए प्रेरित करना, उच्च जोखिम गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेगनेंसी) की सतत निगरानी, नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य ट्रैकिंग आदि सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। सुमन हेल्प डेस्क से लाखों गर्भवती महिलाओं, उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली माताओं एवं नवजात शिशुओं की नियमित निगरानी की जा रही है। हेल्प डेस्क द्वारा समय-समय पर जागरूकता संदेश, स्वास्थ्य परामर्श एवं आवश्यक जानकारी भी साझा की जाती है, जिससे सुरक्षित प्रसव एवं नवजात देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

नगर में आज

चिरोनूतोन
- स्थान: स्टेट म्यूजियम सभागार
- समय: शाम 6:00 बजे

फिल्म प्रर्दशन व पैनल चर्चा
- स्थान: अलायंस फ्रांसेज
- समय: शाम 7:00 बजे से

प्रणाम उदंत मार्तण्ड
- स्थान: भारत भवन
- समय: सुबह 10:30 बजे से

आर्ट कैंप
- स्थान: ध्रुपद संस्थान
- समय: सुबह 9:30 बजे से

कला प्रदर्शनी
- स्थान: मानव संग्रहालय
- समय: शाम 5 बजे

स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026
- स्थान: गौहर महल
- समय: दोपहर 12 बजे से

'माह का प्रादर्श'
- स्थान: मानव संग्रहालय
- समय: दोपहर 12 बजे से

73 शलाका चित्र प्रर्दशनी
- स्थान: लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- समय: दोपहर 12 बजे से

उपार्जन केंद्रों पर किसान परेशान, तीन से चार दिन लाइन में लगने के बाद हो पा रही गेहूं की तुलाई

शहर के पास दो उपार्जन केंद्रों पर शौचालय की व्यवस्था नहीं, कोल्हूखेड़ी में धूप में खड़े होकर किसान कर रहे अपनी बारी का इंतजार

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में चल रहे गेहूं उपार्जन कार्य के बीच प्रशासन द्वारा किए गए तमाम प्रयासों के बाद भी किसानों को उपज बेचने में लगभग दो सप्ताह तक समय लग रहा है। किसानों के अनुसार उपार्जन केंद्र पर पहुंचने के बाद उन्हें अपनी फसल तुलवाने में दो से तीन दिन लग रहे हैं। ऐसे में यदि किसान के पास चार ट्राली उपज हो तो 10 से 15 दिन का समय फसल तुलवाने में लग रहा है। इसके चलते किसानों को उपार्जन केंद्रों पर ही रात बितानी पड़ रही है। यहां पर शौचालय, बिजली और पानी की व्यवस्था न होने के कारण किसान परेशान हो रहे हैं। किसानों को बारबार उपार्जन केंद्र और घर के बीच चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई बार लघुशंका और शौच के लिए किसानों को खुले स्थानों में ही जाना पड़ रहा है। इस दौरान कुछ किसानों ने आरोप लगाया कि उपार्जन केंद्रों पर एक हजार रुपए देकर पहले फसल तुलाई का ऑफर भी दिया जा रहा है। यदि यह राशि नहीं दी जाती है, तो किसानों को मजबूरन इंतजार कराया जाता है।

कुछ किसानों ने तारीफ की

इस दौरान उपार्जन केंद्रों पर मौजूद कुछ किसान सभी व्यवस्थाओं की तारीफ भी करते नजर आए। इन किसानों का तर्क है कि व्यवस्था बेहतर होने से उपज की तुलाई आसान हुई है, लेकिन ज्यादातर किसान फसल तुलाई में की जा रही लेटलतीफी से नाराज नजर आए। किसानों का तर्क है कि खुले में मच्छर और कीड़ों के बीच ट्रैक्टर पर रात गुजारना मुश्किल साबित हो रहा है।

राजधानी के पास दो उपार्जन केंद्रों पर इस तरह दिखीं व्यवस्था

भौंरी सहकारी सेवा समिति

यहां दो टीन शेड के बीच गेहूं खरीदी की जा रही है। पीछे वाले शेड में तीन किसान एक साथ बैठे थे। इसमें भौंरी के नरेश पटेल और करेलाल प्रजापति ने बताया कि वे तीन दिन से फसल की तुलाई का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन काम शुरू नहीं हो सका है। बरखेड़ा बोंदर के कन्हैयालाल पाटीदार ने बताया कि पहले तीन तोल कांटों से फसल की तुलाई की जा रही थी। आज ही कांटों की संख्या बढ़ाई है। शायद उपज की तुलाई जल्दी हो जाए। वहीं पहले शेड में बैठे भौंरी के संतोष भार्गव ने बताया कि व्यवस्था ठीक है। किसानों की उपज सही तरीके से तौली जा रही है। हालांकि किसानों ने बताया कि शौच के लिए उन्हें खुले स्थान में जाना पड़ रहा है। खुले में रात बिताने में भी मुश्किल हो रही है, क्योंकि इस क्षेत्र में मच्छर बहुत हैं। जिससे डेंगू व चिकनगुनिया जैसी बीमारियां होने का खतरा है।

कोल्हूखेड़ी सहकारी सेवा समिति

समिति के पास खुले स्थान में दो दर्जन से ज्यादा ट्रालियां उपज तुलाई के इंतजार में खड़ी थीं। एक ट्रैक्टर ट्राली के नीचे चादर बिछाकर सो रहे सुनील चौहान व राज मीणा ने बताया कि वे तीन दिनों से तुलाई के इंतजार में खड़े हैं। गुरुवार तक इस इलाके में 70 से ज्यादा ट्रालियां उपज तुलाई के लिए खड़ी थीं। रविवार को देखते हुए ज्यादा किसान नहीं पहुंचे हैं। सोमवार से फिर से किसान अपनी फसल लेकर यहां पहुंचेंगे। पिपलिया धाकड़ के दिनेश मालवीय व उनके साथियों ने बताया कि एक ट्रैक्टर ट्रॉली की उपज तुलवाने के लिए वे तीन दिनों से इंतजार कर रहे हैं। भोजन व नहाने के लिए उन्हें 10 किमी दूर घर जाना पड़ता है। तीन साथी बारी-बारी से घर जाते हैं, ताकि उपज तुल सके। घर पर तीन ट्रॉली और भी तुलाई के इंतजार में खड़ी हैं। इन्हें तुलवाने में लगभग दो सप्ताह के समय लग जाएगा।

बैरसिया रोड पर दो दिन तक प्रभावित रहेगी कोलार जल सप्लाई

मेट्रो कार्य के चलते शिफ्ट होगी 400 एमएमए की पाइप लाइन

जागरण संवाददाता, भोपाल। करोंद से काजीकैंप के बीच चल रहे मेट्रो एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के दौरान बैरसिया रोड स्थित डीआईजी बंगला चौराहा से आरिफ नगर के बीच 400 एमएम व्यास की डीआई फीडरमैन लाइन की शिफ्टिंग की जाना है। इसके चलते 11 मई सोमवार को संबंधित इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी, जबकि 12 मई मंगलवार को कम दबाव से पानी आएगा। नगर निगम प्रशासन के अनुसार इन दो दिनों के लिए उपभोक्ता पूर्व में ही तैयारी पूरी कर लें, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। नगर निगम के जल प्रदाय अमले से मिली जानकारी के अनुसार इन दो दिनों में छोला स्थित जेपी नगर, काजीकैंप, टीला जमालपुरा, आरिफ नगर, कांग्रेस नगर, ग्रीन पार्क कालोनी, चौकसे नगर, 6 गलियां, नारियलखेड़ा, निशातपुरा, न्यू आरिफ नगर, रेशम केंद्र, छोला विश्रामघाट, रंभा नगर, पिंजोमल मनवानी धर्मशाला, शीतल नगर व आसपास के इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। निगम प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार 10 मई की सप्लाई के बाद लाइन शिफ्टिंग का काम शुरू हो जाएगा, जिसके बाद 11 मई को पेयजल सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी। 12 मई को कम दबाव से की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

आटो चालक ने सवारी पर चाकू से किया हमला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। स्टेशन बजरिया इलाके में आटो चालक और उसके साथियों ने पर्स लूटने के लिए एक सवारी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इससे सवारी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर एक को हिरासत में ले लिया है। उसके दो साथियों की तलाश जारी है। 30 वर्षीय सूरज साहू आनंद नगर इलाके में रहता है। शुक्रवार रात उसका पत्नी से झगड़ा हो गया था। नाराज होकर भोपाल स्टेशन जाने के लिए निकला था। उसके पास पांच सौ रुपए थे। रास्ते में शराब पी। स्टेशन से पहले हबीबिया स्कूल के पास उसका स्टेशन जाने का विचार बदल गया। उसने वहां खड़े होकर आनंद नगर जाने के लिए आटो देखने लगा। एक आटो वाले से उसने बात की। आटो चालक ने बताया कि वह हथाईखेड़ा का रहने वाला है। तभी वहीं खड़े दूसरे आटो का चालक भी उनके साथ सवार हो गया। सूरज नशे में धुत था। दूसरे चालक ने रास्ते में किसी को कॉल किया। जब वह 80 फीट रोड पर पहुंचे तो उन्होंने आटो की रफ्तार कम कर ली। गली से युवक आया और लूट की नियत से उसने सूरज की जेब से पर्स पर झपट्टा मारा। सूरज ने पर्स पकड़ लिया। इस पर बदमाश ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। उसे लहूलुहान करके आटो से उतारकर तीनों फरार हो गए।

किशोरी के अपहरण पर दो गुटों में खूनी संघर्ष

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नजीराबाद इलाके में एक किशोरी के अपहरण करने को लेकर हुए विवाद दो परिवारों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी-डंडो से हमला किया। हमले में करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों ही गुटों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, कालूखेड़ी में रहने वाली एक महिला की नाबालिग भतीजी को गांव में रहने वाले अरविंद ने अक्टूबर माह में अगवा कर दुष्कर्म भी किया था। पीड़िता अभी गर्भवती है। वह अभी भी अरविंद के घर में रह रही है। इसकी बात को लेकर शुक्रवार रात दोनों गुटों के बीच पहले कहासुनी हुई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। विवाद बढ़ने पर दोनों गुटों के करीब दर्जनभर लोग आमने-सामने आ गए। एक दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में करीब आधा दर्जन गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों गुटों के लोगों के खिलाफ बलवा समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

4 शहरों के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस शुरू करेगा फ्लाइट

दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरु व कोलकाता के लिए अतिरिक्त उड़ानें

हिरदाराम नगर, प्रतिनिधि। भले ही ईरान के अमेरिका एवं इजराइल के साथ युद्ध के चलते भोपाल से विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या में प्रतिदिन 80 से 100 की कमी आ गई हो लेकिन एयर इंडिया एक्सप्रेस ने लंबे समय से लंबित अपनी चार उड़ानों को शुरू करने का निर्णय लिया है, और इसकी शुरूआत जुलाई के पहले हफ्ते मे कर दी जाएगी। जानकारी के अनुसार एयर इंडिया डेढ़ साल पहले ही अपनी चारों उड़ाने प्रारंभ करने वाला था, लेकिन कथित रूप से एक अन्य निजी क्षेत्र की एयर लाइंस द्वारा रोड़ा अटकाए जाने के कारण स्लाट बुक करने के बावजूद फ्लाइट प्रारंभ नहीं हो पाई लेकिन अब उसने दृढ़ निश्चिय किया है कि जुलाई से अक्टूबर बीय वह हर हालत में भोपाल से हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली एवं कलकता के लिए उड़ाने प्रारंभ करेगा इसके लिए जून अंत तक एडवांस बुकिंग चालू कर दी जाएगी।

अब दिल्ली की 9 उड़ानें

अगर अपने निर्धारित समय से एयर इंडिया एक्सप्रेस ने चारों शहरों के लिए उड़ाने प्रारंभ की तो दिल्ली के लिए सर्वाधिक 9 फ्लाइट हो जाएगी, जबकि वर्तमान में फिलहाल दिल्ली के लिए 7 उड़ाने चल रही है। इंडिगो ने एक जुलाई 26 से नोएड स्थित जेवर एयरपोर्ट के लिए फ्लाइट चलाने का निर्णय लिया है, और इसके लिए स्लाट भी बुक करवा दिया है, उसके बाद दिल्ली के लिए प्रतिदिन उड़ानों की संख्या 9 हो जाएगी जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा जुलाई में ही दिल्ली के लिए प्रस्तावित फ्लाइट को लेकर बढ़कर 9 हो जाएगी। इसी तरह मुम्बई के लिए वर्तमान में 4 उड़ाने हैं, लेकिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की प्रस्तावित उड़ान के बाद मुम्बई दूसरे नम्बर पर आ जाएगा जहां के लिए प्रतिदिन 5 फ्लाइट होंगी। बैंगलुरु के लिए वर्तमान में 3 की जगह 4 उड़ाने होंगी। वर्तमान में भोपाल से विभिन्न शहरों के लिए कुल 17 उड़ाने संचालित है, जिनमें सर्वाधिक इंडिगो जबकि दूसरे नम्बर एयर इंडिया है, परन्तु एयर इंडिया की दस्तक के बाद 17 की जगह 22 उड़ाने हो जाएंगी क्योंकि एक जुलाई से इंडिगो नोएडा एयरपोर्ट के लिए उड़ान प्रारंभ करने की घोषणा कर चुका है।

गोवा व जयपुर की भी मांग

इधर इंडिगो द्वारा गोवा के लिए समर सीजन में चालू की गई फ्लाइट को 28 मार्च से बंद कर दिए जाने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, और गोवा फ्लाइट फिर शुरू करने के लिए अनेक संस्थाओं ने सांसद आलोक शर्मा से गुजार लगाई है, इसी तरह पिछले साल इंडिगो की जयपुर उड़ान पर भी ब्रेक लग जाने से खासतौर पर व्यापारियों को खासी परेशानी हो रही है क्योंकि मुख्य रूप से संत हिरदाराम नगर के बेडशीट, पिल्लो कवर एवं महिल के सूट की जयपुर से जबरदस्त मात्रा में खरीदी की जाती है, इस कारण जयपुर की बंद उड़ान को भी फिर से शुरु करने की पुरजोर मांग की जा रही है।

कोलकाता जाना होगा आसान

इधर पिछले एक साल से इंडिगो द्वारा कलकता के लिए उड़ान बंद कर दिए जाने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इसके लिए यात्री या तो दिल्ली अथवा अहमदाबाद कनक्टिंग फ्लाइट पकड़ रहे हैं, लेकिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से जुलाई या अगस्त में कलकता के लिए नई उड़ान प्रारंभ करने से कलकता जाना भी आसान हो जाएगा।

> "नए शेड्यूल के अनुसार भोपाल से दिल्ली, मुंबई, नवी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और रायपुर के लिए उड़ान सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। ये सेवाएं इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित की जाएंगी।
> ● रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर

स्टेशन के आउटर पर खड़ी होने वाली ट्रेनों में बढ़ी चेन स्नैचिंग और लूट की वारदात

ट्रेन में घुसकर लूट व चोरी कर रहे बदमाश, कूदकर हो जाते हैं फरार

अधिकारियों का कहना- स्टेशन से पहले दरवाजे खोलने और घनी बस्ती होने के कारण हो रही लूटः चोरी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शहर से गुजरने वाली ट्रेनों में चेन स्नैचिंग और मोबाइल लूट की वारदातें बढ़ी हैं। इन घटनाओं से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। खासकर स्टेशन के आउटर पर ये घटनाएं अधिक सामने आ रही हैं। हाल ही में जीआरपी भोपाल में दर्ज मामलों जिनमें निशातपुरा और संत हिरदाराम नगर के आउटर पर दो चेन स्नैचिंग की घटनाएं शामिल हैं। दोनों घटनाओं में एक जैसा ही पैटर्न उजागर हुआ है। दोनों घटनाओं में बदमाश धीमी गति से चल रही ट्रेन में आउटर पर सवार हुए। महिला यात्रियों को निशाना बनाते हुए उनकी सोने की चेन छीनी और ट्रेन के रफ्तार पकड़ने से पहले कूदकर फरार हो गए। एक अन्य घटना में बदमाश ने कोच की खिड़की से एक युवक का मोबाइल फोन छीन लिया। अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। जीआरपी अधिकारियों की कहना है कि रानी कमलापति, भोपाल, निशातपुरा और संत हिरदाराम नगर स्टेशनों के बीच आउटर सेक्शनों पर इस तरह की घटनाएं अक्सर होती हैं।

सीसीटीवी कैमरों की कमी

जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन के आउटर पर सीसीटीवी कैमरों की भी कमी है। इसलिए जब भी घटनाएं होती हैं तो आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को परेशान आती है। फुटेज नहीं होने से आरोपी गिरफ्त से दूर हो जाता है। इसके अलावा जहां कैमरे लगे भी हैं उनका नाइट विजन अच्छा नहीं है इसलिए उनकी पहचान नहीं हो पाती। आउटर के सेक्शनों पर कैमरे नहीं होने जांच प्रभावित होती है। भोपाल जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि ट्रेनों की सुरक्षा को लेकर जीआरपी और आरपीएफ पेट्रोलिंग करती है। लेकिन स्टाफ सीमित होने से जब तक खबर आती है तो आरोपी भाग निकलता है। कुछ संवेदनशील इलाकों की पहचान कर गश्त बढ़ाई गई है। सर्दी के समय कुछ एक जैसे पैटर्न की लूट व चोरी सामने आई थी। अप्रैल में भी कुछ घटनाएं बढ़ी हैं, लेकिन पुलिस आरोपी तक भी पहुंची है।

यात्रियों की लापरवाही सामने आई

नाम न छापने की शर्त पर जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रेनों को आउटर में नहीं खड़ा करना चाहिए। खासकर जहां घनी बस्ती है। इन बस्तियों में रहने वाले असामाजिक तत्व रात में वारदात को अंजाम देते हैं। इसके अलावा बस्ती की आड़ में अन्य बदमाश वारदात कर छिप जाते हैं। ट्रेन को या तो स्टेशन के पास रोका जाए या फिर वहां रोका जाए जहां घनी बस्ती न हो। इससे अपराध में कमी आएगी। दूसरी ओर यात्रियों की लापरवाही सामने आती है। स्टेशन आने से पहले कुछ यात्री ट्रेन के दरवाजे खोलकर खड़े हो जाते हैं। इसी का फायदा उठाकर बदमाश ट्रेन की धीमी गति होने पर उसमें आसानी से चढ़ जाते हैं और वारदात को अंजाम देकर भाग निकलते हैं।

हाल की घटनाएं

- 22 अप्रैल भोपाल के एक व्यक्ति के दो प्रीमियम स्मार्टफोन (कीमत 2.96 लाख रुपए) रेवांचल एक्सप्रेस में रीवा से रानी कमलापति के बीच यात्रा के दौरान चोरी हो गए।
- 20 अप्रैल इंदौर की 54 वर्षीय महिला का बैग, जिसमें मोबाइल फोन और चांदी के आभूषण थे, संत हिरदाराम नगर पहुंचने से पहले चोरी हो गया। वह ललितपुर से इंदौर जा रही थीं।
- 18 अप्रैल देवास की 58 वर्षीय महिला का बैग, जिसमें मोबाइल फोन और नकदी थी, भोपाल के पास ट्रेन में चोरी हो गया। वह जबलपुर से इंदौर जा रही थीं।
- 15 अप्रैल संत हिरदाराम नगर के पास प्रयागराज एक्सप्रेस में एक 65 वर्षीय महिला की सोने की चेन अज्ञात बदमाश ने छीन ली।
- 13 अप्रैल निशातपुरा आउटर के पास शताब्दी एक्सप्रेस में इंदौर की एक महिला से चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई।

ट्रेन के सामने कूदकर ननि कर्मचारी ने दी जान

जागरण, भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में नगर निगम कर्मचारी ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार 37 वर्षीय भूपत सिंह जाटखेड़ी में रहता था। वह नगर निगम में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में काम करता था। गुरुवार सुबह साढ़े चार वह आरकेएमपी और मंडीदीप के बीच जाने वाली रेलवे लाइन के पास पहुंचा। जहां उसने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। हादसा इतना दर्दनाक था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। स्टेशन मास्टर ओमेंद्र सिंह की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे मे लिया। बाद में जब उसे ढूंढ़ते हुए परिजन थाने पहुंचे तो उन्होंने शव की शिनाख्त की। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

बच्चे को खोजने निकले सुपरवाइजर को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पिपलानी इलाके में घर के आसपास खेल रहे बच्चे को खोजने निकले सुपरवाइजर को ई-रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इधर, चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है। पुलिस ने शनिवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, 38 वर्षीय हटे सिंह जादव पिता काशीनाथ जादव 100 क्वाटर बस्ती बी सेक्टर पिपलानी में रहते थे। वह एक ठेकेदार के साथ बतौर साइट सुपरवाइजर के रूप में काम कर रहे थे। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद हटे सिंह घर के बाहर टहल रहे थे। उन्हें पता लगा कि बच्चा घर के बाहर खेल रहा है। वह उसे खोजने निकले। सड़क पार करते समय उन्हें ई-रिक्शा चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मोहल्ले वालों ने उन्हें पास स्थित अस्पताल ले गए। इसके बाद जेपी अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया।

युवक को कार ने मारी टक्कर, मौत

बैरसिया में बाइक सवार पुजारी को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे मौत हो गई। साथी को मामूली चोटें आई हैं। 28 वर्षीय संजू शर्मा बरखेड़ा खुर्द का रहने वाला था।शुक्रवार दोपहर ढाई बजे वह बैरसिया स्थित बरेला खेड़ा कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। उनके साथ राजवीर भी था। बाइक संजू चला रहा था। बैरसिया में सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर संजू की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में संजू का पैर कट गया। अधिक खून बहने से हमीदिया अस्पताल में उसकी देर शाम को मौत हो गई। घायल राजवीर का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नवाचार आरक्षक से लेकर निरीक्षक तक 95 पद भरने की तैयारी, एमपी पुलिस से तीन साल की प्रतिनियुक्ति पर लेगी स्टाफ

मादक पदार्थों की तस्करी रोकने नारकोटिक्स विंग होगी मजबूत

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के अवैध कारोबार को जड़ से मिटाने के लिए डीजीपी ने प्रदेशभर में अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पुलिस की नारकोटिक्स विंग को फिर से मजबूत बनाने की कवायद तेज हो गई है। पीएचक्यू से नशा मुक्ति अभियान चलाने और तस्करों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश मिलने के बाद, नारको विंग में खाली 95 पदों को भरने प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ब्रांच के एडीजी डी. श्रीनिवास वर्मा ने इस संबंध में सभी जिलों के एसपी और भोपाल-इंदौर के पुलिस कमिश्नर को पत्र भी लिखा है। इसमें कहा गया है कि इस संबंध में थानों में रोल कॉल और लाइन में हाजिरी के दौरान इसकी जानकारी सभी स्टाफ को दी जाए। इसके बाद इन जिलों से जो भी स्टाफ नारकोटिक्स विंग में आना चाहता है, उसके आवेदन लेकर एक सप्ताह के भीतर सीधे ब्रांच को भेजे जाएं।

जनरल ड्यूटी के साथ मोटर ट्रांसपोर्ट स्टाफ को भी मौका

नारकोटिक्स विंग में फिलहाल कॉन्स्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर तक के 95 पद खाली हैं । इनमें जनरल ड्यूटी (जीडी) के अलावा वाहन चलाने और संभालने वाले स्टाफ (एमटी) के पद भी शामिल हैं। नारकोटिक्स विंग में इंस्पेक्टर के 4 पद, उप निरीक्षक के 20 पद, एएसआई के 5 पद, प्रधान आरक्षक के 12 पद और आरक्षक के 54 पदों पर प्रतिनियुक्ति दी जाएगी। इनमें आरक्षक के 17, हेड कॉन्स्टेबल के 7, एएसआई के 3 और सब इंस्पेक्टर का 1 पद एमटी स्टाफ से भरा जाएगा, बाकी पद जीडी स्टाफ के लिए हैं। इन पदों पर शुरुआती तौर पर 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति दी जाएगी, जिसे 1 साल आगे बढ़ाया जा सकेगा। विंग ने साफ कर दिया है कि प्रतिनियुक्ति के लिए केवल वही पुलिसकर्मी पात्र हैं, जिनकी न्यूनतम सेवा लगभग 5 वर्ष की हो चुकी है और उनके खिलाफ विभागीय जांच या आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं है इसके अलावा, कर्मचारी का पिछला आचरण और कार्यक्षमता भी चयन का मुख्य आधार होगी।

केंद्रीय एजेंसियों से तालमेल की कमी

एमपी पुलिस की नारको विंग की स्थापना लगभग चार दशक पहले की गई थी। मादक पदार्थों के खिलाफ स्ट्राइक फोर्स के तौर पर इसे इस मकसद के साथ बनाया गया था कि यह सेंट्रल एजेंसियों के साथ मिलकर नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। फिलहाल विंग इंदौर, रतलाम, मंदसौर और नीमच में एक्टिव है, लेकिन स्टाफ की कमी से जूझ रही है। अवैध एमडी फैक्ट्री, नशे की बड़ी खेप और तस्करों को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) जैसी सेंट्रल एजेंसियां पकड़ रही हैं और स्थानीय विंग को भनक तक नहीं लगती। इसकी बड़ी वजह इन एजेंसियों के साथ विंग का तालमेल न होना है। हालांकि साल में एक-दो बार नारकोटिक्स ब्रांच अपने एक्शन या अन्य वजहों से चर्चा में जरूर आ जाती है।

परिचित ने लोन दिलाने के नाम पर चुराए सोने के जेवरात

जागरण, भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में बैंक में लोन दिलाने के नाम पर परिचित सोने के जेवरात लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय शिवकुमार अहिरवार कोकता बाईपास इलाके में रहता है। वह निजी कंपनी में काम करता है। जहां आरोपी यशवंत सिंह राजपूत भी काम करता है। दोनों के बीच अच्छी दोस्ती थी। इस दौरान पैसे की जरूरत होने शिवकुमार ने सोने के जेवरात को गिरवी रखने के बारे में बताया। इस पर आरोपी यशवंत ने एक बैंक में जान-पहचान का हवाला देकर जेवर गिरवी रखने कहा। बुधवार दोपहर साढ़े 12 बजे दोनों बाइक से इंद्रपुरी स्थित बैंक में जेवर गिरवी रखने जा रहे थे। जहां भेल गेट नंबर 1 पर शिवकुमार गाड़ी खड़ी कर गुटखा खरीदने चला गया। जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने डिग्गी में रखे बैग चोरी कर फरार हो गया। जिसमे अंगूठी और पेडल रखा था। बाद में पीड़ति ने उसे कई बार फोन किया, नहीं उठाने पर परेशान होकर उसने थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने यशवंत सिंह राजपूत के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

यादव समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों का किया स्वागत

भोपाल। यादव एजुकेशन एंड करियर प्रमोशन सोसायटी, भोपाल द्वारा प्रदेश के विभिन्न निगम-मंडलों में नियुक्त यादव समाज के पदाधिकारियों के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह आनंद नगर स्थित यादव समाज के निर्माणाधीन छात्रावास परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह में अपेक्स बैंक के नवनियुक्त प्रशासक महेंद्र यादव तथा उज्जैन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मुकेश यादव का पुष्पमालाओं एवं शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं सागर के पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री लक्ष्मीनारायण यादव तथा मध्यप्रदेश कुश्ती संघ, के अध्यक्ष श्री नारायण यादव, आशाराम यादव, पूर्व सदस्य, मध्य प्रदेश पिछ?ा वर्ग आयोग, खातेगांव के पार्षद लक्ष्मी यादव, सुरेन्द्र यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा पिछडा वर्ग, उच्जैन, पूर्व पार्षदद्वय बलवीर यादव, दिनेश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण एवं विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि लक्ष्मीनारायण यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज के लोगों को शासन-प्रशासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपकर यादव समाज के मान-सम्मान और गौरव बढ़ाया है। वहीं, मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष और सीएम डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई नारायण यादव ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए यादव एजुकेशन एंड करियर प्रमोशन सोसायटी द्वारा शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

दिगंबर जैन युवा महासभा का गठन भारती जैन बनी महिला शाखा अध्यक्ष

भोपाल। दिगंबर जैन युवा महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विकेश मेहता ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जिला अध्यक्ष पद पर राजीव जैन को नियुक्त किया। उनके साथ-साथ महामंत्री के रूप में रोहित जैन एवं महिला शाखा अध्यक्ष के रूप में भारती जैन को नियुक्त किया गया। तीनों पदाधिकारी जैन समाज के सभी कार्यक्रमों में अग्रणी रहते हैं एवं संतों की सेवा में मुनि भक्त बनकर आगे आए हैं। मेहता ने समस्त पदाधिकारी को निर्देश दिया कि भोपाल जिले में हर गांव और कस्बे में विस्तृत रूप से कार्यकारिणी घोषित की जाए। जाति का जनगणना अभियान को मजबूत किया जाए साथ ही रचनात्मक आयोजन एवं सदस्यता अभियान को गति प्रदान की जाए। मेहता ने बताया कि आने वाले समय में पूरे देश में 600 से अधिक जिलों में कार्यकारिणियों का गठन होने जा रहा है विगत 40 दिनों में 30 कार्यकारिणी गठित हुई है जो अपने आप में एक इतिहास बना है इस पुनीत कार्य के लिए मेहता ने सारे देश की युवाओं का आभार प्रदर्शित किया।

भोपाल केंद्रीय जेल की दीवारों के बीच गूंजा मातृत्व का संदेश

भोपाल। ब्रह्माकुमारीज सुख शांति भवन नीलबड़ भोपाल द्वारा भोपाल केंद्रीय जेल में मां-सुखी परिवार की आधारशिला विषय पर मातृत्व दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 180 से 200 कैदी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा बीके रश्मि नारायण बहन ने स्पष्ट की। तत्पश्चात बीके साक्षी बहन ने मातृत्व दिवस की भूमिका, मां के जीवन में महत्व एवं सुखी परिवार की आधारशिला विषय पर प्रेरणादायी विचार रखे तथा सभी को योग अनुभूति कराई। मुख्य अतिथि श्रीमती ला वर्मा (प्रोजेक्ट मैनेजर यूएनसीआईएफ) ने मां के महत्व पर जीवन के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में मां और बच्चों का आकर्षक रैम्प वॉक एवं सदा खुशियों के गीत पर डांस एक्टिविटी विशेष आकर्षण रही। जेल अधीक्षक जया मैडम ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे सकारात्मक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु प्रेरित किया। अंत में विजेताओं को प्राइज एवं ब्लेसिंग दी गई, सभी को अल्पाहार कराया गया तथा एक मिनट मेडिटेशन द्वारा परमात्मा मां का शुक्रिया अदा किया गया। कार्यक्रम का संचालन बीके रश्मि बहन एवं सहयोगी बहनों द्वारा किया गया।

मेट्रो कार्य और रखरखाव के चलते कल कई क्षेत्रों में गुल रहेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। रविवार को शहर के कई इलाकों में 2 से 7 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। मेट्रो लाइन शिफ्टिंग, ईएचवी लाइन री-स्ट्रिंगिंग और पीटीआर रिमूविंग जैसे कार्यों के चलते शहर के 50 से ज्यादा इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। मेट्रो लाइन शिफ्टिंग कार्य के चलते आज चंबल कॉलोनी, गोविंदपुरा ऑफिस कैंपस और बिजली नगर कॉलोनी में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी। वहीं गोविंदपुरा मार्केट और गोविंद गार्डन, गो विंदपुरा के-सेक्टर, एच-सेक्टर, मंजीत फैब्रिकेटर्स क्षेत्र में ईएचवी लाइन के काम की वजह से सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी। पुष्पा नगर, 80 फीट रोड, कम्मू का बाग, महामाई का बाग, नगर निगम ऑफिस, सेमरा, खेजड़ा, भानपुर, दामखेड़ा, विजय नगर, दुर्गा नगर, चांदबड़, बजरिया, राजेंद्र नगर, द्वारका नगर और कृष्णा नगर सहित आसपास के सभी इलाकों में सुबह 11.30 से दोपहर 2 बजे तक और भारत नगर और छत्रसाल क्षेत्र में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कटौती का काम किया जाएगा। रोशनपुरा, मालवीय नगर, शारदा अपार्टमेंट और श्री राम अपार्टमेंट में सुबह 10 से 2 बजे तक बिजली गुल रहेगी।

वल्लभ भवन रोटरी पर प्लास्टिक बैरियर से बनाई सेपरेट लाइन

प्रयोग सफल रहा तो होगा पक्का निर्माण, एक्सीडेंट की संभावना को कम करने पर जोर, सेपरेट लाइन से पेट्रोल पंप तक पहुंच सकेंगे लोग

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। वल्लभ भवन रोटरी यानी एमपीनगर थाना चौराहे पर एक्सीडेंट की संभावना कम करने और पेट्रोल पंप की ओर से जाने वालों के लिए पुलिस कमिश्नर (सीपी) संजय कुमार ने शनिवार को सेपरेट लाइन बनवाई है। प्लास्टिक बैरियर से बनी यह सेपरेट लाइन अभी प्रयोग के तौर पर है। प्रयोग सफल हुआ तो यहां आने वाले समय में पक्का निमार्ण किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, अभी देखने में आ रहा था कि इस चौराहे पर कोर्ट चौराहे की ओर से आने वाला वह ट्रैफिक जिसे सीधा डीबी मॉल की ओर जाना है वह भी रेड सिग्नल पर रुक जाता है। इससे ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहा था। वहीं चौराहे के पास बने पेट्रोल पंप पर जाने के लिए लोग रेड सिग्नल के बीच में ही निकल जाते थे, जिससे एक्सीडेंट की संभावना बढ़ रही थी। अब यदि किसी को ईंधन डलवाना है तो वह कोर्ट चौराहे की ओर से आएगा और सेपरेट लेन में शामिल होकर पंप तक पहुंच सकेगा। इससे दुर्घटना की संभावना कम होगी। मान लीजिए आप वल्लभ भवन की ओर से आ रहे हैं और आपको ईंधन डलवाना है तो आपको पहले कोर्ट चौराहा की ओर जाना होगा। यहां से टर्न लेकर आना होगा। सेपरेट लाइन से पेट्रोल पंप तक पहुंच सकेंगे। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि इस चौराहे पर अभी प्रयोग किया गया है। चूंकि चौराहे पर अभी सिग्नल नहीं लगाए जा सकते हैं इसलिए सेपरेट लाइन डालकर ट्रैफिक को मूव किया जा रहा है। प्रयोग सफल होने पर पक्का निर्माण किया जाएगा। लोग बिना रुके सीधे निकल जाएंगे।

तिराहे पर ट्रैफिक का चौराहे की तरह दबाव

हम बता दें कि इस चौराहे पर अभी कोन्स लगाकर प्रायोगिक तौर पर छोटी रोटरी बनाई गई है, जिस पर ट्रैफिक का संचालन किया जाएगा। रोटरी के पक्के निमार्ण के बारे में भी आगे निर्णय नहीं लिया गया है। यह प्रयोग जारी है। शनिवार को सीपी बरकतउल्ला विवि के पास स्थित तिराहे पर भी पहुंचे। यहां उन्होंने देखा कि अभी तिराहे से हिसाब से यहां सिग्नल लगा है। लेकिन ट्रैफिक का दबाव चौराहे की तरह है। ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए यहां आगे सुधार के लिए काम किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर के साथ डीसीपी जोन-टू विकास शहवाल भी मौजूद रहे।

बागमुगालिया में ग्रीन बेल्ट की जमीन पर बसाए जा रहे दीपक नगर के 35 परिवार

पहले भी अरविंद विहार और बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी के लोग कर चुके हैं विरोध

जागरण संवाददाता, भोपाल। बावड़िया कला स्थित दीपक नगर बस्ती के 35 परिवारों को उनके पट्टे की जगह से हटाकर बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी स्थित दशहरा मैदान के सामने ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में बसाया जा रहा है। प्रशासन द्वारा की जा रही इस बसाहट का बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी और अरविंद विहार कालोनी के लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। लोगों की मानें तो पूर्व में भी इस स्थान पर शिफ्टिंग की जा रही थी, जिसका जमकर विरोध किया गया था, लेकिन शनिवार के दिन कोलार तहसील की टीम द्वारा इन 35 परिवारों को दल बल के साथ लाकर यहां पर छोड़ दिया गया है। अचानक घर उजड़ने से जहां यह 35 परिवार परेशान हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कालोनी के लोग भी चिंतित हैं। रहवासियों का कहना है कि ग्रीन बेल्ट की जमीन पर अतिक्रमण होने से इस पूरे क्षेत्र में कब्जे बढ़ेंगे। जिससे सड़क पर भी अतिक्रमण होगा। पहले ही बागसेवनिया के पास बड़े पैमाने पर बन चुकी झुग्गियों, गुमटियों और सब्जी बाजार के चलते सप्ताह के सभी दिन मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण लगा रहता है। इन सभी निर्माणों के हो जाने से अरविंद विहार और बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी के आसपास भी अतिक्रमण बढ़ेगा, जिससे क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी बढ़ेगा।

मानस भवन के लोगों को दिए गए पीएम आवास

पूरी कार्यवाही पर बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने सवाल उठाते हुए कहा कि हाल ही में मानस भवन के पास 70 साल पुरानी आदिवासी बस्ती शिफ्ट की गई थी। इस दौरान सभी मालीखेड़ी व अन्य पीएम आवास योजना के मकानों में शिफ्ट किया गया था, लेकिन दीपक नगर के लोगों को ग्रीन बेल्ट की जमीन पर बसाया जा रहा है। इससे आसपास के क्षेत्र में लगाए गए हरे भरे पेड़ झुग्गियां बनाने के लिए काटे जाएंगे, जिससे पर्यावरण का भी नुकसान होगा। वहीं कालोनी के अन्य लोगों का कहना है कि प्रशासन की यह शिफ्टिंग पूरी तरह से गलत है, लोगों को पहले पीएम आवास योजना के आवास आवंटित किए जाने थे। इसके बाद ही उन्हें दीपक नगर से हटाया जाना था।

"इन लोगों को समझाइश दी गई है कि यहां पर पेड़ व हरियाली नष्ट न करें। इन्हें अस्थाई रूप से यहां शिफ्ट किया है। जबकि पीएम आवास योजना के मकान आवंटित करवाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। मकान आवंटित होते ही इन्हें यहां से शिफ्ट करवाया जाएगा।

पीसी पांडेय, एसडीएम, कोलार

समय पर जांच और इलाज दे सकता मरीज को बेहतर जीवन

विश्व थैलीसीमिया दिवस पर एम्स में कार्यक्रम

नगर संवाददाता, भोपाल। अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल के शिशु रोग विभाग द्वारा बाल रोग बाह्य रोगी विभाग परिसर में थैलेसीमिया और अन्य हीमोग्लोबिन विकारों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को बीमारी के लक्षण, समय पर जांच, बचाव और उपचार के बारे में सरल भाषा में जानकारी देना था। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. शिखा मलिक (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शिशु रोग विभाग) ने किया। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, विवाह पूर्व स्क्रीनिंग, गर्भावस्था के दौरान जांच और सामुदायिक जागरूकता से थैलेसीमिया की रोकथाम संभव है। डॉ. योगेन्द्र सिंह यादव (अतिरिक्त प्रोफेसर, शिशु रोग विभाग) ने बताया कि इस बीमारी से पीड़ित बच्चों को बार-बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है, जिससे परिवारों पर लंबे समय तक मानसिक, सामाजिक और आर्थिक बोझ पड़ता है। डॉ. मेघा धवन (डीएम पीडियाट्रिक हीमेटो-ऑन्कोलॉजी) और डॉ. पूजा सोनी (सीनियर रेजिडेंट) ने थैलेसीमिया के लक्षण, जांच, गर्भपूर्व परीक्षण, रक्ताधान, कीलेशन थेरेपी तथा समय पर उपचार मिलने पर बच्चों के बेहतर भविष्य की जानकारी दी। मरीजों, अभिभावकों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और नागरिकों ने भाग लिया तथा जागरूकता सामग्री और परामर्श भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पीडियाट्रिक हीमेटोलॉजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य रक्त संबंधी रोगों के प्रति शैक्षणिक रुचि और ज्ञान को बढ़ावा देना था।

शहर को नंबर वन बनाने सभी लोग सिटीजन फीडबैक में दें योगदान

जागरण संवाददाता, भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शहरवासियों की सिटीजन फीडबैक में भागीदारी बढ़ाने के लिए महापौर हर सप्ताह आम नागरिकों से रूबरू होकर उनसे शहर की स्वच्छता रैंकिंग बढ़ाने के लिए सकारात्मक सिटीजन फीडबैक देने की अपील कर रही हैं। इसी तारतम्य में वे शनिवार को न्यू मार्केट में पार्किंग व्यवस्था में लगे कर्मचारियों और एमएलबी कालेज की छात्राओं से भी मिलीं और उनसे मिलकर परिवार सहित सकारात्मक सिटीजन फीडबैक देने की अपील की। इस दौरान महापौर ने स्वयं भी सिटीजन फीडबैक दर्ज किया और उपस्थित सभी लोगों को सकारात्मक सिटीजन फीडबैक दर्ज करने के लिए प्रेरित किया।

महापौर बोलीं-स्वच्छता हर नागरिक का कर्तव्य

महापौर ने सबसे पहले न्यू मार्केट स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के कर्मचारियों से चर्चा की। जहां उन्होंने पार्किंग व्यवस्था में लगे कर्मचारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को क्यूआर कोड और लिंक केमाध्यम से फीडबैक दर्ज करने की प्रक्रिया समझाई और अपील की कि सभी पार्किंग में आने वाले हर वाहन चालक को भी स्वच्छता फीडबैक देने के लिए जागरुक करें। इसके बाद वे एमएलबी कालेज पहुंची यहां पर प्राचार्य डॉ. अजय अग्रवाल और प्राध्यापकों की उपस्थिति में छात्राओं को स्वच्छता का संकल्प दिलाया।

किराएदारों की सूचना नहीं देने पर मैनेजर और मालिक पर एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पिपलानी इलाके में स्थित आनंद नगर में एक बिल्डिंग के 15 कमरों में रह रहे 30 किराएदारों की मालिक ने सूचना नहीं दी। इन किराएदारों से पैसों की वसूली के लिए रखे गए मैनेजर की भी पुलिस वेरीफिकेशन नहीं कराया। इस पर पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ कार्यवाही की है। पुलिस के मुताबिक, 5 मई की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कमलेश चौकसे के मकान प्रेस कालोनी में रह रहे किराएदार द्वारा अन्य लड़कों से झगड़ा होने पर सूचना की तस्दीक की गई। घटनास्थल पर बिल्डिंग में रह रहे 15 कमरों में 30 लड़के रहना पाया गया। लेकिन किसी भी किरायेदार की सूचना थाने में नही दी गई। मैनेजर विश्वजीत कुमार से किरायेदारी की सूचना न देने के संबंध में पूछताछ की गई। जो कोई वैध दस्तावेज नहीं दे पाया। स्वंय का पुलिस वेरिफिकेशन का पूछा तो वह भी नहीं कराना पाया गया। जोकि पुलिस कमिश्नर के आदेश का उल्लंघन करना पाया गया। इस पर मकान मालिक कमलेश चौकसे और मैनेजर विश्वजीत कुमार के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

हिरासत से अपराधियों के फरार होने में देश में मध्यप्रदेश अव्वल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। दो दिन पहले नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी किए गए अपराधों के आंकड़ों ने मध्यप्रदेश की कानून व्यवस्था और पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस हिरासत से अपराधियों के भागने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। इसे राच्य की सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़ी सेंध माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में देशभर में पुलिस कस्टडी से अपराधियों के भागने के कुल 691 मामले सामने आए। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 10 प्रतिशत से अधिक मामले अकेले मध्यप्रदेश के हैं। राज्य में कुल 72 संदिग्ध अपराधी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। इस मामले में मध्यप्रदेश ने बिहार (58 केस) और राजस्थान (57 केस) जैसे राच्यों को भी पीछे छोड़ दिया है।

लापरवाही पर डाल रहे पर्दा: इस रिपोर्ट में पुलिस की आंतरिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में अपराधियों के भागने के बावजूद रिकॉर्ड बताते हैं कि किसी भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ लापरवाही का प्रकरण तक दर्ज नहीं किया गया। हालांकि, उनके खिलाफ विभागीय जांच या निलंबन जैसी कार्रवाई की गई, जो कुछ समय बाद खत्म हो गई। एनसीआरबी की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि पुलिस अपने लापरवाह स्टाफ को सजा देने के बजाय उन्हें बचाने की नीति अपना रही है। आंकड़ों के विश्लेषण से उजागर हुआ है कि 2024 में 6 अपराधी सीधे लॉक-अप तोड़कर या वहां से झांसा

देकर भागे, जबकि बाकी आरोपी हिरासत के दौरान अन्य जगहों से फरार हुए। पुलिस अब तक इनमें से केवल 53 को ही दोबारा गिरफ्तार कर पाई है, जबकि शेष शातिर अपराधी अब भी सलाखों से बाहर हैं, जो राज्य की शांति के लिए खतरा बन सकते हैं।

जेल ब्रेक कांड के बाद किए गए थे सख्त इंतजाम के दावे: एमपी में दस साल पहले बहुचर्चित जेल ब्रेक कांड हुआ था। भोपाल की सेंट्रल जेल में देशद्रोह के आरोप में कैद स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के 8 आतंकी फरार हो गए थे। ये आतंकी एक जेल प्रहरी की हत्या और दूसरे को घायल कर भाग निकले थे। हालांकि, इनके फरार होने के 9 घंटे के भीतर ही पुलिस ने उन सभी का एनकाउंटर कर दिया था। इन आरोपियों में से तीन 2013 में खंडवा जेल से भी भाग चुके थे। तत्कालीन गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह ने इसमें जेल प्रबंधन की गलती मानते हुए पांच अफसरों को सस्पेंड किया था और इसके बाद जेलों के साथ पुलिस लॉकअप की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने का दावा किया गया था।

आयोजन अदालत की 61 खंडपीठों के समक्ष रखे गए थे 18 हजार 43 मामले

नेशनल लोक अदालत में बसाए उजड़े परिवार

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिला न्यायालय में शनिवार को साल की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान किए गए प्रयासों के चलते 17 हजार से ज्यादा मामलों को सफलता पूर्वक निपटाया गया। साथ ही कई उजड़े परिवारों को भी बसाया गया। इस बार लोक अदालत में कुल 61 खंडपीठों के समक्ष 18,043 प्रकरण रखे गए। इनमें से 17,517 मामलों का आपसी सहमति से निराकरण कर दिया गया। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान न्यायालयों में लंबित 2,963 प्रकरणों और 14,554 प्रीलिटिगेशन (मुकदमे से पूर्व के मामले) मामलों को सुलझाया गया। इसमें राजस्व, नगर निगम, विद्युत विभाग, बैंक और वैवाहिक विवादों से जुड़े मामले शामिल थे। राष्ट्रीय व राच्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के तहत इस बार लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रच्वलन कर किया। इस दौरान 39 करोड़ 6 हजार रुपए से अधिक के अवार्ड पारित किए गए।

दुर्घटना दावों के मामलों में भी लोगों को मिली राहत

इस दौरान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में भी दो बड़े मामलों का निपटारा हुआ, जिसमें दिसंबर 2025 में बस दुर्घटना का शिकार हुए वसीम के परिजनों को इंश्योरेंस कंपनी के साथ समझौते के बाद 20.50 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। वहीं साल 2024 में टैंकर की टक्कर से हुई मृत्यु और अन्य 10 घायलों के मामले में कुल 30.02 लाख रुपए का चैक प्रदान किया गया। इस दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने स्वयं पक्षकारों को चेक सौंपे। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल सहित अधिवक्ता, बैंक अधिकारी और पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहे।

समझाइश के बाद फिर से बस गए बिखरे हुए परिवार

इस दौरान सबसे सुखद तस्वीर कुटुंब न्यायालय से सामने आई, जहां वैचारिक मतभेदों के कारण अलग रह रहे कई जोड़े फिर से साथ रहने को राजी हो गए।

साथ हो गए रविंद्र और कविता : साल 2016 में विवाह बंधन में बंधे रविंद्र और कविता वैचारिक मतभेदों के कारण नवंबर 2025 से अलग रह रहे थे। न्यायाधीश नीलू संजीव श्रृंगीऋषि की समझाइश पर दोनों ने पुरानी बातें भुलाकर अपने चार बच्चों के भविष्य के लिए साथ रहने का निर्णय लिया।

खत्म हुआ भारती और विनय का मनमुटाव : साल 2025 से मनमुटाव के चलते अलग रह रहे भारती और विनय भी आपसी सुलह के बाद खुशी-खुशी कोर्ट से एक साथ घर विदा हुए।

सतपुड़ा भवन के पास फॉरर्च्यूनर ने स्विफ्ट, आटो व एक्टिवा को उड़ाया

कार के उड़े परखच्चे, मालिक ने दर्ज करवाई एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। सतपुड़ा भवन के पास एक तेज रफ्तार फॉरर्च्यूनर ने सड़क किनारे खड़ी स्विफ्ट को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद एक एक्टिवा और आटो को अपने चपेट में ले लिया। इससे स्विफ्ट पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। एक्टिवा और आटो के मालिक ने एसयूवी चालक से समझौता कर लिया। जबकि स्विफ्ट के मालिक ने एफआईआर दर्ज करवाई है। अरेरा हिल्स थाना पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार फॉरर्च्यूनर 74 बंगले से छत्रसाल नगर की ओर जा रही थी। शुक्रवार-शनिवार दरम्यानी रात करीब सवा 12 बजे एसयूवी के चालक ने सतपुड़ा भवन के पास महाबली गेट के सामने स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। इससे कार आगे से पूरी तरह चकनाचूर हो गई। इसके बाद एसयूवी ने एक्टिवा और आटो को अपनी चपेट में लिया। कार मालिक मीनाल निवासी मुकेश धाकड़ की रिपोर्ट पर पुलिस ने एसयूवी को जब्त कर लिया है। पुलिस उसके मालिक को नोटिस देकर तलब करेगी। घटना के बाद चालक एसयूवी छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस का कहना है कि अचानक सड़क पर आई गाय को बचाने से फॉरच्यूनर अनियंत्रित होकर वाहनों से टकराई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कैमरे के लेंस में कैद हुई ममता की अनकही भावनाएं

ममता 2026: में मातृत्व, प्रेग्नेंसी, गर्भ संस्कार, और मातृ मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा

जागरण, भोपाल। रवींद्र भवन में आयोजित 'ममता 2026' फोटोग्राफी एग्जीबिशन मातृत्व, भावनाओं और सामाजिक संवेदनशीलता का खूबसूरत उत्सव बनकर सामने आई। हर हेल्थ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मां बनने के सफर, गर्भावस्था के भावनात्मक पलों, मां और शिशु के रिश्ते तथा महिलाओं की आंतरिक शक्ति को तस्वीरों के माध्यम से बेहद संवेदनशील अंदाज में प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में लगी तस्वीरें दर्शकों को भावुक करती नजर आईं। कार्यक्रम का सबसे खास आकर्षण प्रेग्नेंट महिलाओं की रैंप वॉक रही। मंच पर आत्मविश्वास और मुस्कान के साथ वॉक करती महिलाओं ने मातृत्व की खूबसूरती और सकारात्मकता को नए अंदाज में प्रस्तुत किया। इस दौरान दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में प्रेग्नेंसी, गर्भ संस्कार, महिला स्वास्थ्य और मातृ मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। 'सुफल' प्रेग्नेंसी सपोर्ट ग्रुप सेशन में करीब 70 महिलाओं ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि शिशु के मस्तिष्क का लगभग 80 प्रतिशत विकास गर्भावस्था के दौरान होता है, इसलिए सकारात्मक वातावरण और मानसिक स्वास्थ्य बेहद जरूरी है। मुख्य अतिथि साध्वी विशुद्धानंद भारती ने मातृत्व को सेवा, संवेदना और शक्ति का प्रतीक बताया। वहीं हर्षिणी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के 25 बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने पूरे सभागार को भावुक कर दिया।

'प्रणाम उदन्त मार्तण्ड' : तकनीक, पत्रकारिता, एआई और भाषाओं पर हुआ मंथन

भारत को तकनीक और विचारों में आत्मनिर्भर बनना होगा : हरिवंश

जागरण, भोपाल। भारत भवन का सभागार शनिवार को विचार, व्यंग्य और रचनात्मकता के दुर्लभ संगम का साक्षी बना। 'प्रणाम उदन्त मार्तण्ड' के दूसरे दिन जहां एक ओर देश के वरिष्ठ पत्रकारों और मीडिया विशेषज्ञों ने एआई, पत्रकारिता की विश्वसनीयता, मीडिया की स्वतंत्रता और भारतीय पत्रकारिता के वैचारिक आधार जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा की, वहीं दूसरी ओर लाइव कार्टूनिंग ने आयोजन को कलात्मक ऊर्जा से भर दिया। 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' विषय पर सुभानी शेख, माधव जोशी समेत 9 दिग्गज कार्टूनिस्टों ने अपनी रेखाओं के जरिए सामाजिक सरोकारों और पत्रकारिता के मूल भाव को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में राच्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि राष्ट्र निर्माण कभी रातों-रात नहीं होता। उन्होंने भारत की आर्थिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब देश को अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था, जबकि आज भारत के पास मजबूत स्वर्ण भंडार है। उन्होंने डिजिटल इंडिया की सफलता का जिक्र करते हुए बताया कि आज इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का बड़ा हिस्सा गांवों से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जो देश तकनीक में पीछे रह जाता है, उसके सामने निर्भरता और गुलामी का खतरा बढ़ जाता है।

नोट्स बनाने की पुरानी आदत फिर से डालें

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार प्रत्यूष रंजन ने तकनीक पर बात करते हुए कहा कि हमें एआई को डिक्टेट करना चाहिए, न कि एआई हमें डिक्टेट करे। मनुष्य की बुद्धिमत्ता हमेशा सर्वोपरि रहेगी। वहीं टीवी पत्रकार सईद अंसारी ने आज की पत्रकारिता की साख पर चिंता जताई और छात्रों को नोट्स बनाने की पुरानी आदत को फिर से अपनाने की सलाह दी।

"पुडुचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सी जयशंकर बाबु ने कहा कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में हर व्यक्ति को कम से कम 8 से 10 भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए। ने कहा कि भाषा कभी बंधन नहीं होती, बल्कि सीखने की इच्छा की कमी बाधा बनती है। उनका मानना है कि तकनीक और एआई पर बढ़ती निर्भरता लोगों की सोचने और याद रखने की क्षमता को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को पूरे भारत की भाषाओं और संस्कृतियों को समझना चाहिए। वे स्वयं 12 लिपियों का ज्ञान रखते हैं और तमिल, तेलुगु, कन्नड़ सहित कई भारतीय भाषाएं बोल और समझ सकते हैं।

भारतीय पत्रकारिता का वैचारिक आधार

सत्र में प्रफुल्ल केतकर ने अपने विचारों को रखते हुये कहा कि पत्रकारिता में विचार महत्वपूर्ण है. भाषा तो केवल एक माध्यम है। उन्होंने स्वधर्म और स्वभाषा के महत्व पर जोर दिया। वहीं विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने बेबाकी से कहा कि पत्रकार को देश और समाज के प्रति पक्षपाती होना ही चाहिए, क्योंकि हम संवादी हैं और समाज के प्रति समर्पित हैं।

नागरिक कर्तव्य और गौरव

वरिष्ठ पत्रकार उदय कुमार और विकास मिश्र ने नागरिक अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विदेश जैसा सिविक सेंस भारत में भी जरूरी है। अपनी मातृभाषा पर गौरव करना और नियमों का पालन करना ही राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी है।

भूमंडलीकरण और मीडिया की आजादी

अमिताभ अग्निहोत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि यह पत्रकारिता का सबसे अच्छा दौर है क्योंकि अब सूचनाएं किसी खास वर्ग या सरकार के बंधन में नहीं हैं। डॉ ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि ग्लोबलाइजेशन ने समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को और बढ़ाया है। वहीं नगमा सहर ने विद्यार्थियों को पढ़ने का महत्व समझाया और कहा कि विश्वसनीयता ही इस प्रतिस्पर्धा में टिके रहने का एकमात्र मंत्र है।

मूवी रिव्यू
मैं एक्टर नहीं हूं

कास्ट नवाजुद्दीन सिद्दीकी, चित्रांगदा सतरूपा
श्रेणी हिंदी, ड्रामा
डायरेक्टर आदित्य कृपलानी
अवधि 2 घंटे 1 मिनट
क्रिटिक रेटिंग 3.0
कहां देखें- थिएटर्स

अकेलेपन और आत्मखोज की संवेदनशील दास्तान

निर्देशक आदित्य कृपलानी की फिल्म मैं एक्टर नहीं हूं अपने शीर्षक से भले अभिनय की दुनिया से दूरी बनाती दिखे, लेकिन यह फिल्म अभिनय, भावनाओं और इंसानी रिश्तों की गहरी पड़ताल करती है। फिल्म ने रिलीज से पहले कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में सराहना बटोरी। मार्च 2025 में इसका वर्ल्ड प्रीमियर सैन जोस के सिनेक्वेस्ट फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2025 में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला, जबकि चित्रांगदा सतरूपा और आदित्य कृपलानी को डीसी साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों के सामने एक अलग और भावनात्मक सिनेमाई अनुभव लेकर आई है।

कहानी

कहानी: फिल्म की कहानी दो ऐसे अकेले लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अलग-अलग देशों और परिस्थितियों में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। मुंबई में रहने वाली मौनी रॉय एक संघर्षरत अभिनेत्री है, जो अभिनय को सिर्फ पेशा नहीं बल्कि साधना मानती है। उसे फिल्म इंडस्ट्री की दिखावटी दुनिया और लाइक्स-फॉलोअर्स की संस्कृति से शिकायत है। लगातार संघर्ष और असफलताओं ने उसके भीतर एक कड़वाहट भर दी है। दूसरी ओर फ्रैंकफर्ट में रहने वाला अदनान बेग एक रिटायर्ड बैंकर है, जो उम्र के इस पड़ाव पर अकेलेपन और डिप्रेशन से जूझ रहा है। जीवन में उम्मीद की तलाश उसे एक ऑनलाइन ऑडिशन तक ले आती है, जहां उसकी मुलाकात वीडियो कॉल पर मौनी से होती है। मौनी की अभिनय क्षमता और उसके विचार अदनान को इतना प्रभावित करते हैं कि वह उसे अभिनय में अपना गुरु मानने लगता है। इसके बाद दोनों के बीच वीडियो कॉल्स का सिलसिला शुरू होता है। अभिनय की तकनीकों पर होने वाली बातचीत धीरे-धीरे निजी जिंदगी के दर्द, असुरक्षाओं और अधूरेपन तक पहुंच जाती है। दोनों अपने भीतर छिपे अकेलेपन और टूटन को एक-दूसरे के सामने खोलते हैं। फिल्म का क्लाइमैक्स बेहद भावुक है, जहां दोनों किरदार एक-दूसरे के जरिए खुद को समझने और स्वीकारने की कोशिश करते हैं।

मूवी रिव्यू

मैं एक्टर नहीं हूं एक एक्सपेरिमेंटल और स्लो-बर्न फिल्म है, जो रिश्तों, मानसिक स्वास्थ्य और अभिनय की बारीकियों को बेहद शांत अंदाज़ में सामने लाती है। निर्देशक आदित्य कृपलानी ने लंबे पॉज़, कम संवाद और वीडियो कॉल्स के जरिए भावनात्मक माहौल रचा है। फिल्म का बड़ा हिस्सा फोन स्क्रीन पर घटित होता है, लेकिन यही इसकी खासियत भी बन जाता है। हालांकि शुरुआती हिस्सा थोड़ा धीमा लगता है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, दर्शक किरदारों की भावनात्मक यात्रा से जुड़ते जाते हैं। मुंबई की भागदौड़ और फ्रैंकफर्ट की खामोशी को सिनेमैटोग्राफी ने खूबसूरती से उभारा है। फिल्म मानसिक अवसाद और आत्मखोज जैसे विषयों को संवेदनशीलता से छूती है। हालांकि एडिटिंग थोड़ी और कसावट मांगती है।

क्यों देखें

अगर आप लीक से हटकर बनने वाली एक्सपेरिमेंटल और भावनात्मक फिल्मों के शौकीन हैं, तो मैं एक्टर नहीं हूं आपको जरूर पसंद आएगी। यह फिल्म खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक अपने किरदारों और भावनाओं के जरिए आपके भीतर बनी रहती है।

बच्चों ने विज्ञान के खिलौनों के जरिए समझा साइंस

आंचलिक विज्ञान केंद्र में फन फैक्ट्री व डिस्कवरी कैंप

जागरण, भोपाल। आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में आयोजित ग्रीष्मकालीन रचनात्मक विज्ञान कार्यशालाओं में बच्चों ने विज्ञान को किताबों से बाहर निकलकर प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से समझा। तीन दिवसीय 'फन फैक्ट्रीः साइंस टॉय मेकिंग' और 'बायो एक्सप्लोरर्सः डिस्कवरी कैम्प' कार्यशालाओं का शुक्रवार को समापन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

फन फैक्ट्री में खिलौनों से समझे विज्ञान के नियम

'साइंस टॉय मेकिंग' कार्यशाला में बच्चों ने पाइथागोरियन कप, मिनी सिरिंज मोटर, टम्बलिंग टॉय, स्लाइम और सीडी जाइरोस्कोप जैसे वैज्ञानिक मॉडल तैयार किए। इन गतिविधियों के जरिए साइफन क्रिया, ऊर्जा संरक्षण, गुरुत्व केंद्र और विद्युतचुंबकीय प्रेरण जैसे सिद्धांतों को आसान और रोचक तरीके से समझाया गया।

डिस्कवरी कैम्प में माइक्रोस्कोप से देखी सूक्ष्म दुनिया

'बायो एक्सप्लोरर्सः डिस्कवरी कैम्प' में प्रतिभागियों ने जीवविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े कई प्रयोग किए। बच्चों ने माइक्रोस्कोप के माध्यम से परागकण, रंध्र और सूक्ष्म जीवों का अवलोकन किया। दही में बैक्टीरिया की पहचान, यीस्ट की बडिंग प्रक्रिया, सीरियल डायल्यूशन तकनीक और एंटीबायोटिक प्रतिरोध जैसे प्रयोग कार्यशाला के प्रमुख आकर्षण रहे।

संडे प्लानर

लेट्स वॉच
मूवी
मैं एक्टर नहीं हूं
दादी की शादी

मंच एण्ड फन
एकोस, अरेरा कॉलोनी,
फिश एंड चिप्स
555.00 रुपए

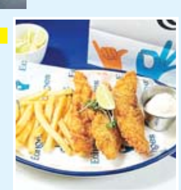

वर्कशॉप
मेडिटेशन वर्कशॉप
ख्याल काला
प्रेमियो का
शाम 6:30 बजे

रिलेक्सिंग डे
सुरमई शाम
अरेरा क्लब
शाम 7:30 बजे

वायटीएफ में आत्मनिर्भर भारत, समाज और भारतीय चिंतन पर मंथन

जब शाहपुरा पार्क में गूंजे टैगोर के 'स्वदेशी समाज' के विचार

जागरण, भोपाल। रविवार की शाम शाहपुरा पार्क में माहौल कुछ अलग था। यहां न संगीत था, न मनोरंजन का शोर, बल्कि युवाओं के बीच चल रहा था विचारों का गहरा संवाद। मौका था यंग थिंकर्स फोरम द्वारा आयोजित 'वायटीएफ स्वाध्याय' का, जहां गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के प्रसिद्ध लेख 'स्वदेशी समाज' पर चर्चा हुई। स्वाध्याय में युवाओं ने इस बात पर मंथन किया कि क्या आज समाज अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह सरकार पर छोड़ता जा रहा है? प्रतिभागियों ने कहा कि अंग्रेजों के आने से पहले भारतीय समाज शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन और कृषि जैसे कार्य सामूहिक रूप से करता था और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत थी। चर्चा के दौरान टैगोर के उस विचार पर भी विशेष संवाद हुआ, जिसमें वे स्वदेशी को केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं, बल्कि मानसिक और वैचारिक आत्मनिर्भरता से जोड़ते हैं। युवाओं ने माना कि आधुनिक दौर में भारतीय समाज धीरे-धीरे अपने सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों से दूर होता जा रहा है। कार्यक्रम केवल पुस्तक चर्चा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के लिए आत्मचिंतन, संवाद और राष्ट्र निर्माण पर गंभीरता से सोचने का मंच बन गया।

भोपाल के सांस्कृतिक जीवन को दर्ज करती हैं रामप्रकाश की पुस्तकें

जागरण, भोपाल। जनवादी लेखक संघ मध्यप्रदेश द्वारा दुष्यंत कुमार स्मृति पांडुलिपि संग्रहालय में वरिष्ठ लेखक, स्तंभकार और संस्कृति कर्मी रामप्रकाश की पुस्तकों 'स्मरण में है आज जीवन' और 'यदाकदा' पर केंद्रित साहित्यिक चर्चा एवं लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ व्यंग्यकार और संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र जैन ने लेखक परिचय से की। कवि एवं संपादक आरती ने पुस्तकों का परिचय देते हुए उनके साहित्यिक महत्व पर प्रकाश डाला। कवि-उपन्यासकार नीलेश रघुवंशी ने 'स्मरण में है आज जीवन' और चित्रकार-कहानीकार मनोज कुलकर्णी ने 'यदाकदा' पर विस्तार से विचार रखे। लेखक रामप्रकाश ने अपने रचनात्मक सफर और संस्मरण लेखन के अनुभव साझा किए।

अनुभूतियों को दर्ज करती हैं 'मेरे घर में पृथ्वी' की कविताएं

जागरण, भोपाल। साहित्य, संवेदना और आत्मअन्वेषण से सराबोर शनिवार की शाम 'ब्रीद एंड बैलेंस' एवं 'हिन्दीस्थान प्रकाशन' के संयुक्त तत्वावधान में कवयित्री वैशाली थापा के नवीन काव्य संग्रह 'मेरे घर में पृथ्वी' पर केंद्रित रचनापाठ और चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों, लेखकों और युवा पाठकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आरंभ वैशाली थापा के काव्य पाठ से हुआ। उन्होंने 'सेफ्टी पिन', 'अल्पकालिक', 'दुःख ऊब जाएगा' और 'हार' जैसी कविताओं का पाठ करते हुए जीवन, स्मृति और मनुष्य की भीतरी संवेदनाओं को स्वर दिया।

मदर्स डे : समाज ने उन्हें 'किन्नर' कहा, बच्चों ने 'मां' कहकर पुकारा

ममता का कोई जेंडर नहीं होता...

श्वेता कुमारी। मां यह सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे गहरा एहसास है। एक ऐसा रिश्ता, जो खून से नहीं, ममता से बनता है। इस संसार में लगभग हर स्त्री मां बनने का सपना देखती है। अपनी कोख से एक नए जीवन को जन्म देना किसी भी महिला के लिए ईश्वर के सबसे बड़े आशीर्वादों में से एक माना जाता है। लेकिन मां होना सिर्फ जन्म देने तक सीमित नहीं है। ममता का रिश्ता प्यार, समर्पण, परवाह और अपनापन से बनता है। शायद यही वजह है कि पौराणिक कथाओं में भगवान कृष्ण को जन्म देने वाली देवकी से अधिक यशोदा मैया के वात्सल्य को याद किया जाता है, जिन्होंने उन्हें जन्म भले न दिया हो, लेकिन मां का हर स्नेह और हर जिम्मेदारी निभाई। मदर्स डे पर ऐसी ही दो 'यशोदा मांओं' की कहानीयां जिनकी बातें यह एहसास कराती हैं कि ममता का कोई चेहरा, कोई लिंग और कोई परिभाषा नहीं होती। मां वही है, जो बिना शर्त अपनापन दे सके।

ममता है, लेकिन समाज का डर भी

महामंडलेश्वर संजना के भीतर भी मां बनने की गहरी इच्छा है, लेकिन उससे बड़ा एक डर हमेशा उनके साथ चलता है समाज का डर। वे कहती हैं, 'कई लोगों ने कहा कि मैं बच्चा गोद ले लूं, क्योंकि मेरे अंदर भी ममता है। लेकिन मैं सोचती हूं, जब वह बच्चा स्कूल जाएगा, पैरेंट्स मीटिंग में बाकी बच्चों की मांओं के बीच मुझे देखकर उसे कैसा लगेगा? कहीं बच्चे उसे 'ट्रांस की औलाद' कहकर चिढ़ाएं नहीं यही डर मुझे रोक देता है। 'संजना मानती हैं कि किन्नर समाज के भीतर भी मातृत्व उतना ही गहरा होता है, जितना किसी और मां के भीतर। 'हम भी बच्चों की पढ़ाई, फीस और भविष्य की चिंता करते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि समाज हमें पहले किन्नर मानता है, इंसान बाद में।'

भगवान ने किन्नर बनाया, लेकिन दिल मां का दिया

किन्नर समाज की जगद्गुरु काजल ठाकुर जब बच्चों की बात करती हैं तो उनकी आंखें भर आती हैं। वे कहती हैं, 'विधाता ने शरीरिक तौर पर तो मर्द बनाया लेकिन दिल औरत वाला दे दिया। दिल में ममता है, इसलिए मां हूं जो सुख भगवान ने किस्मत नहीं लिखी वो बच्चों के मां बोलकर दे दिया' समाज की उपेक्षा, तानों और अकेलेपन के बीच उन्होंने कई बच्चों के जीवन में मां का साया बनने का फैसला किया। आज वे चार किन्नर बच्चों के साथ एक बेटा और एक बेटी की परवरिश कर रही हैं। बच्चों को बेहतर जिंदगी देने के लिए उन्होंने उन्हें इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाया। बेटा सीहोर के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है। काजल कहती हैं, 'मैं नहीं चाहती कि बच्चे वह दर्द झेलें, जिससे मैं खुद गुजरी हूं। जब बच्चे घर लौटकर गले लगते हैं और मां कहकर बुलाते हैं, तब लगता है जिंदगी की सारी तकलीफें खत्म हो गईं।'

जनता का मूड भांपने में विफल क्यों हो रहे राजनीतिक विश्लेषक ?

● अवतांश चित्रांश ●

> अधिकांश विश्लेषक इस बात पर हैरान हैं कि जब मुकाबला कड़ा था, तो भाजपा जीत कैसे गई ? सवाल यह है कि यह तथाकथित 'कड़ी टक्कर' सिर्फ भाजपा-विरोधी विश्लेषकों और वरिष्ठ पत्रकारों को ही क्यों दिखाई देती है ?

भारत में चुनाव विश्लेषण और नतीजों का आकलन इस कदर आधारहीन और तथ्यहीन होता जा रहा है कि निकट भविष्य में इसके सुधरने की उम्मीद कम ही दिखती है। इसकी एक वजह खुद भाजपा की रणनीति है, जिसने समाज को स्पष्ट खांचों में बांट दिया है। दूसरी वजह गैर-भाजपा दल हैं, जो यह समझने को तैयार नहीं हैं कि वे भाजपा की रणनीति में फंस चुके हैं।

अब पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों की बात करें, जिनके बाद अधिकांश विश्लेषक इस बात पर हैरान हैं कि जब मुकाबला कड़ा था, तो भाजपा जीत कैसे गई? सवाल यह है कि यह तथाकथित 'कड़ी टक्कर' सिर्फ भाजपा-विरोधी विश्लेषकों और वरिष्ठ पत्रकारों को ही क्यों दिखाई देती है? हमें जैसे कुछ विश्लेषकों को यह टक्कर क्यों नहीं दिखती? जब मैंने इस सवाल का जवाब खोजने की कोशिश की, तो पाया कि भाजपा ने यदि 'अंधभक्तों' की एक फौज तैयार की है, तो गैर-भाजपा दलों ने 'अंधविरोधियों' की एक फौज खड़ी कर दी है। फर्क इतना है कि अंधभक्त अपने नेतृत्व की स्पष्ट रणनीति पर चलते हैं, जबकि अंधविरोधियों के पास कोई स्पष्ट दिशा नहीं है। उदाहरण के तौर पर, उन्हें यह तक स्पष्ट नहीं होता कि दिल्ली में राघव चड्ढा का समर्थन करें, अरविंद केजरीवाल का, ममता बनर्जी की सरकार की सराहना करें या फिर इंडिया गठबंधन के अंतर्गत कम्युनिस्ट दलों का।

असम, केरल और तमिलनाडु की राजनीति में भी गैर-भाजपा दल अक्सर इसी अंधविरोधी मानसिकता के तहत काम करते दिखे—मानो उनका एकमात्र लक्ष्य भाजपा को हराना हो, लेकिन कैसे हराना है, इस पर स्पष्ट रणनीति का अभाव है। सिर्फ चुनाव के समय 'कड़ी टक्कर' या 'क्लोज मुकाबले' की थ्योरी देने के बजाय विश्लेषकों को यह भी समझना होगा कि भाजपा चुनावों से पहले संगठन स्तर पर व्यापक काम करती है, और पिछले वर्षों में उसके संगठन में क्या बदलाव हुए हैं।

उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में डीएमके सरकार के पांच वर्षों के कार्यकाल और एआईएडीएमके के आंतरिक बिखराव को देखें, तो स्पष्ट होता है कि द्रविड़ राजनीति नए विकल्प की तलाश में थी। भाजपा पारंपरिक रूप से सवर्ण मूड वाली पार्टी रही है, इसलिए उसे इस राज्य में विकल्प बनने में समय लगेगा। लेकिन कांग्रेस खुद विकल्प बनने के बजाय भाजपा-विरोध तक सीमित रही। इसी बीच, पिछड़े वर्ग से आने वाले तमिल सुपरस्टार विजय ने एक नया विकल्प प्रस्तुत किया, जिसे जनता ने स्वीकार भी किया। कांग्रेस विकल्प बनने की जगह भाजपा के अंधविरोधियों जैसी रणनीति में फंसी रही और डीएमके एआईएडीएमके जैसे दगे कारतूसों के बीच भाजपा हराओ मुहिम पर लगी रही। केरल में दस साल से चली आ रही लेफ्ट सरकार को दम तोड़ना ही था, सो कांग्रेस ने उसे रिप्लेस कर दिया। बंगाल में भी भाजपा के अंधविरोधियों को ममता के सिवाय कुछ नहीं दिख रहा था। जुझारु ममता की शख्सियत को पिछले 12 साल से ढो रहे लोग इस बात से मुंह चुराते रहें कि सरकार में रहकर संघर्ष नहीं किया जाता है। जनता की सेवा की जाती है, नीतियों से समाज का निर्माण किया जाता है। इसी भ्रम के कारण चुनाव परिणाम आने के बाद अंधविरोधी विश्लेषक चौंक जाते हैं। दूसरी ओर, अंधभक्त इसे नरेंद्र मोदी और अमित शाह की 'मास्टर स्ट्रोक' रणनीति बताते हैं, जबकि विरोधी पक्ष धनबल, पुलिस, ईवीएम या अन्य संस्थाओं पर सवाल उठाने लगता है।

इस अंधभक्ति और अंधविरोध के बीच चुनावी विश्लेषण और आकलन की पूरी प्रक्रिया ही चौपट हो गई है। उदाहरण के तौर पर, तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का कोई ठोस विकल्प नहीं है। ऐसे में स्टालिन ने ब्राह्मण-विरोध की पृष्ठभूमि पर चुनावी विमर्श खड़ा किया, जो कई लोगों को उबाऊ लगा। टीवीके इस द्रविड़ राजनीति में एक ताजा, नया चेहरा बनकर उभरी। क्या ये सच नहीं कि तमिलनाडु में किसी भी दल ने एक भी ब्राह्मण को विधानसभा का उम्मीदवार नहीं बनाया था। ऐसे में यदि कुछ वर्ग नए विकल्प की ओर झुकते हैं, तो इसमें आश्चर्य की क्या बात है?

इसी तरह, 2001 से 2006 तक भाजपा के साथ गठबंधन में रहने वाली तृणमूल कांग्रेस ने 2009 और 2011 में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई थी—तब भी लोग चौंके थे। लेकिन यह मानने को तैयार नहीं हैं कि 2021 में भाजपा 77 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी, और वहां से आगे बढ़ने के पीछे उसके संगठनात्मक विस्तार और टीएमसी के समर्थकों और ममता का भाजपा का अंधविरोध रहा है।

यदि ममता बनर्जी भाजपा की रणनीति में न फंसतीं और हिंदू-मुस्लिम संतुलन की राजनीति साधती, तो संभवतः भाजपा के अंधविरोधी विश्लेषकों और पत्रकारों को ईवीएम, एसआईआर या सीआरपीएफ जैसे मुद्दों का सहारा न लेना पड़ता।

बंगाल जीत की जय-जयकार ने मुझे 'भक्त' करार दे दिया

> अपने सभी लोकलुभावन वादों के बावजूद, ममता बनर्जी एक और पैदल चलने वाली राजनीतिज्ञ बन गईं। जबकि राजनीति मे दीदी से बेहतर निर्दयी और कपटी कोई ना था. यहां तक कि बीजेपी भी नहीं ।

● शोभा डे ●

यह सप्ताह बड़ी असफलताओं और असफलताओं से भरा रहा, क्योंकि ममता बनर्जी की टीएमसी को लुटेरी भाजपा ने पूरी तरह से हरा दिया, आखिरी मिनट में ड्रामा हुआ जब दीदी अपने बेहद प्यार से पाले गए भबानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में मतगणना केंद्रों पर पहुंचीं और जब तक संभव हो सका बाद में होने वाले अपरिहार्य अपमान को रोकते हुए अपने चेहरे पर साहस बनाए रखा ।

अमूल डेयरी ब्रांड अपने 'टेस्ट ऑफ विक्ट्री' विज्ञापन के साथ विजेताओं को बधाई देने में सबसे तेज था। इसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दाहिने हाथ में कमल पकड़े हुए और बाएं हाथ से विजय के लिए वी का चिन्ह बनाते हुए एक कैरिकेचर दिखाया गया है, जबकि विज्ञापन के शीर्षक में संक्षेप में कहा गया है: 'बंगाल जनता पार्टी'।

जहाँ तक मेरी बात है, मैंने चुनाव के फैसले पर टिप्पणी करते हुए एक त्वरित इंस्टा रील शूट की, जिसमें मैंने मतदाताओं, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की महिलाओं को बधाई दी, जिन्होंने एक बड़ी महिला नेता को उसके सुरक्षित स्थान से बाहर कर दिया। मै कोई दिखावा नहीं करूंगी , मुझे ममता को जाते हुए देखकर खुशी हुई! उसके पंद्रह वर्षों के अराजक, आत्मकेंद्रित और निरंकुश शासन ने उसके सबसे उत्साही समर्थकों के दिलों को कठोर कर दिया था, जो अतीत में उसकी कसम खाते थे।

ममता से वो मुलाकात

लाभग 15 साल पहले पश्चिम बंगाल की सशक्त महिला के साथ अपनी करीबी और व्यक्तिगत मुलाकात की याद आज भी ताजा है । टेलीग्राफ अखबार ने मुझे उनके अभियान को कवर करने और उनके साथ पूरा दिन बिताने की जिम्मेदारी सौंपी, जब वह मारुति वैन में कोलकाता में चारों ओर घूमती थीं और जब भी उन्हें भीड़ दिखती थी, तो रुककर जोरदार भाषण देती थीं।

ऊर्जा से भरपूर इस छोटी सी महिला को आग उगलते हुए देखना दिलचस्प था वह कफ सिरप की एक छोटी बोतल से बार-बार घूँट लेते हुए, गाँवों में घूम रही थी।उनके अंतिम पड़ाव पर जनसभा के लिए एक मंच बनाया गया था और एक बड़ी भीड़ उनका इंतजार कर रही थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैं मंच पर उनके साथ जाऊं, और उत्साह से मुझे 'बंगाल की बहू' के रूप में संबोधित किया। मैंने भी ' बहु' की भूमिका निभाई और 'बौमा' के प्यार को शर्मीले ढंग से स्वीकार किया। ममता और मेरी आपस में अच्छी बनती थी । मुझे दृढ़ निश्चयी, तर्कशील, बकवास न करने वाली महिलाएं पसंद हैं। मुझे अच्छा लगा कि कैसे उन्होंने मुझे मेरी अधकचरी बांग्ला के लिए डांटा और मुझे अपने भाषा कौशल को सुधारने के लिए और अधिक मेहनत करने की सलाह दी। 'आपके बच्चों को बांग्ला अवश्य सीखनी चाहिए,' उसने सख्ती से कहा, जब हम एक साथ तस्वीरें खिंचवा रहे थे। मैंने गंभीरतापूर्वक घर जाकर बांग्ला को अपने अगले प्रोजेक्ट के रूप में लेने का वादा किया।

सहस्रदल कमल खिलें

टीएमसी की हार के बाद मैंने जो रील पोस्ट की, उसमें पीएम मोदी का यह कहते हुए हवाला दिया कि पश्चिम बंगाल में कमल खिल गया है। मैंने कहा, 'एक हजार कमल खिलने दो। 'दुर्भाग्य से, राज्य को उसके पुराने गौरव को बहाल करने के अपने सभी शुरुआती उत्साह और भावुक वादों के बावजूद, ममता जल्द ही भटक गईं और एक और पैदल चलने वाली राजनेता बन गईं - बेपरवाह और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हुई। शायद आज दीदी से ज्यादा निर्दयी और कपटी कोई नहीं , यहां तक कि बीजेपी भी नहीं। हालांकि इस पोस्ट के बाद मुझे ट्रोलिंग झेलनी पड़ी। उन्मे से एक कमेन्ट पर मुझे जवाब देने की इच्छा हुई , जिसने कहा की 'देखो... मैं हमेशा से जानता था कि तुम एक कट्टर भक्त हो ,' मैं जवाब देना चाहता था - हां, निश्चित रूप से मैं एक प्रामाणिक, कार्ड धारक भक्त हूं। खुद पर ऐसा भरोसा रखने वाली भक्त जो डगमगाये नहीं। कभी नहीं। लेकिन मैंने खुद से कहा: जाने दो, कट्टर आलोचक स्पष्टीकरण देने लायक नहीं होते । इस समय केवल एक संकीर्ण सोच वाला मूर्ख ही ऐतिहासिक जीत को स्वीकार न करके मतलबी ओछेपन का सहारा लेगा। इस महत्वपूर्ण चुनाव के आँकड़ों को कोई नहीं बदल सकता। सच तो यह है कि बंगाल के मतदाताओं ने अपने कल्याण और प्रगति के लिए जो चाहते थे उसे निष्पक्षता और लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शित किया। किसी को भी अपरिवर्तनीय आख्यान, सत्ता परिवर्तन, नई राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती देने का अधिकार नहीं है। मैंने नागरिकों के भाग्य का निर्धारण करने की शक्ति का लगातार समर्थन किया है। अगर यह मुझे भक्त बनाता है, तो यही सही। प्रोस्टीट्यूट', 'चुडैल', 'लिबटार्ड' और 'पाकिस्तानी एजेंट' का लेबल लगने के बाद, एक 'क्लोजेट भक्त' का लेबल आकर्षक लगता है!

> पूर्वी बंगाल में मंगल काव्य कथात्मक साधन बन गए जिसके माध्यम से पश्चिमी बंगाल में हिंदू पहचान का पुनर्निर्माण किया गया, खासकर भागीरथी नदी के पश्चिम में रार क्षेत्र में। ये ग्रन्थ केवल भक्तिपरक नहीं थे। वे सांस्कृतिक बातचीत के कार्य थे, जिससे हिंदू धर्म को स्थानीय प्रथाओ को अपनाने का बल मिला ।

● देवदत्त पटनायक ●

बंगाल में मंगल काव्यों ने पुनर्स्थापित किया हिंदू धर्म को

कहानियाँ संस्कृति को आकार देती हैं। मंगल काव्य इसका एक उदाहरण है। वे लोक कथाएँ हैं जो पंद्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी के बीच बंगाल में उभरीं। यह बंगाल में मुस्लिम शासन स्थापित होने के बाद का समय था, जब पुराने बौद्ध संस्थानों का पतन हो गया था, ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म खुद को पुनर्गठित करने के लिए संघर्ष कर रहा था, और इस्लाम तेजी से विस्तार कर रहा था, खासकर पूर्वी बंगाल में मंगल काव्य कथात्मक साधन बन गए जिसके माध्यम से पश्चिमी बंगाल में हिंदू पहचान का पुनर्निर्माण किया गया, खासकर भागीरथी नदी के पश्चिम में रार क्षेत्र में। रार भौगोलिक रूप से पूर्वी बंगाल के उपजाऊ जलोढ़ मैदानों से अलग था। इसकी पहचान लैटेराइट मिट्टी, जंगलों, दलदलों और दामोदर और अन्य नदियों द्वारा आकार दिए गए अस्थिर नदी चैनलों द्वारा की गई थी। मध्यकाल के अंत तक, यह विरल रूप से बसा हुआ था। शिकार, मछली पकड़ना, पशुचारण और झूम खेती का बोलबाला था। कई निवासी सीमांत जातियों और स्वदेशी समुदायों से थे जो सांप, महामारी , जंगल, उर्वरता और न्याय के स्थानीय देवताओं की पूजा करते थे। ये वे क्षेत्र थे जिनकी ब्राह्मणवादी अभिजात वर्ग ने उपेक्षा की थी और सूफी मिशनरियों ने इनसे सक्रिय संपर्क स्थापित किया था।

मंगल काव्यों में लोक देवता

मंगल काव्य एक रचनात्मक प्रतिक्रिया थी। ग्रामीण ब्राह्मणों द्वारा बंगाली में रचित और गाँव की पृष्ठभूमि में प्रदर्शित वे काव्य शास्त्रीय देवताओं पर केंद्रित नहीं थे। इसके बजाय, उन्होंने मनसा, चंडी और धर्म जैसे लोक देवताओं को केंद्र में रखा। ये ग्रन्थ केवल भक्तिपरक नहीं थे। वे सांस्कृतिक बातचीत के कार्य थे, जिससे हिंदू धर्म को स्थानीय प्रथाओ को अपनाने का बल मिला । मनसा मंगल इसे स्पष्ट रूप से दर्शाता है। बंगाल की व्यापारिक, नदी की दुनिया में स्थापित, यह साँपों की देवी मनसा और विशेष रूप से शिव को समर्पित एक धनी व्यापारी चंद सदागर के बीच संघर्ष का वर्णन करता है। मनसा की पूजा करने से चंद के इनकार को कुलीन धार्मिक अहंकार के रूप में चित्रित किया गया है। मनसा ने जवाबी कार्रवाई की: जहाज डूब गए, बेटे सर्पदंश से मर गए, और घर-परिवार शोक में डूब गया। कथा विशेष रूप से महिलाओं की पीड़ा पर आधारित है, जिसका समापन बेहुला की अपने मृत पति के शरीर के साथ दैवीय क्षेत्र की खतरनाक नदी यात्रा में हुआ। केवल जब चंद अनिच्छा से मनसा को स्वीकार करता है तभी समृद्धि लौटती है।

चंडी मंगल और धर्म मंगल में सामाजिक परिवर्तन

चंडी मंगल वन सीमाओं और नए बसे कृषि क्षेत्रों में प्रकट होता है। देवी चंडी एक वन शिकारी कालाकेट्टू को राजा बना देती है, उसे क्षेत्र और वैधता प्रदान करती है।यह कथा सामाजिक परिवर्तन की तुलना में नैतिक सुधार के बारे में है। धर्म मंगल अधिक राजनीतिक है। धर्म के देवता, जिनकी पूजा बड़े पैमाने पर 'निम्न' जातियों द्वारा की जाती है, शून्य पुराण जैसी प्रारंभिक रचनाओं में ब्राह्मणवादी प्रभुत्व के विरोधी के रूप में दिखाई देते हैं। यहां तक ??कि हिंदू देवता भी मुस्लिम योद्धाओं का रूप धारण करते हैं। ये प्रसंग ब्राह्मणवादी उत्पीड़न के विरुद्ध आक्रोश की यादें संजोए हुए हैं। यह स्वर मुस्लिम शासन के शुरुआती चरण से मेल खाता है, जब निचली जातियां इस्लाम को सामाजिक स्तर पर लाने वाला मानती थीं।

पश्चिमी बंगाल में हिंदू पुनर्गठन : बाद के धर्म मंगल ग्रंथों ने इस अभिविन्यास को उलट दिया। धर्म के देवता धीरे-धीरे हिंदू ब्रह्मांड विज्ञान में समाहित हो गए ।उनके अनुयायी मुसलमानों के ख़िलाफ़ खड़े हो गए । जो देवता कभी हिंदू देवताओं का मज़ाक उड़ाते थे, वे उनके सहयोगी बन जाते हैं। यह पश्चिमी बंगाल में हिंदू पुनर्गठन की सफलता का प्रतीक है। हिंदू पहचान को बनाए रखने के लिए लोक धर्म को ही फिर से लिखा गया है।

मंगल काव्यों ने अपने देवताओं, व्यवसायों और आकांक्षाओं का त्याग करके उस वैधता की आपूर्ति की। इसलिए मंगल काव्य परिधीय साहित्य नहीं थे। वे पारिस्थितिकी, भूगोल और सामाजिक परिवर्तन द्वारा आकारित धार्मिक रणनीति के उपकरण थे। अपमान, पीड़ा, बातचीत और मेल-मिलाप की भावनात्मक रूप से आवेशित कहानियों के माध्यम से, उन्होंने लोक देवताओं को हिंदू देवताओं में बदल दिया, और निम्नवर्गीय उपासकों को हिंदुओं में बदल दिया। पश्चिमी बंगाल इस्लाम का विरोध करके हिंदू नहीं बना रहा, बल्कि हिंदू धर्म को पुनर्स्थापित करके ही हिंदू बना रहा।

● प्रदीप मेगजीन ●

कपिल देव : गोल्फ में भी हरफनमौला

उन्माद से भरी भीड़ और इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट के बहरा कर देने वाले कर्कश शोर से दूर, एक गोल्फ़ कोर्स की अपनी एक अलग ही लय होती है। शांत, ठहरी हुई ऐसी सुरम्य जगह, जो आत्म-मंथन करने को भी मुफीद है। यह ध्यान एकाग्रता की वह जगह है, जो शारीरिक कौशल और सधे मन की परीक्षा लेती है। यहां का ऊंचा-नीचा इलाका, तालाब, पेड़, सपाट मैदान और रेशमी हरी दूब न सिर्फ़ देखने में सुंदर होती है बल्कि ये खेल और खुद पर महारत हासिल करने में भी मददगार हैं। कोई हैरानी नहीं कि कपिल देव को क्रिकेट जगत से संन्यास लेने के बाद-यही वह दुनिया है जिसने उन्हें अपने सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक का ताज पहनाया-गोल्फ़ में कहीं ज़्यादा सौम्य स्वागत करने वाला सान्निध्य मिला।

कपिल ने 15 सालों तक क्रिकेट के मैदान को अपने कौशल, ऊर्जा और जुनून से रोशन किए रखा, जो भारत के खेल इतिहास में अविस्मरणीय था। उन्होंने अपनी हरफ़नमौला प्रतिभा का प्रदर्शन जोशीले और चाहने वाले प्रशंसकों के सामने किया। शोरभरी तारीफ़ों के माहौल में वे सार्वजनिक जगहों पर शांत एवं निजी लम्हों के अहसास को तरस चुके थे। वर्ष 1994 में जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा तो वे शांति की तलाश में थे, एक ऐसी जगह जहां सुकून हो और भीड़ के घेराव से मुक्त।

67 साल की उम्र में शायद कपिल में अपने जवानी जैसा जोश और फुर्ती भले ही न हो, लेकिन काम और गोल्फ़ के प्रति उनका पुराना जुनून और ऊर्जा रत्तीभर भी कम नहीं हुई है। सिर पर बीचों-बीच बंटे सफेद-काले बालों का स्टाइल उनकी करिश्माई शख्सियत को और गरिमापूर्ण अंदाज़ देता है। समय की रवानगी उनके चेहरे पर बन गई सिलवटों और नपे-तुले, नरम किंतु दृढ़ता से बोले गए उनके शब्दों में साफ़ झलकती है, उम्र के साथ परिपक्व हुआ एक व्यक्तित्व।

अपने विशाल दो-मंज़िला दफ़्तर के एक कक्ष में बैठे हुए—जो गोल्फ़ की भाषा में दिल्ली के मशहूर इंडिया गेट से महज़ एक 'टी-शॉट' (लगभग 300 मीटर) की दूरी पर है—कपिल अपनी उस अग्रगामी सोच पर कायम हैं, जो परी-कथा जैसे उनके शानदार सफ़र को लगातार आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक रही। 'इस कमरे में चारों ओर देखिए, आपको क्रिकेट से जुड़ी एक भी तस्वीर या यादगार चीज़ नहीं मिलेगी'। क्रिकेट अब उनकी ज़िंदगी में महज एक छोटा-सा बिंदु बनकर रह गया है; ग्रेटर नोएडा स्थित 300 बिस्तरों वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का गौरवशाली मालिक होने के अलावा और गोल्फ आज उनकी पूंजी है, उनका अधिकांश समय इनमें व्यतीत होता है। उन्हीं के शब्दों में—'मैं ऐसा ही हूं। चाहे यह कंचे खेलना रहा हो, पतंगबाज़ी या क्रिकेट, एक बार जब मैं किसी चीज़ से दूर हो जाता हूं, तो मैं फिर से उसकी ओर लौटना पसंद नहीं करता।'

भारत का प्रतिनिधित्व करते समय, उन्होंने कभी गोल्फ़ खेलने के बारे में सोचा तक नहीं था—यहां तक कि तब भी नहीं, जब वे दिल्ली के एक गोल्फ़ कोर्स में महान गैरी सोबर्स के साथ गए थे। संन्यास के बाद, एक दोस्त ने उन्हें सुझाया कि प्रशंसकों की दखल देती नज़रों से दूर रहने के लिए गोल्फ़ कोर्स सबसे मुफीद रहेगा। पर पहले ही दिन, दिल्ली गोल्फ़ क्लब के पहले ही होल पर ही, सैकड़ों लोग आन जुटे। उनसे कहा गया कि वे फिक्र न करें। जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, किसी ने पीछा नहीं किया, किसी ने उन्हें घेरा नहीं। उन्हें अपनी ज़िंदगी का अगला मुकाम मिल गया था। एक साल के भीतर ही, उनका 'हैंडिकैप' आठ हो गया था—क्रिकेट की भाषा में इसका मतलब यह होगा कि रणजी ट्रॉफ़ी खेलने लायक महारत पा लेना।

उन्हें इस खेल से प्यार हो गया था। तीन साल के अंदर ही, उनका हैंडिकैप घटकर दो पर आ गया था; इसका मतलब था कि उनकी योग्यता एक पेशेवर गोल्फ़र बनने के लिए काफी है। क्रिकेट की भाषा में कहें तो, भारत की राष्ट्रीय टीम में होने या आईपीएल का एक स्टार खिलाड़ी बनने जितना खेल कौशल पा लेना। एक ऐसे इंसान के लिए जिसने गोल्फ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी। उन्होंने एक बार फिर से साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती।

कपिल ने अपनी गोल्फ़ स्विंग्स के साथ लगभग पवित्र रिश्ता बना लिया है। उनके करिश्मे, लोकप्रियता और गोल्फ़ के प्रति उनके गहरे प्रेम ने उन्हें 'प्रोफेशनल गोल्फ़ इंडियन टूअर' के बोर्ड की लगभग सर्वसम्मत पसंद बना दिया, और उन्हें इस संस्था के प्रबंधन मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष के तौर पर अपने एक साल से कुछ ही अधिक कार्यकाल में ही, वे और ज्यादा प्रायोजकों को प्रतियोगिता से जोड़ने में सफल रहे हैं। इससे प्रतियोगिता को विस्तार करने में मदद मिली है और सालाना दी जाने वाली पुरस्कार राशि में भी भारी बढ़ोतरी हुई है, विगत का 20-25 करोड़ रुपये इनाम बढ़कर 35 करोड़ रुपये से भी ज़्यादा हो गया है। इस पुरस्कार राशि को और बढ़ाने की योजनाएं भी चल रही हैं, ताकि दुनियाभर के बेहतरीन खिलाड़ी भारत आकर खेलने के लिए आकर्षित हों; कपिल देव आज भी ज़मीन से जुड़े और मिलनसार इंसान बने हुए हैं; वे गोल्फ़ कोर्स पर बिताए जाने वाले अपने पलों का भरपूर आनंद लेते हैं, जहां उनका हैंडिकैप आज भी पांच के आसपास है। आज अगर चाहें तो यह उपलब्धि एक प्रोफेशनल गोल्फर के रूप में भाग लेने में उनके चयन के लिए पर्याप्त है। वे कृतज्ञता सहित स्वीकार करते हैं कि हरी घास के मैदान में उनकी यह दूसरी पारी काफ़ी पारितोषिक, सुखद और जीवन को समृद्ध बनाने वाला अनुभव रही है।

> कपिल जैसे इंसान के लिए, जिसने गोल्फ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, गोल्फ में हासिल उपलब्धि अविश्वसनीय है। उन्होंने साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती।

25 करोड़ से स्टेशन का पुनर्विकास फिर भी जन समस्याएं चारों ओर

रेलवे सलाहकार समिति की बैठक में सदस्यों ने गिनाई समस्याएं

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी का तीसरा सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन बनाकर भविष्य में भोपाल एवं रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का बोझ कम करने के दावे करने वाले भोपाल रेल मण्डल की कलई उस समय खुल गई, जब शनिवार को लम्बे समय बाद आयोजित रेलवे की स्थानीय सलाहकार समिति के सदस्यों ने ढेर सारी समस्याएं गिनाई। इस स्टेशन के पुनर्विकास का भूमि पूजन आन लाइन दिल्ली से 6 अगस्त 2023 को किया था, और स्टेशन पर उस समय प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल तथा स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा उपस्थित थे, उस समय यह घोषणा की गई थी कि पुनर्विकास का काम 18 माह में पूरा हो जाएगा, लेकिन जिस गति से काम चल रहा है, उसमें अभी 6 माह का समय कम से कम लगने की संभावना है।

रेलवे सलहाकार समिति की बैठक की अध्यक्षता स्टेशन अधीक्षक धर्मराज अहिरवार ने की जबकि इसमें सदस्य भोपाल चेम्बर आफ कामर्स की तरफ से चन्द्रप्रकाश इसरानी, कांग्रेसी पार्षद अशोक मारन, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, शिक्षाविद आनंद सबधाणी के अलावा मुख्य वाणिज्य एवं पार्सल पर्वेक्ष, अन्य विभागों के अधिकारी विनोद कुमार, चेकिंग प्रभारी ज्योत्ना व नितेश आनंद आदि ने भाग लिया। विधायक प्रतिनिधि राम बंसल रैनवाल आवश्यक कार्य के कारण नहीं आ सके।

ये गिनाई कमियां

पहले तो सदस्यों ने स्टेशन पर मौजूद होने के बावजूद भी आरपीएफ के थाना प्रभारी के अलावा बैठक में 25 करोड़ की लागत से हो रहे निर्माण से जुड़े इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के अतिरिक्त डीआरएम आफिस के अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। दूसरे पिछली बैठक में टिकट खिड़की एक की जगह दो या तीन करने की समस्या का अभी तक निदान नहीं हुआ है। एक खिड़की पर जो कर्मचारी तैनात है, उसे ट्रेनों की उदघोषणा, पार्सल रिसीव के अलावा प्लेटफार्म एवं टिकट भी काटने पड़ रहे हैं, ऐसे में कभी कभी टिकट खिड़की पर लम्बी लाइन लग जाती है।

प्लेटफार्म पर टायलेट तक नहीं: सदस्य इस बात से भी नाराज थे कि साप्ताहिक एवं स्पेशल ट्रेनों को मिलाकर यहां लगभग 40 ट्रेनों का आवागमन होता है लेकिन प्लेटफार्म 2 पर टायलेट नहीं है, ऐसे में महिला यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुनर्विकास के तहत जो एच्च श्रेणी प्रतीक्षालय बनाया गया है, उसका वाशरूम एक तो गंदा है, उदघाटन से पहले ही टाइल्स उखड़ रहे हैं, और पानी बहकर प्लेटफार्म पर आ रहा है। वीआयपी कक्ष के गेट पर हेंडिल नहीं है, जो छह माह पूर्व किसी ने तोड़ दिया था। प्लेटफार्म एक व दो पर लगे नलों की टोटियां गायब हैं। प्लेटफार्म एक पर वाशरूम की 6 माह से मरम्मत हो रही है। स्टेशन की सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं होने पर एतजराज व्यक्त किया गया।

वैकल्पिक मार्ग नहीं

पिछली बैठक में सदस्यों ने सुझाव दिया था कि स्टेशन के बाहरी जर्जर मार्ग के डामरीकरण एवं अतिक्रमण हटाने के लिए स्टेशन अधीक्षक या किसी जिम्मेदार अधिकारी की तरफ से कमिश्नर नगर निगम एवं कलेक्टर को पत्र लिखा जाएगा लेकिन आज तक पत्र नहीं लिखा गया है और जर्जर सड़क व अतिक्रमण तथा जाम के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में सदस्यों ने जज्जैन सिंहंस्थ को देखते हुए वर्तमान स्टेशन रोड के अलावा धाबीघाट रोड, साजन सरिता क्लाथ स्टोर के पीछे पुलिस क्वाटर वाली सड़क के विकास पर जोर दिया। इसके अलावा बिना प्लेटफार्म के कोई बाहरी व्यक्ति भीतर प्रवेश न करने पाए, इसके लिए स्टेशन के दोनो प्रवेश द्वारों पर दो दो सूचना पट्टियां लगाने का भी सदस्यों ने सुझाव दिया।

9 ट्रेनों के स्टापेज की मांग: सदस्यों ने अधीक्षक से आग्रह किया कि चूंकि इस स्टेशन को राजधानी का तीसरा सबसे बड़ा स्टेशन बनाया जाना है इसलिए सलाहकार समिति की तरफ से डीआरएम के माध्यम से रेलवे बोर्ड को उन 9 ट्रेनों के स्टापेज की मांग की जाए, जो अघोषित रूप से तो काफी समय यहां खड़ी रहती है, लेकिन घोषित ठहराव नहीं है।

पानी खींचने वाली मशीन फिर खराब, जल प्रदाय रहा ठप

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। आजादी के 79 साल बाद भी संत हिरदाराम नगर के बाशिंदे बिजली एवं पानी की समुचित व्यवस्था से वंचित हैं। पिछले बीस दिनों में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब पानी को खींचने वाली मोटर खराब हो गई है, उसे दुरूस्त करने करने की पम्प हाउस पर कोई व्यवस्था नहीं है, फलस्वरूप इतनी भीषण गर्मी में शनिवार की सुबह की सप्लाई नहीं होने से हजारों परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इधर शुक्रवार की रात को बिजली के घटकों ने भी आम जनता को काफी परेशान किया और हजारों लोग रातभर सो नहीं पाए।

रात भर बार बार बिजली गुल

इधर जहां शनिवार की सुबह पानी नहीं आया वहीं शुक्रवार की रातभर बिजली के झटकों ने भी परेशान किया। गर्मी जब तेजी से आगे बढ़ रही है, उस पर दिन में बार बार लाइट के गुल होने के अलावा रात के समय भी उसके द्वारा झटके दिए जाने की वजह से लोग सो नहीं पाए और आम जनता में मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के खिलाफ जबरदस्त आक्रोष देखने को मिला।

नहीं हुई पानी की सप्लाई

इधर रोज की तरह संत हिरदाराम नगर की आधी आबादी सुबह नलों पर टकटकी लगाए बैठी थी अनेक इलाकों में सुबह 6 से 10 बजे तक बारी बारी से पानी की सप्लाई की जाती है पर जब शनिवार को नल नहीं आए तो लोगों की बैचनी बढ़ने लगी। चूंकि इसकी पूर्व संभावना नही थी और न ही जल कार्य विभाग के अधिकारियों ने ही जानकारी दी कि शनिवार की सुबह नल नहीं आएंगे ऐसे में लोगों ने पानी स्टोर करके भी नहीं रखा था, ऐसी में पानी नहीं आने से इस गर्मी के मौसम में परेशानी स्वाभाविक थी। जब पानी नहीं आया तब लोगों ने स्वामी हिरदाराम जी के आशीर्वाद से निजी स्तर पर सुबह शाम सार्वजनिक नल स्थापित कर पानी का वितरण करने की व्यवस्था पर निर्भर हो गए और अनेक लोगों को बर्तन लेकर नव युवक परिषद के सार्वजनिक नलों की तरफ जाते व पानी भरते भरते देखा गया। जहां तक जल कार्य विभाग की मोटर का सवाल है, तो पता चल कि वह खराब हो गई है, और उसे सुधरवाने के लिए भोपाल ले जाया गया है उसके सुधारने की संत हिरदाराम नगर में और नगर निगम के पास कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि शाम को पानी की सप्लाई होने से कुछ राहत मिली।

श्रीराम महायज्ञ में उमड़ा सैलाब हजारों श्रद्धालुओं ने ली महाप्रसादी

जागरण, कलारा। ग्राम जूनापानी में 2 मई से आयोजित श्री राम महायज्ञ एवं श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का विशाल भंडारे और महाप्रसादी वितरण के साथ भव्य समापन हुआ। सात दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र ही नहीं, दूर-दराज से भी हजारों श्रद्धालु धर्म लाभ अर्जित करने पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान गांव भक्ति, श्रद्धा और सनातन संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया।

महायज्ञ के अंतर्गत 18 पुराण, चार वेद, श्रीमद्भगवद्गीता, वाल्मीकि रामायण तथा रामचरितमानस का विधिवत पाठ कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्गों सहित हर आयु वर्ग के लोगों की भारी उपस्थिति ने आयोजन को दिव्य स्वरूप प्रदान किया। यज्ञ के अंतिम दिवस विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण की। सुबह से शुरू हुआ श्रद्धालुओं का आगमन देर शाम तक जारी रहा।

41 मरीजों ने कराया परीक्षण 14 को निकला मोतियाबिंद

जागरण, मंडीदीप। शहर के शनिवार मार्केट स्थित सोनीजी निवास, राधाकृष्ण मंदिर के पास शुक्रवार को निःशुल्क नेत्र रोग निदान एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। यह शिविर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, आशाराम बापू चौराहा, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर, भोपाल के सौजन्य से आयोजित किया गया। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया था। शिविर में कुल 41 मरीजों की ओपीडी दर्ज की गई, जिनमें 23 पुरुष एवं 18 महिलाएं शामिल रहीं। नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम ने मरीजों की आंखों की बारीकी से जांच कर मोतियाबिंद, नजर कमजोर होना, आंखों में जलन, पानी आना, धुंधला दिखाई देना तथा अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं का परीक्षण किया। जांच के दौरान 14 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई।

विश्व सिंधी हिंदू एसोसिएशन फाउंडेशन के पदाधिकारी घोषित मध्यप्रदेश के ईश्वरलाल एवं विजय पाहूआ को मिला प्रतिनिधित्व

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सिंधियों की अग्रणी सामाजिक संस्था विश्व सिंधी हिन्दु एसोसियेशन फाउंडेशन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। फाउंडेशन ने 23 नवम्बर को दिल्ली के विज्ञान भवन में इंटरनेशनल सम्मेलन आयोजित किया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष औम बिड़ला, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं संस्कृति मंत्री गजानंद शेखावत के अलावा सांसद शंकर लालवानी शामिल हुए थे इसके बाद अब 13 मई को मुम्बई में सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

फाउंडेशन में में मध्यप्रदेश से इंदौर के जाने माने वयोवृद्ध समाज सेवी एवं अनेक इंटरनेशनल सामाजिक संगठनों से जुड़े ईश्वरलाल झामनानी को उपाध्यक्ष एवं भोपाल के समाज सेवी विजय पाहूजा को सचिव बनाया गया है। फाउंडेशन के अन्य पदाधिकारियों में महाराष्ट्र के पूर्व

ईश्वरदास झामनानी

विजय पाहूजा

केबिनेट मंत्री गुरमुख जगवानी को राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुम्बई के राजू मनवानी को राष्ट्रीय महासचिव, पुणे के पीताम्बर दलवानी पीटर को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा अनूप ठारवानी एवं जेठानंद जगवानी को सयुंक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

अन्य पदाधिकारियों में सतेन्द्र भावनानी, डा. विक्की रूधवानी, दयाराम वाधवानी, महेश मलकानी, उड़ीसा के हीरालाल लोकचंदानी, राजू खेतवानी उपाध्यक्ष शामिल हैं।

इसी तरह राजीव पुरूस्वानी, दुष्यंत झामनानी, अंजना राजपाल व हिना करनानी को राष्ट्रीय सचिव, महेश छाबड़िया, डा. वेष्णवी प्रेमचंदानी, शोभा भागिया, विनोद पहलाजानी, विधि राजपाल, हरीश गुरनानी, भगवान- दास आनंदानी, कुमार रामचंदानी व तुलजो सचानंदानी सह सचिव बनाए गए हैं। हालांकि विभिन्न पदों के लिए अन्य सदस्यों ने भी नामांकन दाखिल किया था, जिन्हें स्वीकार नहीं किया गया।

विधिवत घोषणा 13 को

जानकारी के अनुसार विश्व सिंधी हिन्दु एसोसियेशन फाउंडेशन के चयनित पदाधिकारियों की विधिवत घोषणा मुम्बई के 13 मई के इंटरनेशनल सिंधी सम्मेलन में की जाएगी। हालांकि यह बात अलग है कि फाउंडेशन सिंधियों की केन्द्र व प्रदेश सराकारों से किसी भी समस्या का आज तक समाधान नहीं कर सकी है, जैसे सिंधी लिपि को रोजगार से जोड़ने, भारत में पृथक सिंधु प्रदेश की कल्पना को साकार कराने, सिंधी हिन्दुओं को सरकारी नौकरियों एवं राजनीति में 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कराने, प्रत्येक प्रांत में सिंधी साहित्य अकादमियां गठित कराने, केन्द्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद में सिंधी डायरेक्टर की नियुक्ति व उसका बजट बढ़ाकर उसके समुचित उपयोग के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर सिंधी विकास बोर्ड के गठन आदि में कामयाब नहीं हो सकी है न ही कभी कोशिश की है, लेकिन फाउंडेशन सिंधियों के उच्च वर्ग को अपनी तरफ आकर्षित करने में काफी कामयाब है।

शिव वाटिका में पशु-पक्षियों के लिए सकोरे और दाना वितरण

जागरण, मंडीदीप। भीषण गर्मी के दौर में पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने और उन्हें भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सर्वोदय सामाजिक संस्था द्वारा शनिवार शाम वार्ड 24 स्थित गच्छू रोड की शिव वाटिका कॉलोनी में प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन अहिंसा महामहोत्सव अभियान के तहत निशुल्क सकोरे एवं दाना वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में कॉलोनी स्थित किड्स प्लेनेट स्कूल की संचालिका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके आतिथ्य में महिलाओं, बच्चों और स्थानीय नागरिकों ने अपने-अपने घरों की छतों, आंगनों तथा पेड़ों पर पक्षियों के लिए सकोरे रखने, स्वच्छ पानी भरने और दाना डालने का संकल्प लिया। इस दौरान कॉलोनी के सार्वजनिक पार्कों में लगे पेड़ों पर प्रतीकात्मक रूप से सकोरे टांगे गए और उनमें स्वच्छ पानी भरकर सेवा कार्य की शुरुआत की गई।

विश्व प्रवासी पक्षी दिवस पर चमका रातापानी का दाहोद जलाशय, बना नया बर्डिंग हॉटस्पॉट

जागरण, मंडीदीप। विश्व प्रवासी पक्षी दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश के रातापानी टाइगर रिजर्व स्थित दाहोद जलाशय ने एक बड़ी पहचान हासिल की है। प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता से भरपूर इस जलाशय को बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) ने महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (इम्पोर्टेन्ट ऑफ वर्ड एरिया-आईबीए) घोषित किया है। यह सम्मान प्रदेश में इसके बढ़ते पर्यावरणीय महत्व और संरक्षण क्षमता को दर्शाता है। जनवरी 2026 में आयोजित एशियन वाटर बर्ड गणना के अनुसार, दाहोद जलाशय में 112 से 119 प्रजातियों के जलीय पक्षी दर्ज किए गए। इस उपलब्धि के साथ यह स्थल मध्यप्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। इससे पहले जबलपुर का मोहरी पॉन्ड और राजधानी भोपाल का भोज वेटलैंड शीर्ष स्थानों पर रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, यहां रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, ग्रेलैग गूज, रूडी शेल्डक, नॉर्दर्न पिनटेल और शोवलर जैसी दुर्लभ प्रवासी प्रजातियां नियमित रूप से देखी जा रही हैं। खास बात यह है कि प्रदेश का राजकीय पक्षी दूधराज भी इस क्षेत्र में मौजूद है, जो इसकी समृद्ध पारिस्थितिकी का संकेत है। दिसंबर 2024 में भारत के 57वें टाइगर रिजर्व के रूप में घोषित रातापानी अब केवल बाघों तक सीमित नहीं रहा। यहां तेजी से बर्ड टूरिज्म भी विकसित हो रहा है। शांत वातावरण, सुरक्षित जल स्रोत और अनुकूल तापमान इसे दूर देशों से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए आदर्श ठिकाना बनाते हैं। अधीक्षक मयंक राज पांडे ने बताया कि यह क्षेत्र प्राकृतिक रूप से पक्षियों के लिए बेहद अनुकूल है, जबकि डीएफओ हेमंत रैकवार ने बीएनएचएस की मान्यता को गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि दाहोद जलाशय अब संरक्षण और पर्यटन दोनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

मौका मिला है स्वास्थ्य का खजाना लूटने का: डॉ. टेवान

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। आरोग्य केन्द्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. गुलाब टेवानी ने कहा है कि मौका मिला है स्वास्थ्य का खजाना लूटने का इसका लाभ हर कोई उठाए और आजीवन स्वस्थ रहे। यह आत उन्होंने पांच दिवसीय आयोजित विशेष आवासीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग शिविर के दौरान कही। टेवानी ने बताया कि इस शिविर में देशभर से आए साधकों ने न केवल प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लिया बल्कि उसका प्रशिक्षण भी उन्हें दिया गया ताकि जरूरत पड़ने पर वे दूसरों को भी इसका लाभ दें। प्रभु परमात्मा ने मौका दिया है कि हम सब स्वास्थ्य का खजाना लूट सके और सब को अच्छे से अच्छा स्वास्थय चिकित्सा दिया जाए। भारतीय चिकित्सा पृद्धति है उसके माध्यम से कैसे हम पूर्णतः स्वास्थय रहे वो स्वस्थ जीवन जीने की कला आपको यहां सीखाई जाती है। जब भगवान ने शरीर की संरचना की तब उसमें बीमारी का कोई विषय नहीं था, दरअसल बीमारियां हमारी खुद की देन है सबसे पहले तो अगर प्राकृतिक नियमों का पालन किया जाए, तो इंसान आजीवन स्वस्थ रह सकता है। दिनचर्या, प्राकृतिक भोजन, प्रतिदिन व्यायाम, योगा, प्राणायम के अलावा अगर पक्का हुआ भोजन खाया जाए।

-:जाहिर सूचना:-

भूमि स्थित ग्राम रोजीवेह, तहसील हुजूर जिला भोपाल।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगण ने परवेज अहमद उस्मानी पुत्र इकवाल अहमद उस्मानी निवासी ग्राम रोजीवेह, पटवारी हल्का निपानिया सूखा, तहसील हुजूर जिला भोपाल के मालिकी, स्वामित्व एवं आधिपत्य के फार्म हाउस (भूभाग) क्रमांक 13 एवं 14 जो कि ग्राम रोजीवेह, पटवारी हल्का निपानिया सूखा, तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है व फार्म हाउस (भूभाग) क्रमांक 13 क्षेत्रफल 5830 वर्गफिट एवं फार्म हाउस (भूभाग) क्रमांक 14 क्षेत्रफल 5686 वर्गफिट इस प्रकार कुल क्षेत्रफल 11516 वर्गफिट है जो कि खसरा क्रमांक 213/2/2/2 (एस) एवं खसरा क्रमांक 214/2/1/1/2/1 का अंश भाग है व जिसकी चतुर्थ सीमायें इस प्रकार है :-पूरब में-भूभाग क्रमांक 12, पश्चिम में-भूभाग क्रमांक 15, उत्तर में-अन्य की भूमि एवं दक्षिण में-रास्ता है, को उनके अनुबंधकर्ता श्री मोहम्मद साद खान आत्मज श्री इश्तियाक अली निवासी 10/2, मुर्गी बाजार, जहाँगीराबाद, भोपाल से क्रय करने का अनुबंध करते हुए बयाना राशि अदा कर दी गई है व उपरोक्त सम्पत्ति या इसके किसी भाग के संबंध में किसी शासकीय, अशासकीय, अर्धशासकीय, बैंक, सोसायटी, वित्तीय संस्था आदि में विक्रय, बंधक, रहन, गिरवी, दान आदि हो या अन्य किसी भी रूप में पारिवारिक विवाद, स्वामित्व या आधिपत्य हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में लिखित रूप में मय प्रमाणित दस्तावेजों सहित स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। समयावधि पूर्ण होने के पश्चात् किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नही की जायेगी एवं मेरे पक्षकारगण सद्भाविक क्रेता उक्त सपत्ति के दस्तावेज अपने हक में निष्पादित करवाने हेतु स्वतंत्र होगा।

रमीज़ राजा एडवोकेट
Office-01, New Categorized market, Bhopal
मो. 9300340404,9827740404

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल

प्रॉपर्टी आई डी नं. 1880200022 आवेदन क्रमांक- 12013, आवेदन दिनांक- 07/05/2026

क्रमांक 2012 / राजस्व / भौविप्रा / 26 भोपाल दिनांक : 08/05/2026

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की योजना कस्तूरबा नगर भूखण्ड क्रमांक 70 सेक्टर बी पर निर्मित प्रकोष्ठ क्रमांक 302 तृतीय तल क्षेत्रफल 500 वर्गफीट का श्री सुरेंद्र कोठारी आत्मज स्वर्गीय श्री मानक लाल कोठरी के नाम पर अंकित है। आवंटी का स्वर्गवास दिनांक : 24/05/2020 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिसों पत्नी मंजू कोठारी, पुत्र श्री रितेश कोठारी, पुत्री श्रीमती रूचि दुबे द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसो की सहमति/शपथ पत्र प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति अपने नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/ दस्तावेजो के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा / आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

SUDOKU 31

6			5	8	2			9
4			1		6			3
1	2		7		8		3	5
		9				4		
3	6		4		9		2	1
7			6		4			2
8			3	9	7			6

SOLUTIONS 30

1	6	5	7	2	8	9	4	3
4	8	2	6	9	3	1	5	7
7	3	9	4	1	5	2	8	6
2	1	6	8	4	7	3	9	5
5	9	7	1	3	2	4	6	8
3	4	8	9	5	6	7	2	1
8	2	4	5	7	1	6	3	9
6	7	3	2	8	9	5	1	4
9	5	1	3	6	4	8	7	2

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज कामकाज में थोड़ी चुनौतियां आपका इंतजार कर रही हैं। ऑफिस में बॉस से बहस आपके प्रमोशन पर असर डाल सकती है, इसलिए शब्दों पर कंट्रोल रखें।

वृषभ : आज आपको अपने जरूरी कामों पर पूरा फोकस रखना होगा, वरना छोटी लापरवाही भी बड़ी समस्या बन सकती है। तनाव बढ़ने के संकेत हैं।

मिथुन : दूसरों के मामलों से दूरी बनाकर रखना ही समझदारी होगी। अपने फैसले खुद लें और किसी पर निर्भर न रहें। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

कर्क : आज का दिन उलझनों से भरा रह सकता है। काम का दबाव बढ़ेगा और मन थोड़ा अशांत रहेगा। संतान की पढ़ाई को लेकर चिंता हो सकती है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

सिंह : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। खर्चों पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे और विदेश से जुड़े कामों में अच्छी खबर मिल सकती है। परेशानियों को सुलझाने का प्रयास सफल होगा।

कन्या : आज धन लाभ के मजबूत संकेत हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और पैतृक संपत्ति से भी फायदा मिल सकता है। परिवार का साथ मिलेगा।

तुला : आज आप परोपकार और अच्छे कार्यों में मन लगाएंगे, जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। भगवान की भक्ति में आपका मन खूब रमेगा। घर में कोई धार्मिक आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक : आज नई प्रॉपर्टी खरीदने के योग बन रहे हैं। बैंक से जुड़ा कोई काम पूरा हो सकता है। किसी रिश्तेदार से मुलाकात आपको खुशी देगी। अपने कीमती सामान का ध्यान रखें।

धनु : आज का दिन सकारात्मक रहेगा और नए अवसर सामने आएंगे। आसपास के लोगों को पहचानकर ही आगे बढ़ें। खर्चों में वृद्धि होगी।

मकर : आज आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं, लेकिन पुरानी गलतियों से सीख लेना जरूरी होगा। किसी को उधार देने से बचें।

कुंभ : आज आपकी जरूरतें बढ़ेंगी और खर्च भी तेजी से बढ़ सकता है। बजट बनाकर चलना ही समझदारी होगी।

मीन : आज सेहत को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। काम में सफलता आपके कदम चूमेगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में आर्थिक उन्नति मिल सकती है।

आज का पंचांग: 10 मई रविवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा में रहेगा। **विशेष :** पंचक। **पर्व एवं त्यौहार:** शीतलाष्टमी विक्रम संवत 2063 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी 15 घंटे 07 मिनट तक तत्पश्चात नवमी, धनिष्ठा नक्षत्र 24 घंटे 50 मिनट तक तत्पश्चात शतभिषा नक्षत्र, ब्रह्म योग तत्पश्चात ऐन्द्र योग, में चंद्रमा 12 घंटे 13 मिनट तक तत्पश्चात कुंभ में।

जाति एवं उपनाम के संबंध सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विपिन विश्वकर्मा आत्मज श्री बाबूलाल मालवीय, निवासी वार्ड क्रमांक 02, रामदेव बाबा मंदिर के पास, खिडिया मोहल्ला, मंडीदीप, तह. गौहरगंज, जिला रायसेन में निवास करता हूं। यह कि हमारी जाति बढाई है, जिसमें हमारे परिवार में अपने नाम के साथ उपनाम मालवीया, विश्वकर्मा, बढाई, सुतार आदि नामों से जाना पहचाना जाता है, यह कि बाबूलाल मालवीया मेरे पिता हैं, जो अपने नाम के साथ अपना उपनाम मालवीया का उपयोग करते हैं, और मेरे द्वारा अपने नाम के साथ विश्वकर्मा उपनाम का उपयोग करता हूं, और मेरे द्वारा मेरे अनेक दस्तावेजों में मेरे पिता के नाम साथ मेरे द्वारा पिता का उपनाम भी विश्वकर्मा का उपयोग किया गया है, जो सत्य एवं सही है, जबकि हमें एवं हमारे परिवार, को उपरवर्णित नाम से ही जाना एवं पहचाना जाता। मेरे आधार में विपिन विश्वकर्मा आत्मज श्री बाबूलाल मालवीय, अंकित है। हम सगे पिता पुत्र हैं, जिसके प्रमाणीकरण हेतु सूचना प्रकाशित है।

विराशा हाइट्स रहवासी सहकारी समिति भोपाल (म.प्र.)

कार्यालय-क्लब हाउस, विराशा हाइट्स सोसाइटी कालिबाड़ी मंदिर के पास कोलार रोड, भोपाल

पंजीयन क्रमांक-0002/2024-2025, अधिसूचना दिनाँक-10/05/2026

सूचना

विराशा हाइट्स रहवासी सहकारी समिति की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 24 मई 2026 दिन रविवार को प्रात: 11.00 बजे परिसर स्थित क्लब "विराशा", विराशा हायट्स, कालिबाड़ी मंदिर के पास कोलार रोड तहसील हुजूर, जिला भोपाल मे आयोजित की जानी है। संस्था के समस्त सदस्यों से अनुरोध है कि संस्था की वार्षिक साधारण सभा मे नियत समय एवं स्थान पर उपस्थित होने का कष्टकरें। जिससे संस्था की वार्षिक साधारण सभा का सुचारु आयोजन किया जा सके।

स्थान-क्लब विराशा दिनाँक-24.05.2026
समय-11.00 AM

अध्यक्ष-विराशा हाइट्स रहवासी सहकारी समिति भोपाल (म.प्र.)

सिग्नेचर रेसीडेंसी रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल

निविदा सूचना

सिग्नेचर रेसीडेंसी रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल द्वारा सिग्नेचर रेसीडेंसी परिसर, जे.के. हॉस्पिटल रोड, कोलार, भोपाल में 100 किलोवाट (KW) क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापित एवं परिचालित किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त कार्य हेतु इच्छुक एवं योग्य कंपनियों/फर्मों से सीलबंद निविदाएं (कोटेशन) आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक कंपनियां अपना विस्तृत कोटेशन 'कार्यकारी अध्यक्ष, सिग्नेचर रेसीडेंसी रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल' के नाम संबोधित कर दिनांक 15.05.2026 सायं 5:00 बजे तक संस्था प्रबंधक के पास अनिवार्य रूप से जमा करें।

संस्था को प्राप्त किसी भी निविदा/कोटेशन को बिना कारण बताए स्वीकार अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

टेंडर डॉक्यूमेंट प्राप्त करने हेतु QR कोड स्कैन करें अथवा सोसायटी प्रबंधक से संपर्क करें।

संपर्क :
श्री शिवानंद मिश्रा
प्रबंधक (संस्था)
मोबा. : 9691032930

> कुछ मूर्तियां यह साबित करती हैं कि कला केवल सुंदरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने, चौंकने और अलग नजरिए से दुनिया को देखने के लिए भी प्रेरित करती है। दुनिया के अलग-अलग कोनों में मौजूद ये अनोखी मूर्तियां बताती हैं कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती।

पब्लिक आर्ट : दुनिया के अजीबोगरीब स्टैच्यू

आपने अपने आसपास या चौराहों पर कई मूर्तियां देखी होंगी। सार्वजनिक मूर्तियां आमतौर पर इतिहास, नायकों या सांस्कृतिक मूल्यों को सम्मान देने के लिए बनाई जाती हैं। लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में ऐसी मूर्तियां भी मौजूद हैं, जो अपनी अनोखी और विचित्र बनावट के कारण लोगों को चौंका देती हैं। ये मूर्तियां न सिर्फ कला की सीमाओं को तोड़ती हैं, बल्कि देखने वालों के मन में सवाल और जिज्ञासा भी पैदा करती हैं। जानते हैं दुनिया की कुछ ऐसी ही अजीबो-गरीब मूर्तियों के बारे में।

किंडलिफ्रेसरब्रूनन (स्विट्जरलैंड)

स्विट्ज़रलैंड की राजधानी में एक रंगीन लेकिन भयानक मूर्ति हर किसी को आश्चर्यचकित करती है कि इसे लगभग 500 वर्षों पहले क्यों बनाया गया था। किंडलिफ्रेसरब्रुन्नन को 16वीं शताब्दी में हंस गिएंग द्वारा बनाया गया था। किंडलिफ्रेसरब्रुन्नन, जिसका अनुवाद छोटे बच्चों के भक्षक के फव्वारे के रूप में किया जाता है। यह ओल्ड बर्न के केंद्र में स्थित है और लाल, हरे और पीले रंग के कपड़े पहने एक स्तंभ पर बैठे एक राक्षस-प्रकार की आकृति को दर्शाता है। वह एक नग्न बच्चे के सिर को भी काट रहा है। यह मध्यकालीन फाउंटेन एक ऐसे राक्षस को दिखाता है जो एक बच्चे को खा रहा है। इसकी असली कहानी आज भी स्पष्ट नहीं है, जिससे इसकी रहस्यमयी और डरावनी छवि और भी गहरी हो जाती है। यह यूरोप की सबसे अजीब और डरावनी मूर्तियों में गिना जाता है।

द केलपीज (स्कॉटलैंड)

स्कॉटलैंड में स्थित ये 30 मीटर ऊंचे घोड़े के सिर जैसे स्टील के स्टैच्यू मिथिकल वाटर स्पिरिट 'केल्पी' से प्रेरित हैं। इनकी चमकदार सतह और विशाल आकार इन्हें बेहद प्रभावशाली बनाते हैं, लेकिन साथ ही इनका लुक थोड़ा रहस्यमयी और डरावना भी लगता है। (द केल्पिस) स्कॉटलैंड के फॉल्किर्क में स्थित 30 मीटर (100 फीट) ऊंचे घोड़ों के सिरों के दो विशाल शिल्प हैं। कलाकार एंडी स्कॉट द्वारा निर्मित, ये दुनिया की सबसे बड़ी इक्वाइन (घोड़े) मूर्तियां हैं, जो स्कॉटलैंड के औद्योगिक इतिहास और पानी में रहने वाली पौराणिक आत्माओं (केल्पी') को समर्पित हैं।

हेडिंग्टन शार्क (इंग्लैंड)

एक घर की छत में सिर के बल घुसा हुआ विशाल शार्क, यह दृश्य किसी फिल्म जैसा लगता है। 1986 में लगाया गया यह स्टैच्यू युद्ध और सत्ता के खिलाफ एक प्रतीकात्मक विरोध माना जाता है, हालांकि कई लोग इसे सिर्फ अजीब और चौंकाने वाला मानते हैं। हेडिंगटन शार्क 2 न्यू हाई स्ट्रीट, हेडिंगटन, ऑक्सफ़ोर्ड, इंग्लैंड में स्थित एक छत पर बनी मूर्ति है, जिसमें एक बड़ी शार्क को एक घर की छत में सिर के बल घुसा हुआ दर्शाया गया है। यह विरोध कला थी, जिसे इमारतों पर बम गिराने का प्रतीक बनाने के लिए बिना अनुमति के रखा गया था। बताया जाता है कि शार्क पहली बार 9 अगस्त 1986 को अमेरिकी मूल के रेडियो प्रस्तोता बिल हेइन के घर की छत पर दिखाई दी। उन्हें और मूर्तिकार जॉन बकले को सड़क पर शराब पीते समय यह विचार आया और उन्होंने बम गिरने के रूपक के रूप में शार्क की कल्पना की, विशेष रूप से अमेरिकी युद्धक विमानों से जो लीबिया पर बमबारी करने के लिए ऊपर से उड़ रहे थे। शार्क को मूर्तिकार जॉन बकले ने एक स्थानीय बढ़ई और बकले के मित्र एंटोन कैस्टियाउ के साथ डिजाइन, निर्मित और स्थापित किया था।

क्यूमिल (मैन एट वर्क) (स्लोवाकिया)

यह ब्रॉन्ज की मूर्ति एक ऐसे व्यक्ति को दिखाती है जो सीवर से बाहर झांक रहा है, जैसे काम से थोड़ा ब्रेक ले रहा हो। स्थानीय लोग इसे क्यूमिल यानी 'देखने वाला' कहते हैं। यह मजेदार और अलग तरह का स्टैच्यू पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। क्यूमिल प्रतिमा, जिसे सीवेज वर्कर, काम पर आदमी के नाम से भी जाना जाता है। यह स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा शहर के केंद्र में स्थित है। यह अकादमिक चित्रकार, ग्राफिक कलाकार और कलाकार विक्टर हुलिक द्वारा बनाई गई एक कांस्य प्रतिमा है। विभिन्न मीडिया में, क्यूमिल को एक सैनिक के रूप में पहचाना जाता है। इसी तरह की मूर्तियाँ रूस के अन्य शहरों में भी स्थापित की गई हैं।

लेस वोयाजर्स (फ्रांस)

फ्रांसीसी कलाकार ब्रूनो कैटालानो द्वारा बनाई गई ये मूर्तियां अधूरी मानव आकृतियों को दर्शाती हैं, जिनके शरीर के बड़े हिस्से गायब होते हैं। ये स्टैच्यू यात्रा के दौरान पहचान, खोने और अधूरेपन के भाव को बेहद कलात्मक तरीके से प्रस्तुत करते हैं। लेस वोयाजर्स (ट्रेवलर्स ब्रूनो कैटालानो द्वारा बनाई गई काँसे की मूर्तियों की एक प्रसिद्ध श्रृंखला है। ये मूर्तियां मुख्य रूप से मार्सिले के बंदरगाह पर स्थित हैं, जो यात्रियों को एक सूटकेस के साथ दिखाती हैं, जिनके शरीर का मध्य भाग गायब है, जो प्रवासन और अपूर्णता का प्रतीक है। ये मूर्तियां प्रवासियों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो अपना घर छोड़कर नई जगह जा रहे हैं। शरीर के बीच का हिस्सा न होना यह दर्शाता है कि यात्री अपने साथ अपनी यादें, अपनी जड़ें, और अपने आप का एक हिस्सा लेकर चल रहे हैं, लेकिन साथ ही एक खालीपन भी महसूस कर रहे हैं। सूटकेस उनकी यात्रा, यादों और पहचान का प्रतीक है। इन मूर्तियों को अक्सर 'अपूर्ण रूप से पूर्ण' कहा जाता है क्योंकि खाली जगह के माध्यम से दर्शक पीछे के परिदृश्य को देख सकते हैं।

फॉरएवर मर्लिन (अमेरिका)

कैलिफोर्निया के पाम स्प्रिंग्स में स्थित मर्लिन मुनरो की 26 फुट ऊंची (7.9 मीटर) एक विशाल प्रतिमा है, जिसे कलाकार स्यूअर्ड जॉनसन ने बनाया है। यह प्रतिमा 1955 की फिल्म 'द सेवन ईयर इच' के प्रसिद्ध दृश्य को दर्शाती है, जिसमें हवा के झोंके से हॉलीवुड स्टार मर्लिन मुनरो की सफेद पोशाक ऊपर उड़ रही है। यह मूर्ति बेहद आकर्षक तो है, लेकिन कई लोगों को इसका आकार और प्रस्तुति थोड़ा असहज भी लगती है। यही कारण है कि यह स्टैच्यू लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहता है।

चर्चा में चेहरा - निधि मित्तल

स्टाफ यूनिफार्म से आया लेंसकार्ट तूफान

हाल ही मे सोशल मीडिया पर छाए लेंसकार्ट तूफान के केंद्र में बंसल लेंसकार्ट के सीईओ पीयूष बंसल की पत्नी निधि मित्तल हैं। सोशल मीडिया पर युवाओ के बीच लेंसकार्ट मुद्दे पर ऑनलाइन बातचीत तेज़ होती जा रही है। कंपनी के स्टाफ यूनिफ़ार्म दस्तावेज़ को लेकर जो चर्चा शुरू हुई थी वह अब बहुत बड़ा मुद्दा बन गई है। सोशल मीडिया प्रतिक्रियाओं से भरा है, और विषय सिर्फ कार्यस्थल नियमों से आगे बढ़ गया है। इसमें अब पीयूष बंसल और उनकी पत्नी निधि मित्तल से जुड़ा एक निजी पहलू भी शामिल है।

क्यों ट्रेंड हो रही हैं निधि मित्तल?

निधि मित्तल अपने कुछ पुराने सोशल मीडिया पोस्ट फिर से प्रसारित होने के बाद फोकस में आ गई हैं। ये पोस्ट, जो 2013 से 2015 के बीच की बताई जाती हैं, अब एक्स पर व्यापक रूप से शेयर की जा रही हैं। इनमें, वह उस अवधि के दौरान आम आदमी पार्टी के लिए समर्थन व्यक्त करती हुई दिखाई दीं, साथ ही कुछ अन्य राजनीतिक समूहों और संगठनों के लिए भी आलोचनात्मक विचार व्यक्त करती दिखीं।

क्या है लेंसकार्ट विवाद

वहीं, इन दिनों लेंसकार्ट को एक आंतरिक दस्तावेज को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी की एक 'स्टाफ यूनि़फॉर्म और ग्रूमिंग गाइड' ऑनलाइन लीक हो गई थी। इस दस्तावेज़ ने कार्यस्थल में धार्मिक प्रतीकों को धारण के तरीके के कारण चिंताएँ बढ़ा दीं। शेयर पोस्ट के अनुसार, दस्तावेज़ में बिंदी, कलावा जैसे पवित्र धागे और धार्मिक कलाई बैंड जैसी कुछ वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसने हिजाब और पगड़ी की अनुमति दी लेकिन अनिवार्य काले रंग जैसी शर्तों के साथ। इसमें यह भी कहा गया है कि सिन्दूर को 'सूक्ष्मता से' लगाना चाहिए। इन बिंदुओं पर आलोचना हुई और बहस छिड़ गई।

सुर्खियों में आई निधि मित्तल की पहचान

- निधि मित्तल के पोस्ट पर हुए इस विवाद के मद्देनजर कई सोशल मीडिया यूजर्स उनकी व्यक्तिगत पहचान की जांच कर रहे हैं। जैसा कि कहा गया है, वह लेंसकार्ट फाउंडेशन की चेयरपर्सन हैं और अपने पद के साथ-साथ इसके सीईओ पीयूष बंसल से शादी के कारण कंपनी से जुड़ी हुई हैं।
- लेंसकार्ट फाउंडेशन निःशुल्क नेत्र परीक्षण प्रदान करता है, किफायती आईवियर वितरित करता है, और अंधेपन से निपटने के बारे में जागरूकता फैलाता है। निधि भारत के सबसे प्रसिद्ध स्टार्टअप्स में से एक लेंसकार्ट में शेयरधारक हैं और कथित तौर पर कंपनी में उनकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।
- निधि के पुराने पोस्ट कई मौजूदा कॉर्पोरेट विवादों के समय फिर से पोस्ट किए गए हैं, जिसके कारण उस मुद्दे से संबंधित मजबूत सोशल मीडिया गतिविधि हुई है।

पीयूष बंसल की सफाई

जब दस्तावेज़ पहली बार सामने आया, तो पीयूष बंसल ने इसे 'गलत' कहा। हालाँकि, एक्स पर एक पोस्ट ने बताया कि दस्तावेज़ हाल ही में सामने आया था और इसकी आधिकारिक ब्रांडिंग थी। बाद में, उन्होंने स्वीकार किया कि दस्तावेज़ वास्तविक था लेकिन इसे 'पुराना इन्टर्नल ट्रेनिंग दस्तावेज़' बताया। उन्होंने कहा कि यह कोई सक्रिय मानव संसाधन नीति नहीं है। उन्हें 17 फरवरी तक आंतरिक रूप से हटा दिया गया था। जैसे-जैसे बातचीत जारी है, मुद्दा अब कार्यस्थल नीति और व्यक्तिगत जांच के चौराहे पर खड़ा है। जो चर्चा एक कंपनी दस्तावेज़ के इर्द-गिर्द चर्चा के रूप में शुरू हुई वह ऑनलाइन एक बड़ी बहस में बदल गई है।

लंदन की फैशन डिजाइनर का जुनून बन गए जयपुर ब्लॉक प्रिंट्स

यही कहानी लंदन स्थित डिजाइनर रोसन्ना फाल्कनर की है , जो अपने हनीमून के लिए जयपुर पहुंची और जल्द ही सदियों की विरासत, संस्कृति और राजसीता को लेकर एक पूर्ण रचनात्मक जुनून में डूब गई। यह गुलाबी शहर उनके लिए एक गंतव्य की तरह कम और एक रचनात्मक यात्रा की तरह अधिक शुरू हुआ, क्योंकि रोसन्ना को जयपुर के रंगीन ब्लॉक प्रिंट से प्यार हो गया। समय के साथ, उन्होंने खुद को रंगों और संस्कृति के प्रति गहराई से आकर्षित पाया और अपने जलरंगों का पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग की भाषा में अनुवाद किया। फैशन में 17 साल के करियर के साथ, उन्होंने अपनी सुंदरता को एक टेबल लिनन डिजाइनर में बदल दिया और अपनी अधिकांश प्रेरणा जंगली फूलों और अब जयपुर के रंगों से ली। इसने लंदन और जयपुर के बीच की दूरी को पाट दिया।

> लंदन की फैशन डिजाइनर को भारत यात्रा के दौरान राजस्थान का हस्तशिल्प बहुत पसंद आया और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जो सफर एक प्रेम यात्रा के रूप में शुरू हुआ वह जल्द ही एक डिजाइन तीर्थयात्रा में बदल गया।

प्यार हो गया भारत से

रोसन्ना को भारत की संस्कृति से इतना प्यार हो गया कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम ही इंडिया रख दिया। वह 2018 में अपने हनीमून के लिए जयपुर शहर पहुंचीं और हेरिटेज होटलों में रुकीं, रंग-बिरंगी सड़कों पर घूमीं और भारतीय संस्कृति के असली सार का स्वाद चखा। लेकिन इस शहर के लोग और शिल्प ही थे जिन्होंने उन्हें जयपुर से प्यार करने को मजबूर कर दिया, जिसके बाद से वह लगातार वापस आती रहीं। रोसन्ना ने स्थानीय स्टूडियो का दौरा किया और शिल्प की लय और सटीकता को देखा, जिसने उसके अंदर कुछ बदलाव ला दिया। उसने अपना पहला नमूना तैयार किया और कुछ ऐसा बनाया जो उसकी कल्पना से कहीं अधिक था। तब से, रोसन्ना ने अपनी प्रोफेशनल ऑर्डर्स को री एडजस्ट किया और इस शिल्प को अपनी डिजाइन परियोजनाओं, होमवेयर संग्रह और बहुत कुछ में शामिल करना शुरू कर दिया है। एक बातचीत मे उन्होंने कहा, 'जयपुर में ब्लॉक प्रिंटिंग इतनी अंतर्निहित है कि आप इसमे लगभग खो ही जाते हैं। मैंने इस शिल्प को अलग तरह से नहीं देखा, बल्कि इसमें ही अपना रास्ता खोज लिया ।

बनाने की प्रक्रिया को समझना

रोसन्ना के डिज़ाइन की यात्रा एक मूडबोर्ड बनाने से शुरू होती है, जिसमें टोन, सही रंग और प्रकृति से ली गई भावना के लिए संदर्भ एकत्र करना शामिल है। उनके डिजाइन पंखुड़ियों, पेड़ों और पत्तियों से प्रेरणा लेते है। वह हाथ से स्केच बनाती है और डिज़ाइन को डिजिटल रूप से परिष्कृत करने से पहले उस पर पानी के रंग भरती है। फिर इस कलाकृति को लकड़ी के ब्लॉकों में अनुवादित किया जाता है, जिन्हें हाथ से तराशा जाता है, और फिर एक सफेद पृष्ठभूमि पर मुद्रित किया जाता है। उसने जो अनुसरण किया वह कोई प्रवृत्ति नहीं थी, बल्कि यह एक परिवर्तन था। वह अपने पेशेवर क्षेत्र में अंतर-सांस्कृतिक प्रेम संबंध में विश्वास करती थी और इसे पूर्णता के साथ निभाती थी। रोसन्ना ने लाइन-लिव-इन सुंदरता में विश्वास किया और साबित किया कि आपके जीवन की कहानी को पूरी तरह से फिर से लिखने और एक नया डीएनए शुरू करने के लिए केवल एक यात्रा की आवश्यकता है।

फोकस जंग अगर बाजार की सांसें रोक दे तो चाहिए करंसी का भरोसा

मामला सिर्फ इतना नहीं है कि ट्रंप ने यूएई के लिए करेंसी स्वैप की बात कर दी। असली बात यह है कि खाड़ी के एक बड़े तेल देश ने अमेरिका को यह एहसास करा दिया है कि अगर डॉलर की सप्लाई अटकी तो खेल दूसरी तरफ भी जा सकता है। यही वह बात है जो ऊपर से आर्थिक लगती है, लेकिन अंदर से बहुत बड़ा सियासी और रणनीतिक संदेश छिपाए बैठी है।

● जाहिद खान ●

बड़ी खबर यह नहीं है कि ट्रंप ने यूएई के साथ कोई नई मेहरबानी कर दी। बड़ी खबर यह है कि खाड़ी का एक बड़ा तेल देश ऐसे समय में डॉलर की बात कर रहा है, जब पूरा इलाका पहले ही तनाव में है। बीते सप्ताह ट्रंप ने खुद कहा कि अमेरिका और यूएई के बीच करेंसी स्वैप पर विचार हो रहा है। उसी दौरान यूएई के केंद्रीय बैंक की तरफ से अमेरिकी ट्रेजरी और फेड के सामने डॉलर की उपलब्धता का सवाल भी उठा। दूसरी तरफ यूएई के राजदूत ने बाहर आकर यह कहा कि हमें किसी आर्थिक सहारे की जरूरत नहीं है यानी ऊपर से सब संभला हुआ दिखाया जा रहा है लेकिन अंदर मामला गंभीर है। अब इसे बहुत आसान तरीके से समझें। करेंसी स्वैप का मतलब यह होता है कि जरूरत पड़ने पर एक देश दूसरे देश की मुद्रा तक पहुंच बना सके ताकि बाजार में घबराहट न फैले और बैंकिंग सिस्टम हिले नहीं। फेड और यूरोपीय सेंट्रल बैंक दोनों यही समझाते हैं। सीधी बात यह है कि जब कोई देश डॉलर की लाइन पक्की करने लगे तो समझ लो उसे आगे की टेंशन दिख रही है। यह सिर्फ बैंक वालों का मामला नहीं होता, यह पूरे सिस्टम की सांस का मामला होता है।

- इस खबर की पहली बड़ी बात यह है कि यह तेल से ज्यादा भरोसे की खबर है। बरसों से तेल का बड़ा कारोबार डॉलर में होता आया है। इसी वजह से अमेरिका का नोट दुनिया भर में चलता है, लेकिन जब यूएई जैसा देश डॉलर की उपलब्धता को लेकर इतनी गंभीर बात करें तो समझो कि अब अमेरिका के अपने साथी भी बैकअप सोच रहे हैं। डॉलर अभी गिरा नहीं है, उसकी ताकत अभी भी बहुत बड़ी है, लेकिन कुर्सी हिलती भी ऐसे ही है, जब अपने ही लोग पूछना शुरू कर दें कि अगर कल रास्ता बंद हुआ तो क्या करेंगे।
- दूसरी बड़ी बात यह है कि यूएई अब सिर्फ एक तरफ खड़े होकर खेलना नहीं चाहता। एक तरफ उसे अमेरिका से सुरक्षा चाहिए, पुराना रिश्ता चाहिए, बैंकिंग का भरोसा चाहिए। दूसरी तरफ वह यह भी चाहता है कि अगर वॉशिंगटन की जंग या फैसले से उसका बाजार हिले, तो उसके पास दूसरा रास्ता भी खुला रहे। यही वजह है कि एक तरफ डॉलर की बात अंदर हो रही है और दूसरी तरफ बाहर मजबूती दिखाई जा रही है। यानी दोस्ती भी रखो और अपना बचाव भी। यही नई खाड़ी चाल है।
- तीसरी बात आम इंसान की जेब से जुड़ी है। बहुत लोग सोचते हैं कि डॉलर, फेड, स्वैप, केंद्रीय बैंक, ये सब ऊपर की बातें हैं, लेकिन असर नीचे आता है। अगर तेल वाले देशों को डॉलर की टेंशन होने लगे तो उसका असर तेल के सौदों, जहाजरानी, बीमा, आयात के बिल और आखिर में महंगाई तक जा सकता है। 22 अप्रैल 2026 की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर अनिश्चितता के बीच बाजार दबाव में आए और होर्मुज के रास्ते तेल सप्लाई पर खतरे की आशंका से कच्चा तेल करीब 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा यानी यह खबर कल पेट्रोल, भाड़ा और रोज के खर्च तक पहुंच सकती है।
- चौथी बात सबसे अहम है। ट्रंप ने खुद 'मनी स्वापिंग' जैसी बात छेड़ी। इसका मतलब यह है कि उन्हें भी समझ है कि जंग सिर्फ मिसाइलों से नहीं चल रही। असली जंग बैंकिंग के रास्तों में भी है, डॉलर की नसों में भी है। अगर अमेरिका यूएई जैसे साथी के लिए वित्तीय सुरक्षा की सोच रहा है तो इसका मतलब साफ है कि उसे डर है कहीं जंग का असर सीधे बाजार में न घुस जाए ।
- पांचवीं बात चीन की है। चीन को आज ही डॉलर हटाना नहीं है। उसे सिर्फ इतना चाहिए कि दुनिया यह सोचना शुरू कर दे कि हर सौदा डॉलर में ही क्यों हो ? बड़े बदलाव एक दिन में नहीं आते। पहले बात शुरू होती है, फिर थोड़ा इस्तेमाल होता है, फिर बैकअप बनता है, फिर आदत बनती है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक और चीन के केंद्रीय बैंक के बीच 2025 में स्वैप व्यवस्था का बढ़ना भी दिखाता है कि बड़ी ताकतें मुद्रा को सिर्फ नोट नहीं, हथियार की तरह भी देखती हैं इसलिए अगर कल तेल के कुछ सौदों में दूसरी मुद्रा की बात बढ़ती है तो चीन को बिना एक भी गोली चलाए फायदा मिल सकता है।
- छठी बात सौदेबाजी की है। यह भी हो सकता है कि यूएई ने यह सब सिर्फ डर की वजह से नहीं किया हो बल्कि अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए भी किया हो। मतलब साफ है, अगर आपकी जंग हमारे बाजार की सांस रोक सकती है तो हमें सिर्फ बयान नहीं, भरोसा भी चाहिए। हमें यह यकीन चाहिए कि आपकी लड़ाई का बिल हम अपने सिर पर न उठाएं इसलिए इस खबर को सिर्फ आर्थिक मुश्किल समझना कम होगा। यह वॉशिंगटन को दिया गया एक सीधा संदेश भी है कि खाड़ी अब सिर्फ सुनने वाली जगह नहीं रही, अब वह शर्तें भी समझती है, डर भी समझती है और अपने विकल्प भी खुला रखती है।

- अब सातवीं और सबसे जरूरी बात। अभी यह कहना जल्दी होगी कि यूएई ने खुलकर डॉलर छोड़ने की धमकी दे दी है। ऐसा सीधा सार्वजनिक बयान सामने नहीं है। जो साफ है वह यह कि ट्रंप ने स्वैप पर विचार की बात कही, यूएई की तरफ से डॉलर पहुंच का सवाल उठा और ऊपर से मजबूती का दावा भी किया गया लेकिन कई बार असली बात प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं, इशारों में बोली जाती है इसलिए इस पूरी खबर को ऐसे समझो कि डॉलर अभी गिरा नहीं है लेकिन उसके नीचे पहली चरमराहट जरूर सुनाई दे रही है।
- इसका सार यह है कि यूएई ने अमेरिका से भीख नहीं मांगी, उसने उसे याद दिलाया है कि दुनिया सिर्फ ताकत से नहीं चलती, पैसे के भरोसे से भी चलती है और जिस दिन तेल वाले देश यह सोचने लगें कि हर बिल डॉलर में ही क्यों बने, उसी दिन से अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत पर असली सवाल शुरू हो जाएगा। आज आवाज हल्की है, कल यही बहुत बड़ा शोर बन सकती है।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

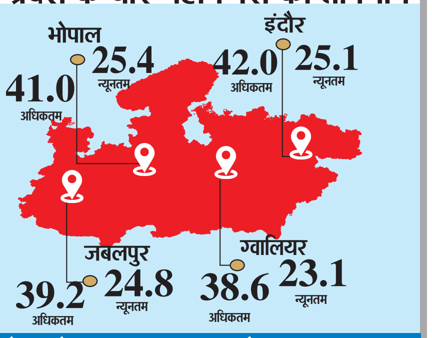

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36.9	23.8
मुंबई	35.6	28.2
चेन्नई	36.6	21.4
कोलकाता	33.6	23.6

सूर्यास्त 6:52 PM
सूर्योदय 5:42 AM
चन्द्रोदय 12.28 PM
चन्द्रास्त 11:34 AM

दमोह में जमीन विवाद में रिश्तों का कत्ल, सागर में युवक की हत्या के बाद जमकर बवाल

बड़ी मां ने 3 साल के मासूम का गला घोंटा पत्थर से सिर कुचलकर भूसे में दबाया शव

दमोह के तेजगढ़ क्षेत्र का मामला, महिला समेत दो आरोपी हिरासत में

दमोह, जागरण। प्रदेश के दमोह जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां रिश्तों का कत्ल कर दिया गया। तेजगढ़ क्षेत्र के महुआखेड़ा गांव में महज तीन साल के मासूम अनिरुद्ध की उसकी सगी बड़ी मां ने ही बेरहमी से हत्या कर दी। शनिवार को पुलिस ने इस अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। हत्या की वजह परिवार के भीतर लंबे समय से चला आ रहा जमीन का विवाद बताया जा रहा है। शुक्रवार सुबह जब अनिरुद्ध अपने घर के आंगन में खेल रहा था और अचानक लापता हो गया। परिजनों ने जब उसे आसपास नहीं पाया, तो हड़कंप मच गया। पिता माखन सिंह की सूचना पर इमलिया चौकी पुलिस तुरंत सक्रिय हुई। मासूम की तलाश के लिए पुलिस के साथ डॉग स्क्वॉयड और एसडीआरएफ की टीम को भी लगाया गया। रात भर चले सर्च ऑपरेशन के दौरान ग्रामीणों की शंका पर 70 फीट गहरे कुएं तक को खंगाला गया, लेकिन अनिरुद्ध का कहीं पता नहीं चला। शनिवार सुबह बच्चे का शव घर से महज 50 मीटर दूर भूसे के ढेर में मिला।

अनिरुद्ध, मृतक

पहचान छिपाने और पुलिस को गुमराह करने हत्या के बाद भूसे के ढेर में शव को छिपाया

पुलिस जांच में सामने आया कि बड़ी मां राजकुमारी लोधी ने ही रंजिश के चलते बच्चे को बहला-फुसलाकर अपने पास बुलाया और गला दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पहचान छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से उसने बच्चे के सिर पर पत्थर से वार किया और अंधेरे का फायदा उठाकर शव को भूसे में छिपा दिया, ताकि इसे एक साधारण अपहरण या दुर्घटना का रूप दिया जा सके। एसपी आनंद कलादगी के अनुसार, मृतक के पिता माखन सिंह और उनके भाई भगवान सिंह लोधी के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी खुन्नस में आरोपी महिला ने मासूम को निशाना बनाया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी राजकुमारी लोधी को हिरासत में ले लिया है, जबकि उसके पति भगवान सिंह से भी सघन पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस जघन्य अपराध में परिवार का कोई अन्य सदस्य भी शामिल था।

रेलवे ठेकेदार बनकर कटनी में लाखों की ठगी

36 लाख कैश और फॉर्च्यूनर के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

जागरण, कटनी। रेलवे के ठेकों में निवेश और भारी मुनाफे का सपना दिखाकर लाखों की ठगी करने वाले शातिर जालसाज को कटनी पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने को बड़ा रेलवे कॉन्ट्रैक्टर बताकर एक व्यक्ति से 36 लाख रुपये ऐंठ लिये थे और फरार हो गया था। कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र के निवासी देवकीनंदन परौहा इस जालसाजी का शिकार हुए। उन्हें तुलसी राम साहू उर्फ बोका ने बड़ी ही चालाकी से झांसा देते हुए दावा किया था कि उसे पन्ना के ग्राम सकारिया में रेलवे का एक बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। देवकीनंदन को इस प्रोजेक्ट में निवेश करने पर तगड़े मुनाफे का लालच दिया। इसके बाद परौहा ने बोका को 36 लाख 30 हजार रुपये दे दिए, लेकिन जब काफी समय बीतने के बाद भी न तो काम शुरू हुआ और न ही पैसा वापस मिला, तब देवकीनंदन एनकेजे थाने पहुंचे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कटनी की एनकेजे पुलिस और साइबर सेल ने फौरन बोका को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। तकनीकी सबूतों और साइबर इनपुट की मदद से आरोपी की लोकेशन लगातार ट्रैक की गई। पुलिस को उसकी लोकेशन पन्ना जिले के शाहनगर में मिली। बोका को पुलिस में की गई एफआईआर की जानकारी लग गई थी, लिहाजा वह यूपी भागने की तैयारी में था। जैसे ही पुलिस ने उसकी घेराबंदी की, वह अपनी फॉर्च्यूनर कार से भागने लगा। आखिर में कटनी पुलिस ने उसे घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्त में आते ही उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद उसने पुलिस को ठगी की पूरी रकम 36 लाख 30 हजार रुपये सौंप दी।

डंपर में अचानक लगी आग सेंसर, बैरियर-बूथ क्षतिग्रस्त

जागरण, खजुराहो। बमीठा थाना क्षेत्र के झांसी-खजुराहो फोरलेन पर स्थित देवगांव टोल प्लाजा पर एक डंपर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि डंपर एक घंटे तक धू-धू कर जलता रहा, जिस कारण टोल प्लाजा को भी नुकसान पहुंचा और टोल प्लाजा का सेंसर बैरियर और बूथ भी आग से क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। डंपर में डस्ट भरी हुई थी। हालांकि, राहत वाली बात यह है कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। दरअसल घटना शनिवार सुबह 8 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, बमीठा से छतरपुर की ओर जा रहा यह डंपर एमपी16जेडएफ 8199 जैसे ही टोल प्लाजा पर पहुंचा, उसमें अचानक आग लग गई। शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट या कोई अन्य तकनीकी खराबी बताया जा रहा है।

युवक का शव मिलने पर भीड़ ने शराब दुकान में लगाई आग, किया चक्काजाम

सागर में कर्मचारियों पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप

जागरण, सागर। प्रदेश के सागर जिले के शाहपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में शनिवार सुबह बरेठा बाबा की घाटी के पास सड़क किनारे युवक का शव मिलने पर जमकी हंगामा हुआ। परिजन और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर युवक की हत्या का आरोप लगाते हुए गढ़ाकोटा मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इसी दौरान आक्रोशित भीड़ ने शाहपुर स्थित शराब दुकान में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड ने स्थिति संभाली। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शाहपुर निवासी नीरज प्रजापति (38) शुक्रवार रात अपने साथी सूरज अहिरवार के साथ गढ़ाकोटा लाइट का सामान लेने जा रहा था। आरोप है कि देर रात रास्ते में बोलेरो से आए 10 से 12 लोगों ने दोनों को रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने नीरज को बेहोश होने तक पीटा, जबकि सूरज किसी तरह जान बचाकर मौके से भाग निकला। शनिवार सुबह नीरज का शव बरेठा बाबा की घाटी के पास सड़क किनारे मिला। घायल सूरज अहिरवार ने बताया कि हमलावरों ने नीरज को बेहोश होने तक पीटा। उसने आरोप लगाया कि मारपीट करने वालों में अंशुल, छोटू, भगवत और नीलेश समेत अन्य लोग शामिल थे।

सभी पहलुओं पर जांच: एएसपी

एएसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि शाहपुर क्षेत्र में युवक का शव मिला है। शरीर पर चोटों के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व भाजपा विधायक के भतीजे पर दुष्कर्म का केस दर्ज

जागरण, धार। प्रदेश के धार जिले में सरदारपुर विधानसभा से भाजपा के पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया के भतीजे भूपेंद्र सिंह भूरिया पर युवती ने शादी का झांसा देकर 6 साल तक दुष्कर्म करने की शिकायत की है। युवती की शिकायत के बाद आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है। राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने बताया कि युवती की शिकायत पर आरोपी भूपेंद्र सिंह भूरिया के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक के घर में भी ले जाकर कई बार वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने युवती से सगाई के बाद शादी से इनकार कर दिया। आरोपी सरदारपुर सिविल कोर्ट में वकील है और उसका दूसरी युवती से इसी सप्ताह विवाह होना है। आरोपी के गांव नयापुरा भिलखेड़ी में विवाह की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। आरोपी की शादी का कार्ड मिलने के बाद वह शिकायत दर्ज कराने राजगढ़ थाने पहुंची। पीड़िता ने शिकायत में पुलिस को बताया कि करीब 6 साल पहले भूपेंद्र सिंह भूरिया ने उसे मैसेज कर संपर्क किया था, उस समय वह राजगढ़ में चाचा के घर रहकर बीए सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। बातचीत बढ़ने पर दोनों के बीच दोस्ती हो गई। आरोपी ने युवती के सामने शादी का प्रस्ताव रखकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

पीड़िता का आरोप- एमएलए हाउस में भी किया रेप

बिजनेस प्लस

हिंद पॉवर की भरोसेमंद क्वॉलिटी और कॉपर मोटर टेक्नालॉजी

मुंबई। आज के समय में ग्राहक केवल कम कीमत नहीं, बल्कि ऐसा प्रोडक्ट चाहता है जो लंबे समय तक टिके, बेहतर प्रदर्शन दे और बिजली की बचत भी करे। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए हिंद पॉवर उच्च गुणवत्ता और आधुनिक तकनीक वाले प्रोडक्ट्स पेश कर रहा है। पूरे भारत में हिंद पॉवर ही इकलौती ऐसी कंपनी है जो कॉपर मोटर में 42 मॉडल्स निकालती है, डोमेस्टिक रेंज से लेकर कमर्शियल रेंज तक। यह विविधता इसे बाजार में एक अलग और मजबूत पहचान देती है। हिंद पॉवर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी कॉपर मोटर टेक्नालॉजी है, जो इसे सामान्य मोटर्स से अलग बनाती है। कॉपर मोटर अधिक मजबूत, टिकाऊ और लंबे समय तक लगातार बेहतर प्रदर्शन देने में सक्षम होती है। यह जल्दी गर्म नहीं होती, जिससे इसकी कार्यक्षमता लंबे समय तक बनी रहती है और उपयोगकर्ता को बार-बार खराबी या रिपेयर की परेशानी से राहत मिलती है। इसके प्रमुख लाभों में लंबी लाइफ, कम बिजली खपत, बेहतर आउटपुट, कम मेंटेनेंस और भरोसेमंद उपयोग शामिल हैं।

डॉ. हेमंत शरद पांडे ने वेकोलि के सीएमडी का पदभार ग्रहण किया

नागपुर। डॉ. हेमंत शरद पांडे ने शुक्रवार 8 मई को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर वेकोलि के निदेशकगण, मुख्य सतर्कता अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। डॉ. हेमंत शरद पांडे को वेकोलि तथा एसईसीएल में 37 वर्षों का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। सीएमडी का पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे वेकोलि में निदेशक (मानव संसाधन) के पद पर कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संगठन में अनेक महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं डिजिटल सुधारों को गति दी। डॉ. पांडे ने नागपुर के विश्वश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने माइनिंग में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री तथा मैनेजमेंट विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि भी प्राप्त की है। प्रबंधन एवं नेतृत्व क्षमता को और सुदृढ़ करने हेतु उन्होंने यूरोप के प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूल 'ईएससीपी' में एडवांस्ड ग्लोबल टेक्नो-मैनेजमेंट प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा फ्रांस जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड, बेल्जियम एवं नीदरलैंड का अध्ययन दौरा किया। उन्होंने कनाडा के टोरंटो में आयोजित प्रॉस्पेक्टर्स एंड डेवेलपर्स एसोसिएशन सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया। डॉ. पांडे ने अपने व्यावसायिक करियर की शुरुआत वर्ष 1989 में कोल इंडिया लिमिटेड में माइनिंग इंजीनियर के रूप में की। वर्ष 2022 में उन्हें कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ महाप्रबंधक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पश्चिम मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक/ गति शक्ति / पश्चिम मध्य रेल भोपाल, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए उनके समक्ष दर्शाई गई दिनांक 05/06/2026 को 15:30 बजे तक ई-टेन्डर आमंत्रित करते है, जो उसी दिनांक को 15:30 बजे खोली जायेगी। संपूर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं उप मुख्य अभियंता/ गति शक्ति/ पश्चिम मध्य रेल भोपाल के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है। इस टेन्डर के लिये कोई मैन्युअल ऑफर मान्य नहीं है तथा ऐसा कोई मैन्युअल ऑफर प्राप्त होता है, तो भी वह मान्य नहीं किया जायेगा। इस निविदा में कोई आवश्यक संशोधन, यदि जरूरी हो, तो वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा, तथा इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाया जायेगा। जिसे टेन्डर खुलने के दिन तक देखा जा सकता है। (1) **निविदा सूचना संख्या:** CPM-GSU-BPL-T-5-2026, **दिनांक:** 07.05.2026 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल डिवीजन के प्रोजेक्ट मेनेजर/गति शक्ति/भोपाल क्षेत्र में गुना बाईपास लाइन के संबंध में मौजूदा गेल गैस पाइपलाइन के ऊपर बैलास्टेड डेक स्लैब वाले एक प्रमुख पुल के लिए 1x65 मीटर ओपन वेब गर्डर का निर्माण। **निविदा की अनुमानित लागत:** ₹ 23,38,37,927.21/- **निविदा की बयाना राशि:** ₹ 46,76,800/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** निल **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 05.06.2026.

उप मुख्य अभियंता (गति शक्ति), प.म.रे., भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

ई:निविदा सूचना सं एस.जी.664-03-संकेत-2026-27 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई:निविदा आमंत्रित की जाती है। **(1) कार्य का नाम :** धनबाद मंडल के एएसटीई/डीटीओ, के अंतर्गत खंड में दोषपूर्ण सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T) केबलों, सड़े/जर्जर लोकेशन बॉक्स, अधिक आयु वाले ट्रैक रिले तथा अन्य उपकरणों का प्रतिस्थापन हेतु **(2) कार्य का आकलित मूल्य:** रु. 6,94,75,428.47 (लगभग) **(3) कार्य का अग्रधन राशि:** रु. 13,89,500.00 **(4) निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 28.05.2026 (12:30 बजे) **(5)** ऐसी ई: निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य:- प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट: http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। वरीय मंण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0193/डीएचएन/एसएण्डटी/टी/26-27/44

न कॉल, न कोई ओटीपी पटवारी के खाते से उड़े 2.93 लाख रुपए

जागरण, रतलाम। जिले के काटजू नगर में साइबर ठगों ने एक पटवारी के बैंक खाते से बिना किसी ओटीपी और कॉल के 2.93 लाख रुपए निकाल लिए। पटवारी अशोक योगी के एसबीआई खाते से 27 से 29 अप्रैल के बीच तीन अलग-अलग ट्रांजैक्शन में यह राशि ट्रांसफर की गई है। 30 अप्रैल को जब उन्होंने अपना बैंक बैलेंस चेक किया, तब उन्हें इस पूरी ठगी की जानकारी मिली। ठगी के शिकार पटवारी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने किसी से न तो ओटीपी साझा किया था और न ही किसी को अपनी बैंक डिटेल दी थी। उन्होंने मार्च महीने में पारिवारिक जरूरतों के लिए जीपीएफ से 5 लाख रुपए निकालकर इस खाते में जमा किए थे। शिकायत मिलने के बाद थाना औद्योगिक पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साइबर एक्सपर्ट के अनुसार, इस तरह की ठगी मोबाइल हैकिंग या रिमोट एक्सेस के जरिए की जाती है। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने से ठगों को मोबाइल का कंट्रोल मिल जाता है और फिर वे आसानी से रकम उड़ा लेते हैं। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से उन खातों और माध्यमों की तकनीकी जानकारी जुटा रही है, जिनमें ठगी की यह रकम ट्रांसफर की गई है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रतलाम (म.प्र.)

क्रमांक/243/ज.प्र./2026 — रतलाम, दिनांक 05.05.2026

:: ई-निविदा आमंत्रण ::

नगर पालिक निगम रतलाम द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रण की जाती है जिसकी विस्तृत जानकारी ऑनलाईन वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है:-

क्र	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	505327	Construction of Boundary wall, Shop and Paver block at Goushala OHT Campus Ratlam as per Estimate and Condition (प्रथम आमंत्रण)	1-120 Days 2- 28,65,500/-	1- 5,000/- 2- 50,000/-	1- 04/06/2026 15:30

नोट :- निविदा से संबंधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जलप्रदाय
नगर पालिक निगम, रतलाम

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

क्रमांक / / खनिज / 2026 — भोपाल, दिनांक / /2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री राम जीवन मीना आ. श्री आशाराम मीना निवासी- व्यंजन ढाबा मीनेश ब्रेडस तहसील हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 16.04.2026 को प्रस्तुत किया गया है। उक्त क्षेत्र पर प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस तक की अवधि तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगें ।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	हुजूर	शाहपुर	239/222 (एस)	47.680 हे0 मे से 2.000	शासकीय	मुरूम	भाग रकबा 2.000 हे.

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं ।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म. प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगें। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा ।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज)
जिला भोपाल

जी-12621/26

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

एयू स्मॉल फाइनेन्स बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक)

AU SMALL FINANCE BANK — A SCHEDULED COMMERCIAL BANK

रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-ए, धूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर-302001 (CIN: L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV [देखें नियम 8(1) कब्जा सूचना]

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनगर्ठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002"(2002 का 54) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 13 (12) का सपठित नियमों के नियम 3 के तहत प्रदत शक्तियों

ऋणी / सहऋणी / बंधककर्ता / गारन्टर / ऋण खाता संख्या	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	स्थावर सम्पत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख
(ऋण खाता संख्या) L9001060130158751 एवं L9001060840239644, मैसर्स कैलाश पशु आहार (ऋणी), कैलाश (सहऋणी), श्रीमती कला बाई (सहऋणी)	13 नवम्बर 25 Rs. 4,13,707/- चार लाख तेरह हजार सात सौ सात रुपए मात्र एवं Rs. 3,77,793/- तीन लाख सतहत्तर हजार सात सौ तिरानवे रुपए मात्र, 10 नवम्बर 25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पी.एच. नं. 06, मकान नं. 20 B, वार्ड नं. 03, ग्राम कोलूखेड़ा, मेन रोड, तहसील- खुजनेर, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 2583 वर्ग फीट, पूर्व- स्थानीय रास्ता, पश्चिम- भरत सिंह का मकान, उत्तर- जगदीश का मकान, दक्षिण- चंदर सिंह का मकान	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060133895541, मैसर्स विशाल इलेक्ट्रॉनिक (ऋणी), श्रीमती सरिता चौबे (सहऋणी), मोहन चौबे (सहऋणी)	19 जनवरी 26 Rs. 14,51,254/- चौदह लाख इक्यावन हजार दो सौ चौवन रुपए मात्र, 17 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित वार्ड नं. 09, पी.एच. नं. 46, राणा प्रताप वार्ड बनापुरा, आबादी भूमि चंद्रशेखर आजाद वार्ड, सीवनी मालवा, जिला- होशंगाबाद, मध्य प्रदेश 461223, क्षेत्रफल 1080 वर्ग फीट	06 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060127319570, मैसर्स बालाजी किराना स्टोर (ऋणी), श्रीमती राजन बाई (सहऋणी), नैनसिंह (सहऋणी), सुल्तान सिंह (सहऋणी)	19 जनवरी 26 Rs. 4,14,368/- चार लाख चौदह हजार तीन सौ अड़सठ रुपए मात्र, 17 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 114, पी.एच. नं. 47 पुराना 17, ग्राम सरेड़ी, तहसील एवं जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 2400 वर्ग फीट, पूर्व- गली एवं रास्ता, पश्चिम- देवीसिंह का मकान, उत्तर- स्थानीय रास्ता, दक्षिण- मांगीलाल का मकान	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060140933676, मैसर्स सचिन किराना एंड जनरल स्टोर (ऋणी), प्रेमसिंह वर्मा (सहऋणी), सचिन वर्मा (सहऋणी), श्रीमती निर्मला बाई (सहऋणी)	19 जनवरी 26 Rs. 8,75,864/- आठ लाख पचहत्तर हजार आठ सौ चौंसठ रुपए मात्र, 17 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 03, वार्ड नं. 07, पी.एच. नं. 24, ग्राम बांसखेड़ा, तहसील - खुजनेर, जिला - राजगढ़, मध्य प्रदेश, 465687, क्षेत्रफल 7578 वर्ग फीट, पूर्व- बाबू का मकान, पश्चिम- मोहम्मद मंसूरी की भूमि, उत्तर- देवी सिंह का मकान एवं स्थानीय रास्ता, दक्षिण- कन्हैयालाल का मकान एवं स्थानीय रास्ता एवं माता जी का स्थान	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060135163708, मैसर्स फूल सिंह किराना स्टोर (ऋणी), फूल सिंह (सहऋणी), श्रीमती रेखा बाई (सहऋणी), सुमित चौहान (सहऋणी)	21 जनवरी 26 Rs. 7,10,364/- सात लाख दस हजार तीन सौ चौंसठ रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 37, पी.एच. नं. 14, ग्राम पंचायत मुरारिया, तहसील -खुजनेर, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश, 465661, क्षेत्रफल 2040 वर्ग फीट, पूर्व- स्थानीय रास्ता, पश्चिम- गजराज का मकान, उत्तर- ललित जी का मकान, दक्षिण- नंदलाल का मकान	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060142245890, मैसर्स श्री राम कृषि सेवा केंद्र (ऋणी), गोविंद रुहेला (सहऋणी), श्रीमती गीता बाई (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 13,80,375/- तेरह लाख अस्सी हजार तीन सौ पचहत्तर रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित सर्वे नं. 346 1/1, पी.एच. नं. 120, ग्राम महाबल, तहसील एवं जिला - राजगढ़, मध्य प्रदेश, 465674, क्षेत्रफल 2500 वर्ग फीट, पूर्व- विक्रेता की भूमि, पश्चिम- रोड, उत्तर- लखन यादव का मकान, दक्षिण- विक्रेता की भूमि	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060144672140, मैसर्स बालाजी सर्विस सेंटर भोजपुर (ऋणी), कालू (सहऋणी), श्रीमती संजू बाई (सहऋणी), लखन (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 3,02,045/- तीन लाख दो हजार पैंतालीस रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 433, 491, मकान नं. 121, ग्राम भोजपुर, खिलचीपुर, जिला - राजगढ़, मध्य प्रदेश, 465679, क्षेत्रफल 432 वर्ग फीट, पूर्व- रतनलाल का मकान, पश्चिम- रतनलाल का मकान, उत्तर- आम रास्ता, दक्षिण- मदन की भूमि	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060130774308, मैसर्स सोंधिया ट्रेडर्स (ऋणी), कृष्णलाल (सहऋणी), श्रीमती गुड्डी बाई (सहऋणी), श्रीमती बल्लभ बाई (सहऋणी), कुमेर सिंह (सहऋणी)	22 जनवरी 26 Rs. 12,13,422/- बारह लाख तेरह हजार चार सौ बाईस रुपए मात्र, 19 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित एच.एन. 22, पी.एच.एन. 109, ग्राम डूंगरपुर, तहसील एवं जिला - राजगढ़, मध्य प्रदेश, 465661, क्षेत्रफल 5928 वर्ग फीट, पूर्व- विजय सिंह जी का मकान, पश्चिम- भगवान सिंह जी की खुली भूमि, उत्तर- स्थानीय रास्ता, दक्षिण- कृष्णलाल जी की खुली भूमि	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060142801908, मैसर्स महाकाल वेल्डिंग एंड किराना स्टोर जरिए प्रोपराइटर मानसिंह विश्वकर्मा (ऋणी), मानसिंह (सहऋणी एवं स्वर्गीय श्रीमती शीला बाई के विधिक उत्तराधिकारी- सहऋणी), घीसालाल (सहऋणी एवं स्वर्गीय श्रीमती शीला बाई के विधिक उत्तराधिकारी- सहऋणी), देवराज (सहऋणी एवं स्वर्गीय श्रीमती शीला बाई के विधिक उत्तराधिकारी- सहऋणी)	28 जनवरी 26 Rs. 12,66,326/- बारह लाख छियासठ हजार तीन सौ छब्बीस रुपए मात्र, 27 जनवरी 26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 12, पी.एच. नं. 49, वार्ड नं. 04, ग्राम बरखेड़ा जागीर, तहसील एवं जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 1368 वर्ग फीट	05 मई 26
(ऋण खाता संख्या) L9001060125217850, मैसर्स शुभम कम्प्यूटर एण्ड फोटोकॉपी (ऋणी), श्रीमती सुनीता सेन (सहऋणी), शुभम सेन (सहऋणी), राधेश्याम सेन (सहऋणी)	08-अक्टूबर-25 Rs. 2,11,389/- दो लाख ग्यारहहजार तीन सौ नवासी रूपये मात्र 06-अक्टूबर-25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 57/1, पीएच नं. 71, सर्वे नं. 311/1, वार्ड नं. 08, ग्राम खजूरिया, तहसील आष्टा, जिला सिहोर, मप्र क्षेत्रफल 450 वर्गफीट, पूर्व: भैरू सिंह का मकान, पश्चिम: आम रास्ता, उत्तर: आम रास्ता, दक्षिण: आम रास्ता	07-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060140273936, मैसर्स चन्दर ट्रेडिंग (ऋणी), श्रीमती सवित्रा (सहऋणी), चन्दर सिंह ठाकुर (सहऋणी), गब्बू सिंह (सहऋणी)	13-नवम्बर-25 Rs. 9,96,931/- नौ लाख छियानवे हजार नौ सौइकतीस रूपये मात्र 10-नवम्बर-25 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 102, पीएच नं 31 सरल नं. 816, ग्राम भाउखेडा, भोपाल रोड, तहसील जावड, जिला सिहोर, मप्र क्षेत्रफल 3828 वर्गफीट, पूर्व: मैन रोड, पश्चिम: स्वयं का अनिर्मित मकान, उत्तर: मोहर सिंह का मकान, दक्षिण: दया राम का मकान	07-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060123853477, रघुवीर सिंह (ऋणी), श्रीमती बबीता ठाकुर (सहऋणी), चेतन सिंह (सहऋणी)	09-जनवरी-26 Rs. 2,43,473/- दो लाख तेतालीस हजार चार सौ तिहत्तर रूपये मात्र 07-जनवरी-26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 20, कॉर्नर, पीएच नं. 30 ग्राम पंचायत पिपलिया सलारसी, वार्ड नं. 04 ग्राम आष्टा, जिला सिहोर, मप्र 466221, क्षेत्रफल 1634 वर्गफभ्ट	07-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060124115822, सवाई सिंह (ऋणी), श्रीमती कोमल देवी (सहऋणी)	19-जनवरी-26 Rs. 3,12,522/- तीन लाख बारह हजार पांच सौ बाईस रूपये मात्र 17-जनवरी-26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पीएच नं. 22, मकान नं. 733, सरल नं. 909, ग्रासम मेहतवाडा, तहसील जावड, जिला सिहोर, मप्र 466118 क्षेत्रफल 1456 वर्गफीट, पूर्व: कृपा सिंह का मकान, पश्चिम: सुरेन्द्र सिंह का मकान, उत्तर: विक्रम सिंह का मकान, दक्षिण: रास्ता	07-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060834613842, मैसम्र सवाई ट्रेडर्स जरिये प्रोपराइटर सवाई सिंह (ऋणी), सवाई सिंह (सहऋणी), श्रीमती कोमल देवी (सहऋणी)	19-जनवरी-26 Rs. 4,30,547/- चार लाख तीस हजार पांच सौ सैतालीस रूपये मात्र 17-जनवरी-26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पीएच नं. 22, मकान नं. 733, सरल नं. 909, ग्राम मेहतवाडा, तहसील जावड, जिला सिहोर, मप्र क्षेत्रफल 466118 क्षेत्रफल 1456 वर्गफीट, पूर्व: कृपाल सिंह का मकान, पश्चिम: सुरेन्द्र सिंह का मकान, उत्तर: विक्रम सिंह का मकान, दक्षिण: रास्ता	07-मई-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060142066421, मैसर्स मनोहर ट्रेडर्स (ऋणी), मनोहर सिह (सहऋणी), श्रीमती भूरी बाई (सहऋणी), शुभम सिंह (सहऋणी)	22-जनवरी-26 Rs. 4,47,676/- चार लाख सैंतालीस हजार छ: सौ छिहत्तर रूपये मात्र 19-जनवरी-26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित मकान नं. 18, वार्डन. 17, पीएच नं. 01 ग्राम बीसूखेडी, तहसीजल जावड, जिला सिहोर, मप्र इण्डिया 466221 क्षेत्रफल 68.88 वर्गगज, पूर्व: खुली भूमि एवं रोड एवं मंदिर, पश्चिम: धर्मेन्द्र सिंह का मकान, उत्तर: भगवान सिंह का मकान/प्लॉट, दक्षिण: रास्ता	07-मई-26

ऋणियों द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणियों को तथा सामान्य जन कों एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में उपरोक्त तालिका में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ग्रहण कर लिया है।

ऋणियों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के साथ सपठित नियम 8(6) की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसके अन्तर्गत प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय अर्थात इस सूचना से 30 दिवस के सम्बन्ध में है।

ऋणियों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त तालिका में वर्णित राशि तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक "एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड" (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।

दिनांक: 08.05.2026
स्थान: भोपाल, मप्र

प्राधिकृत अधिकारी
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

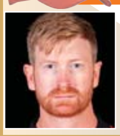

क्लासेन (हैदराबाद)	494
अभिषेक (हैदराबाद)	475
केएल राहुल (दिल्ली)	468

पर्पल कैप (गेंदबाज)

रबाडा (गुजरात)	18
भुवनेश्वर (बेंगलुरु)	17
अंशुल कंबोज (चेन्नई)	17

बाउंड्री मीटर

979 छक्के

1597 चौके

101 अर्धशतक

जोफ्रा आर्चर ने अपने पहले ओवर में कुल 11 गेंदें डालीं, जिसमें चार वाइड और एक नो-बॉल शामिल रही। इस ओवर में 18 रन खर्च किए।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
हैदराबाद	11	7	4	14	0.737
गुजरात	11	7	4	14	-0.228
पंजाब	10	6	3	13	0.571
बेंगलुरु	10	6	4	12	1.234
राजस्थान	11	6	5	12	0.082
चेन्नई	10	5	5	10	0.151
कोलकाता	10	4	5	9	-0.169
दिल्ली	11	4	7	8	-1.154
मुंबई	10	3	7	6	-0.649
लखनऊ	10	3	7	6	-0.934

मैच 52: गुजरात ने राजस्थान को उसके घर में 77 रन से हराया, अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया

सबसे बड़ी जीत के साथ गुजरात टॉप-2 में

प्लेयर ऑफ द मैच
राशिद खान
04 विकेट

जेएनएन, जयपुर

कप्तान शुभमन गिल की 84 रन की विस्फोटक पारी और साई सुदर्शन के शानदार अर्धशतक के बाद राशिद खान (33 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 52वें मैच में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से शिकस्त देकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। टाइटंस ने मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर चार विकेट पर 229 रन बनाने के बाद रॉयल्स की पारी को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस बड़ी जीत से टाइटंस की टीम अपना नेट रन रेट सुधारने में सफल रही। टीम की यह 11 मैचों में सातवीं जीत है और वह 14 अंक के साथ तालिका में पांचवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रॉयल्स इतने ही मैचों में पांचवीं हार के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गई है। वहीं आईपीएल में गुजरात की यह रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2022 में पुणे में लखनऊ को 62 रन से शिकस्त दी थी। राशिद को गेंदबाजी में जेसन होल्डर (12 रन पर तीन विकेट) और कागिसो रबाडा (33 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। रॉयल्स के लिए रवींद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38, वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों में 36 और ध्रुव जुरेल ने 10 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया। सिराज और रबाडा ने ही पूरे पावरप्ले में गेंदबाजी की और वे बिना बदलाव के लगातार चार आईपीएल मैचों में पावरप्ले में गेंदबाजी करने वाली पहली जोड़ी बने। 2008 में मनप्रीत गोनी और अल्बी मोर्कल ने सीएसके के लिए 2019 में हरभजन सिंह और दीपक चाहर ने भी सीएसके के लिए लगातार तीन मैचों में ऐसा किया था।

वैभव सूर्यवंशी के तेज 100 छक्के पूरे

लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यवंशी ने शुरुआती दो ओवरों में सिराज और रबाडा के खिलाफ छक्के जड़कर रॉयल्स को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने सिराज के खिलाफ तीसरे ओवर में भी तीन चौके जड़े, लेकिन इस अनुभवी गेंदबाज की बाउंसर पर हवा में शॉट खेल बैठे और अरशद खान ने आसान कैच पूरा किया। सूर्यवंशी ने टी-20 में अपने 100 छक्के पूरे किए। वह सबसे कम 29 पारियों और सबसे कम 514 गेंदों में 100 टी-20 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने। यशस्वी जायसवाल (तीन) अगले ओवर में ही रबाडा की गेंद पर कैच दे बैठे। इन विकेटों का हालांकि जुरेल पर कोई असर नहीं हुआ और उन्होंने सिराज के खिलाफ तीन छक्के और एक चौका जड़कर पांचवें ओवर से 22 रन बटोरे। रबाडा ने हालांकि दूसरे छोर से शिमरोन हेटमायर (छह) को सस्ते में चलता कर रॉयल्स को तीसरा झटका दिया। जडेजा ने क्रीज पर आते ही छक्का और चौका जड़ा, जिससे पावरप्ले में राजस्थान ने तीन विकेट पर 78 रन बना लिए।

- साई सुदर्शन-शुभमन गिल ने पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 82 रन जोड़े। यह गुजरात का संयुक्त रूप से सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है।
- गिल-सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी निभाई। यह दोनों की नौवीं शतकीय साझेदारी रही। इस मामले में उन्होंने विराट कोहली और क्रिस गेल की जोड़ी की बराबरी कर ली। इस सूची में सिर्फ कोहली और एबी डिविलियर्स की जोड़ी उनसे आगे है, जिन्होंने 10 बार शतकीय साझेदारी निभाई है।
- बतौर ओपनिंग जोड़ी गिल और सुदर्शन ने छठी बार 100 से ज्यादा रन जोड़े। उन्होंने डेविड वॉर्नर-शिखर धवन और अभिषेक शर्मा-ट्रेविस हेड की जोड़ी की बराबरी कर ली। आईपीएल में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी करने वाली सलामी जोड़ियों में अब यह जोड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गई है।
- गुजरात का यह आईपीएल इतिहास में चौथा सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि पहली पारी के आधार पर टीम का तीसरा सर्वोच्च स्कोर रहा।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस: 229/4 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
साई सुदर्शन का. आर्चर बो. यश	55	36	6	2
शुभमन गिल का. तुषार बो. बृजेश	84	44	9	3
जॉस बटलर का. फरेरा बो. जडेजा	13	10	9	1
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	37	20	2	3
होल्डर का. यशस्वी बो. बृजेश	7	7	1	0
राहुल तेवतिया नाबाद	14	4	0	2

अतिरिक्त: 19, **कुल:** 20 ओवर में चार विकेट पर 229 रन, **विकेट पतन:** 1-118, 2-150, 3-185, 4-205, **गेंदबाजी:** आर्चर 3-0-46-0, तुषार देशपांडे 4-0-52-0, बृजेश शर्मा 4-0-47-2, यश पुंजा 4-0-37-1, जडेजा 4-0-34-1, फरेरा 1-0-11-0.

राजस्थान रॉयल्स: 152/10 (16.3 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का. सिंधू बो. रबाडा	3	4	0	0
सूर्यवंशी का. अरशद बो. सिराज	36	16	3	3
ध्रुव जुरेल बो. राशिद	24	10	1	3
हेटमायर का. होल्डर बो. रबाडा	6	7	1	0
जडेजा पगाबाधा बो. राशिद	38	25	3	2
डॉनोवन फरेरा बो. राशिद	4	2	1	0
शुभम दुबे बो. राशिद	15	14	1	1
शानका का. गिल बो. होल्डर	16	11	2	0
आर्चर का. बटलर बो. होल्डर	5	6	1	0
देशपांडे का. सुंदर बो. होल्डर	1	3	0	0
बृजेश शर्मा नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्त: 3, **कुल:** 16.3 ओवर में 152 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-38, 2-40, 3-68, 4-87, 5-91, 6-115, 7-136, 8-141, 9-151, 10-152, **गेंदबाजी:** सिराज 4-0-55-1, कगिसो रबाडा 3-0-33-2, साई किशोर 1-0-8-0, राशिद खान 4-0-33-4, वॉशिंगटन सुंदर 2-0-10-0, जेसन होल्डर 2.3-0-12-3.

डबल हेडर आज: दिन में सीएसके की भिड़ंत लखनऊ से, शाम को आरसीबी का सामना मुंबई से

प्लेऑफ की उम्मीद जीवंत रखने उतरेगी सीएसके

जेएनएन, चेन्नई

आईपीएल 2026 के एक और डबल हेडर के पहले मैच में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स अपने घर में लखनऊ सुपर जाएंट्स को होस्ट करने के लिए तैयार है। पिछले मैच में घर पर मिली जीत के बाद लखनऊ का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा, लेकिन सीएसके भी शानदार लय में चल रही है। अंकतालिका में सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ के लिए प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन छठे स्थान पर काबिज सीएसके के लिए एक भी हार उनका काम बिगाड़ सकती है। महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने हालांकि नेट पर अभ्यास किया है, लेकिन उन्हें अभी तक अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली है।

हेड टू हेड : दोनों टीमों के बीच आईपीएल में अब तक छह मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें लखनऊ ने तीन और सीएसके ने दो मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा। चेन्नई में दोनों टीमें दो बार आमने सामने आई हैं और यहां दोनों ने एक-एक मैच जीता है। पिछले सीजन सीएसके ने मुकाबला अपने नाम किया था, लेकिन 2024 में चेन्नई में हुई आखिरी भिड़ंत में लखनऊ ने जीत दर्ज की थी।

- इस सीजन में 17वें से 20वें ओवर के बीच सीएसके के बल्लेबाजों ने लगातार तेज रन बनाए हैं। जेमी ओवर्टन का स्ट्राइक रेट 154, शिवम दुबे का 176 और कार्तिक शर्मा का 171 रहा है। वहीं तीनों बल्लेबाज हर तीन से चार गेंद में एक बाउंड्री लगाने में सफल रहे हैं।

मुंबई बनाम आरसीबी: रायपुर में रोहित-विराट की नजरें रिकॉर्ड पर

रायपुर, जेएनएन। डबल हेडर के दूसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की भिड़ंत मुंबई इंडियंस से होगी। आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच हार गई है, जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है। वहीं मुंबई 10 मैचों में तीन जीत के साथ नौवें नंबर पर काबिज है। रोहित शर्मा और विराट कोहली रायपुर में अपना 278वां आईपीएल मैच खेलेंगे और इस मामले में महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर लेंगे। आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल धोनी के नाम है, जिन्होंने 278 मुकाबले खेले हैं। रोहित और विराट अभी 277 मैचों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि रवींद्र जडेजा 264 मैचों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

हेड टू हेड: मुंबई का आरसीबी पर पलड़ा भारी रहा है, लेकिन पिछले कुछ सीजन में आरसीबी ने शानदार वापसी की है। 2021 के बाद से आरसीबी ने आठ में से छह मुकाबले जीते हैं।

अब्बास के पांच विकेट, डेब्यू मैच में अजान का अर्धशतक

बांग्लादेश के पहली पारी में 413 रन, पाक का स्कोर 179/1

ढाका, जेएनएन। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास और सलामी बल्लेबाज अजान अवैस के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन स्टंप तक एक विकेट पर 179 रन बना लिए। बांग्लादेश ने दूसरे दिन की शुरुआत चार विकेट पर 301 रन से की। लेकिन अब्बास के 92 रन देकर पांच विकेट के शानदार प्रदर्शन से मेजबान टीम 413 रन पर ऑल आउट हो गई। अजान ने इस मैच से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की है। वह 85 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं, जिससे पाकिस्तान की टीम अच्छी शुरूआत करने में सफल रही।

वहीं उनके साथ पदार्पण करने वाले दूसरे खिलाड़ी अब्दुल्ला फजल 37 रन बनाकर खेल रहे हैं।

क्रिकेटर यशस्वी और शेफाली को नाडा का नोटिस

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को पिछले साल निर्धारित डोप परीक्षण के लिए उपलब्ध न होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने नोटिस जारी किया है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) का हिस्सा रहे दोनों खिलाड़ियों ने परीक्षण के लिए उपलब्ध नहीं रहने के कारण नहीं बताए हैं। इस कारण उन्हें नोटिस जारी किए गए। सूत्रों के अनुसार संबंधित खिलाड़ियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और इसकी सूचना बीसीसीआई और आईसीसी को भी दे दी गई है। नाडा ने हालांकि गोपनीयता का हवाला देते हुए इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

मैदान से हटकर

फर्नांडीस और 'बनी' शॉ साल के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस को फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकारों ने इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना, जबकि मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खादिजा 'बनी' शॉ ने दूसरी बार महिलाओं का पुरस्कार जीता। इंग्लैंड में फुटबॉल का सत्र, जबकि अंतिम दौर में चल रहा है, तब फर्नांडीस ने फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन द्वारा दिए जाने वाला यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 19 गोल करने में मदद की, जो कि रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। उन्होंने टीम को चैंपियंस लीग में जगह दिलाने में भी मदद की। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने आर्सेनल के डेक्लान राइस और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड को पीछे छोड़ा। वह 2010 में वायने रूनी के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी हैं। यह पुरस्कार 1947 से दिया जा रहा है और इस प्रकार यह दुनिया का सबसे पुराना व्यक्तिगत फुटबॉल पुरस्कार है। (जेएनएन)

- शॉ ने आर्सेनल की एलेशिया रूसो और चेल्सी की लॉरेन जेम्स को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्होंने 21 मैचों में सबसे अधिक 19 गोल करके मैनचेस्टर सिटी को 10 साल में पहली बार महिला सुपर लीग का खिताब दिलाया। शॉ ने 2024 में भी यह पुरस्कार हासिल किया था।

शतरंज: गुकेश जीत के साथ ब्लिट्ज वर्ग में पांचवें स्थान पर

वारसॉ (पोलैंड), जेएनएन। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ब्लिट्ज वर्ग में खराब शुरुआत के बाद वापसी करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के नौवें दौर में पोलैंड के जान क्रिस्तोफ डुडा पर शानदार जीत दर्ज की। गुकेश ने रैपिड वर्ग में 18 में से नौ अंक जुटाए। उन्होंने शुरुआती नौ ब्लिट्ज दौर से चार और अंक हासिल किए, जिससे टूर्नामेंट के आधे चरण में उनके 27 में से 13 अंक हो गए हैं। अमेरिका के हैंस मोके नीमन पहले दिन के खराब प्रदर्शन के बावजूद तालिका में शीर्ष पर बरकरार हैं। नीमन 16.5 अंक से हमवतन वेस्ली सो से आधा अंक आगे हैं। वहीं अमेरिका के तीसरे खिलाड़ी फैबियानो कारुआना स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ 15-15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश दो अंक पीछे अगले स्थान पर हैं। फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव 12.5 अंक लेकर डुडा के साथ छठे स्थान पर हैं।

आर्चरी वर्ल्ड कप: जाधव ने दिलाया भारत को पहला पदक

शंघाई, जेएनएन। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया। इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे। भारत अब रविवार को प्रतियोगिता के समापन दिवस पर रिकर्व स्पर्धा में दो और पदक जीतने की कोशिश करेगा। भारतीय महिला टीम स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। इसके अलावा सिमरनजीत कौर सेमीफाइनल से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

विनेश फोगाट को नोटिस, 26 जून तक घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेल सकती

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विनेश फोगाट पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए शनिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया और यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी के लिए छह महीने का अनिवार्य नोटिस नहीं देने के कारण 26 जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंटों में उनके भाग लेने पर रोक लगा दी। 15 पेज के नोटिस में डब्ल्यूएफआई ने आरोप लगाया कि विनेश के आचरण से देश को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है, भारतीय कुश्ती की छवि खराब हुई है, डब्ल्यूएफआई संविधान के प्रावधानों, यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के नियमों और डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन हुआ है। महासंघ ने उनसे चार प्रमुख आरोपों पर सफाई मांगी है, जिसमें 2024 पेरिस ओलंपिक से अयोग्य करार दिए जाने, डोपिंग रोधी नियमों के तहत ठौर ठिकाना बताने में कथित तौर पर नाकाम रहने और आईओए द्वारा नियुक्त तत्कालीन तदर्थ समिति द्वारा मार्च 2024 में कराए गए ट्रायल में दो भार वर्गों में भाग लेना शामिल है। महासंघ ने साफ तौर पर कहा है कि वह इस साल 26 जून तक किसी घरेलू टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकती, जिसमें गोंडा में 10 से 12 मई तक होने वाला राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट शामिल है।

खेल एक नजर

एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 30 देश के खिलाड़ी लेंगे भाग

अहमदाबाद, जेएनएन। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने शनिवार को बताया कि विश्व और ओलंपिक पदक विजेताओं सहित 30 देशों के खिलाड़ी 11 से 17 मई तक गांधीनगर में आयोजित होने वाली 2026 एशियाई सीनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि भारत की स्टार भारोत्तोलक और ओलंपिक रजत पदक विजेता साइखोम मीराबाई चानू चोट के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगी। इस आयोजन में भारत सहित 28 एशियाई देशों के भारोत्तोलक हिस्सा लेंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी भी अतिथि देश के तौर पर प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। यह महाद्वीपीय चैंपियनशिप गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित की जाएगी और यह ग्लासगो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालिफायर के रूप में भी काम करेगी।

सिटी स्पोर्ट्स

मध्यप्रदेश के सूरज ने लगाया स्वर्ण और रजत पर निशाना

24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश निशानेबाजी अकादमी के खिलाड़ी सूरज शर्मा ने 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति चैम्पियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक पर निशाना लगाया। चैंपियनशिप में सूरज ने जूनियर पुरुष वर्ग की स्पर्धा में 28 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं हरियाणा के समीर गुलिया ने 27 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि चंडीगढ़ के यूनिश होलिंडर ने 20 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। रेलवे के ओलंपियन अनीश भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। वहीं सूरज ने 28 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि पंजाब के विजयवीर सिद्धू ने शूटऑफ के बाद 25 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

भोपाल लेपर्ड्स ने शुरू की एमपीएल की तैयार

भोपाल, खेप्र। गत विजेता भोपाल लेपर्ड्स ने आगामी मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग 2026 सीजन के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। भोपाल लेपर्ड्स के खिलाड़ी श्रुस्बरी इंटरनेशनल स्कूल के फ्लडलाइट क्रिकेट ग्राउंड और जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी की हाई परफॉर्मेंस सुविधाओं पर अभ्यास कर रहे हैं। कैंप में खिलाड़ियों की फिटनेस, मैच सिमुलेशन, स्किल डेवलपमेंट और टीम कॉम्बिनेशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे पहले अप्रैल 2026 में आयोजित एमपीएल 2026 ऑक्शन में फ्रेंचाइजी ने अपनी चैम्पियन टीम के चार प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन किया था। टीम की कमान स्टार खिलाड़ी अरशद खान के पास है, जो इस समय आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम का मुख्य हिस्सा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में विस्फोटक बल्लेबाज अनिकेत वर्मा है, जो वर्तमान में आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम के हेड कोच बृजेश तोमर के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं।

समद के शतक से जीती भोपाल क्रिकेट अकादमी

भोपाल, खेप्र। भोपाल क्रिकेट अकादमी ने 14वें स्व. अरविंद चतुर्वेदी क्रिकेट टूर्नामेंट 'रमेश शर्मा गुड्डू भैया ट्रॉफी' में अंकुर क्रिकेट अकादमी को 37 रन से शिकस्त दी। ओल्ड कैंपियन मैदान पर भोपाल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 284 रन बनाए। समद ने 119 रन की शतकीय पारी खेली। हर्ष साहू ने 30 रन बनाए। अंकुर अकादमी की ओर से रुद्र प्रताप और अमित शुक्ला ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अकीरा क्रिकेट अकादमी 247 रन बना पाई। उसके लिए कप्तान हर्श मनवानी की 133 रन की शतकीय पारी बेकार गई। आर्यन सिंह राजपूत (53) ने अर्धशतक जड़ा। भोपाल क्रिकेट अकादमी के हर्ष भट्ट ने तीन, जबकि सचिन और समद ने 2-2 विकेट लिए।

संक्षिप्त समाचार

उप्र में मंत्रिमंडल विस्तार आज, 6 मंत्री लेंगे शपथ

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चल रहीं अटकलों पर विराम लग सकता है। सूत्रों के मुताबिक रविवार (10 मई) को यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। जो छह मंत्री आज शपथ ले सकते हैं उनके नाम भी सामने आए हैं। दरअसल, अभी उत्तर प्रदेश में 6 मंत्रियों की जगह खाली है। उत्तर प्रदेश में इस वक्त 54 मंत्री हैं। विस्तार के बाद कैबिनेट में कुल 60 मंत्री हो सकते हैं। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में विस्तार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। इनमें कृष्णा पासवान, सपा की बागी विधायक पूजा पाल, मनोज पाण्डे, भूपेंद्र चौधरी, अशोक कटारिया और रोमी साहनी का नाम शामिल है। इन लोगों के नाम सामने आने के बाद अब मंत्रिमंडल विस्तार संभव माना जा रहा है।

केदारनाथ: खराब मौसम के कारण 4000 बुकिंग रद्द

देहरादून, जेएनएन। केदारनाथ जाने के लिए हेली सेवाओं पर खराब मौसम के चलते बार-बार असर पड़ रहा है। अब तक 4 हजार से ज्यादा हेलिकॉप्टर बुकिंग रद्द कर दी गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूकाडा) को सख्त निर्देश दिए हैं कि खराब मौसम में कोई भी उड़ान पहाड़ों पर ना जाए। डीजीसीए ने केदारनाथ यात्रा शुरू होने से दो महीने पहले ही हेली यात्रा संबंधित गाइडलाइन पर सख्ती से अमल करने के निर्देश दिए थे। 2025 में चारधाम यात्रा में 5 हेली हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस बार डीजीसीए ने यूकाडा को कोई भी रिस्क लेने से मना किया है।

हंता से डरने की जरूरत नहीं: एम्स प्रोफेसर

नई दिल्ली, जेएनएन। एम्स दिल्ली के मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर डॉक्टर नीरज निश्चल ने शनिवार को कहा कि हंतावायरस से डरने की जरूरत नहीं है, हमारे देश में अब तक कोई केस सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि हंतावायरस कोविड की तरह नहीं फैल सकता है। ये बीमारी पहले से थी, लेकिन गुरुवार को शिप एमवी होंडियस में मिले वायरस की वजह से अब ये चर्चा में है। लेकिन भारत में अभी इसका कोई खतरा नहीं है। एमवी होंडियस एक डच एक्सपेडिशन क्रूज शिप है, जो अंटार्कटिका इलाकों में यात्राएं कराता है, लेकिन मई 2026 में यह जहाज एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की वजह से अंतरराष्ट्रीय चर्चा में आ गया।

अमेरिका ने वेनेजुएला का एनरिच्ड यूरेनियम निकाला

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने वेनेजुएला से 13.5 किलो हाईली एनरिच्ड यूरेनियम हटाया है। यह यूरेनियम कई साल से वहां के एक पुराने रिसर्च रिएक्टर में रखा था। अमेरिका ने शुक्रवार को बताया कि यूरेनियम को कराकास के पास मौजूद साइट से हटाया गया और फिर सुरक्षित तरीके से अमेरिका भेजा गया। यह ऑपरेशन अमेरिका, वेनेजुएला, ब्रिटेन और आईएईए ने मिलकर किया। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी के मुताबिक यूरेनियम को जमीन और समुद्र के रास्ते अमेरिका पहुंचाया गया। इसे अब साउथ कैरोलाइना के सवाना रिवर परमाणु साइट में प्रोसेस किया जाएगा। कार्रवाई के बाद अमेरिकी एनएनएसए ने उक्त जानकारी दी।

दावा: स्पेसक्राफ्ट से 4 फीट लंबे रहस्यमयी जीव उतरे, पहने थे स्पेस सूट

अमेरिका ने जारी किए यूएफओ से जुड़े दस्तावेज, 1960 के दशक के रिकॉर्ड में एलियन क्रू मेंबर्स का जिक्र, 1965 में दुनिया भर में सबसे ज्यादा यूएफओ देखे गए

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने यूएफओ से जुड़ी फाइलों की पहली खेप जारी कर दी गई। ट्रंप प्रशासन ने सैकड़ों नए वीडियो, फोटो और पुराने सरकारी रिकॉर्ड सार्वजनिक किए। एफबीआई के डिक्लासिफाइड दस्तावेजों में कहा गया है कि 1960 के दशक में कुछ लोगों ने यूएफओ से छोटे कद के रहस्यमयी जीवों को बाहर निकलते देखने का दावा किया था। एफबीआई रिकॉर्ड में कहा गया, 'कुछ गवाहों ने दावा किया कि उन्होंने इन ऑब्जेक्ट्स से बाहर निकलने वाले क्रू मेंबर्स को देखा।' रिपोर्ट के मुताबिक इन जीवों की लंबाई करीब साढ़े तीन से चार फीट बताई गई। गवाहों ने कहा कि वे स्पेस सूट और हेलमेट जैसे कपड़े पहने हुए थे। एफबीआई के दस्तावेजों में कहा गया है कि 1965 में दुनिया भर में सबसे ज्यादा यूएफओ देखे जाने की घटनाएं दर्ज हुई थीं।

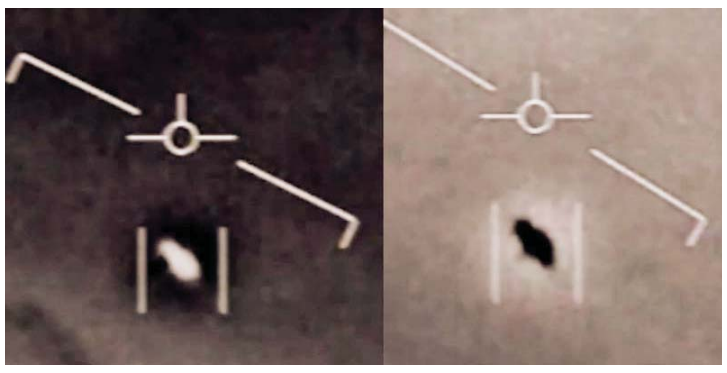

ट्रंप ने कहा था फाइलें जारी करने को

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ महीने पहले रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को यूएफओ और कथित एलियन गतिविधियों से जुड़े रिकॉर्ड जारी करने का आदेश दिया था। फाइलें जारी होने के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने सरकार की एजेंसियों को एलियन लाइफ, यूएफओ और यूएपी से जुड़ी जानकारी जनता के सामने रखने को कहा था। इन फाइलों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूएफओ और एलियन जीवन को लेकर बहस तेज हो गई है।

चांद पर भी रहस्यमयी वस्तुएं दिखने का दावा

इन फाइलों में सबसे ज्यादा चर्चा नासा के अपोलो मिशन से जुड़ी तस्वीरों और अंतरिक्ष यात्रियों की बातचीत को लेकर हो रही है। जारी दस्तावेजों में नासा के अपोलो 12 और अपोलो 17 मिशन से जुड़ी तस्वीरें और बातचीत के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। एक तस्वीर में चांद की सतह के ऊपर आसमान में तीन रहस्यमयी बिंदु दिखाई देने का दावा किया गया है। सबसे दिलचस्प हिस्सा अपोलो 17 मिशन का ट्रांसक्रिप्ट माना जा रहा है। इसमें अंतरिक्ष यात्री उड़ान के दौरान अंतरिक्ष यान के पास चमकती चीजें दिखने की बात करते सुनाई दे रहे हैं। एक ऑपरेटर ने मिशन कंट्रोल से कहा, 'कुछ चमकते कण या टुकड़े हमारे पास से गुजरते दिख रहे हैं।' इसके जवाब में दूसरे ऑपरेटर ने कहा, 'मेरी खिड़की के बाहर कई चमकती चीजें दिख रही हैं। ऐसा लग रहा है जैसे आतिशबाजी हो रही हो।'

विमानों के पास दिखीं रहस्यमयी वस्तुएं

पेंटागन की तरफ से जारी दस्तावेजों में 1999 के नए साल से एक दिन पहले एफबीआई की ओर से ली गई कुछ तस्वीरें भी शामिल हैं। इनमें अमेरिकी सैन्य विमानों के पास कुछ रहस्यमयी वस्तुएं दिखाई देने का दावा किया गया है। इसके अलावा सैन्य पायलटों की ली गई तस्वीरें भी जारी की गई हैं, जिनमें तेज रफ्तार से उड़ती चीजें विमानों के पास से गुजरती दिखती हैं। एक डिक्लासिफाइड सैन्य रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि उसने आसमान में कई चमकती वस्तुओं को तेजी से आगे बढ़ते देखा। रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से एक वस्तु को विमान के टारगेटिंग सिस्टम से करीब 20 सेकंड तक ट्रैक किया गया, लेकिन बाद में वह अचानक गायब हो गई। नई यूएफओ फाइलों में ओमान की खाड़ी के ऊपर दिखी एक रहस्यमयी वस्तु की तस्वीर सामने आई है। दावा किया गया है कि 2024 में इंफ्रारेड सेंसर ने तेज रफ्तार से उड़ती बूंद जैसी इस वस्तु को रिकॉर्ड किया था। हालांकि अधिकारियों ने साफ किया कि ये सिर्फ प्रत्यक्षदर्शियों के बयान हैं। इन्हें किसी एलियन या यूएफओ की पक्की पुष्टि नहीं माना जाना चाहिए।

पंजाब सरकार के मंत्री अरोड़ा मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार

शेल कंपनियों के जरिए 157.12 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप, चंडीगढ़ से दिल्ली ले गई ईडी

चंडीगढ़, जेएनएन। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार सुबह हुई रेड के वक्त वह चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित अपनी सरकारी कोठी पर ही थे। इसके बाद करीब 10 घंटे की पूछताछ की गई। जिसके बाद शाम करीब 5 बजे ईडी की टीम चंडीगढ़ और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में उन्हें दिल्ली ले गई। आगे की पूछताछ उनसे दिल्ली में ही होगी। उनकी रात ईडी के लॉकअप में बीतेगी।

ईडी ने शनिवार सुबह ही मंत्री अरोड़ा के चंडीगढ़, दिल्ली और गुरुग्राम के 5 ठिकानों में छापे मारे थे। ईडी ने खुलासा किया कि अरोड़ा ने अपनी फर्मों के जरिए मोबाइल खरीद की करीब 157.12 करोड़ रुपए की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के माध्यम से फर्जी एक्सपोर्ट किए। इसके अलावा दुबई से भारत में अवैध रकम की राउंड-ट्रिपिंग के लिए इन सामानों के एक्सपोर्ट का इस्तेमाल किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और एक्सपोर्ट पर जीएसटी रिफंड तथा ड्यूटी ड्रॉबैक लेने के लिए दिल्ली की गैर-मौजूद फर्मों से कई फर्जी

ईडी के जाल में ऐसे फंसे

ईडी सूत्रों के मुताबिक 157.12 करोड़ रुपए के फर्जी एक्सपोर्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों, डीमैट होल्डिंग्स और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया गया है। यह अटैचमेंट के आदेश 19 अप्रैल को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), और आयकर अधिनियम के तहत जारी किए थे। यह कार्रवाई 17 अप्रैल को गुरुग्राम के उद्योग विहार स्थित हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के परिसर, उसके प्रमुख शेयरधारक मेसर्स फाइंडोक फिनवेस्ट के कार्यालयों और संजीव अरोड़ा, काव्या अरोड़ा, हेमंत सूद और चंद्र शेखर से जुड़े स्थानों पर की गई तलाशी और जब्ती कार्रवाई के बाद की।

पार्टी तोड़ने की कोशिश: केजरीवाल

मंत्री पर रेड के तुरंत बाद आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मोदी राज में एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब के लोगों के साथ पीएम मोदी धक्का कर रहे हैं। ईडी को पार्टी तोड़ने में लगाया है, किसी मनी लॉन्ड्रिंग को पकड़ने के लिए नहीं।

यह भारत जलाओ पार्टी: मान

सीएम भगवंत मान ने कहा, ईडी रेड का मकसद ब्लैक मनी पकड़ना नहीं बल्कि भाजपा ज्वाइन कराना है। कुछ दिन पहले अशोक मित्तल के घर रेड की। 2 दिन रेड चली, तीसरे दिन मित्तल ने भाजपा ज्वाइन कर ली। भाजपा का असली मतलब भारत जलाओ पार्टी है।

यह सबसे बड़ी लूट: राघव चड्ढा

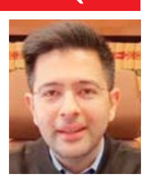

सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि पंजाब को रंगला बनाने का सपना दिखाकर आप ने कंगला बनाने का काम किया है। लोगों ने पंजाब को चलाने का मेंडेट दिया था, लूटने का नहीं। हमने पहले ही कहा था कि यह भ्रष्ट लोगों की पार्टी बन गई

अमेरिका व ईरान अगले हफ्ते फिर इस्लामाबाद में कर सकते हैं बातचीत

ट्रंप बोले- ईरान के जवाब का इंतजार; तेहरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने की मांग ठुकराई

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर बातचीत शुरू हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश मध्यस्थों के जरिए एक समझौता ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जिससे एक महीने तक चलने वाली औपचारिक वार्ता का रास्ता खुल सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित 14 बिंदुओं वाले ड्राफ्ट में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने और ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को किसी दूसरे देश भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान की तरफ से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है। अगर बातचीत आगे बढ़ी तो सीजफायर को और लंबा किया जा सकता है। साथ ही अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम या हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर कोई समझौता नहीं करेगा।

ईरान की चेतावनी: होर्मुज में दखल दिया तो जंग फिर शुरू होगी: ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर उसने होर्मुज स्ट्रेट में फिर दखल दिया तो क्षेत्र में दोबारा युद्ध शुरू हो सकता है। इधर, यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने 70 से ज्यादा जहाजों को ईरानी बंदरगाहों तक पहुंचने या वहां से निकलने से रोका। अमेरिका के मुताबिक इन जहाजों में 13 अरब डॉलर से ज्यादा कीमत का तेल ले जाने की क्षमता थी।

9 जंग रुकवा चुका, अब रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराना चाहता हूं: ट्रंप

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वे अब तक 9 अंतरराष्ट्रीय संघर्ष खत्म कराने में भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब उनकी कोशिश रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने की है और वे इसे अपनी 10वीं शांति पहल बनाना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, व्हाइट हाउस से वर्जीनिया रवाना होने से पहले ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे खतरनाक संघर्ष बन गया है और हर महीने हजारों सैनिक मारे जा रहे हैं। इस बीच ट्रंप ने सोशल मीडिया पर 9 से 11 मई तक रूस और यूक्रेन के बीच 3 दिन के सीजफायर का ऐलान किया है। साथ ही दोनों पक्ष 1000-1000 कैदियों की अदला-बदली भी करेंगे। उन्होंने दावा किया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने उनकी अपील पर सीजफायर के लिए सहमति दी है। उन्होंने संकेत दिए कि अगर हालात ठीक रहे तो इस अस्थायी युद्धविराम को आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

रूस -यूक्रेन के बीच 9 से 11 तक सीजफायर का ऐलान

कृति बोलीं- बॉलीवुड में अब भी पुरुषों का दबदबा

बॉलीवुड में एक्टर्स की फीस और बढ़ते प्रोडक्शन कॉस्ट को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। अब एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर कृति सेनन ने भी इंडस्ट्री में मौजूद जेंडर पे गैप और पैट्रिआर्की पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि आज भी फिल्मों में बजट कम पड़ने पर सबसे पहले एक्ट्रेस की फीस कम की जाती है, जबकि मेल स्टार्स की फीस पर ज्यादा असर नहीं पड़ता। कृति ने जीक्यू इंडिया से बातचीत में कहा कि बॉलीवुड में पैट्रिआर्की अब भी गहराई से मौजूद है। उनके मुताबिक, फीमेल-लीड फिल्मों को लेकर मेकर्स आज भी रिस्क लेने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसी फिल्में मेल-लीड फिल्मों जितना बिजनेस नहीं कर पाएंगी। कृति ने सवाल उठाया कि जब मेहनत दोनों कलाकार बराबर करते हैं तो फीस में इतना बड़ा फर्क क्यों होता है। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि कई बार फिल्म का बजट कंट्रोल करने के नाम पर एक्ट्रेसेस से फीस कम करने को कहा जाता है। वहीं बड़े मेल स्टार्स की फीस और उनकी डिमांड्स पर कम सवाल उठते हैं। इंडस्ट्री में बढ़ती स्टार फीस और एंटूराज कॉस्ट को लेकर पहले भी कई फिल्ममेकर चिंता जता चुके हैं।

कलाकार बराबर मेहनत करते हैं, फिर भी फीस में बड़ा अंतर

लग्जरी व गैरजरूरी खर्च अनुचित

कृति ने पहले भी कहा था कि सितारों के साथ चलने वाले लोगों और दूसरी गैरजरूरी चीजों पर बहुत खर्च होता है, जबकि ध्यान फिल्म की कहानी पर होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि किसी किरदार की जरूरत के हिसाब से खर्च समझ आता है, लेकिन कई बार लग्जरी और गैरजरूरी खर्च भी प्रोड्यूसर्स पर डाल दिए जाते हैं।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि एक स्टार के लिए दो कुक और एक शेफ रखना जरूरत से ज्यादा है। अब प्रोड्यूसर बनने के बाद कृति इंडस्ट्री के आर्थिक दबाव को और करीब से समझ रही हैं। उनका कहना है कि वे ऐसी फिल्में बनाना चाहती हैं जहां कंटेंट और टैलेंट को प्राथमिकता मिले, न कि सिर्फ स्टार सिस्टम को।

जातिवादी बयान पर सीजेआई का खंडन

नई दिल्ली, जेएनएन। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोशल मीडिया पर उनके नाम से वायरल कथित जातिवादी बयान का कड़ा खंडन करते हुए इसे पूरी तरह फर्जी और दुर्भावनापूर्ण बताया है। उन्होंने साफ कहा कि इस तरह के बयान से न्यायपालिका में जनता के विश्वास को कमजोर करने की सुनियोजित साजिश है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही टिप्पणी का उनसे कोई संबंध नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने अपने बयान में कहा कि उनके नाम से प्रसारित टिप्पणी 'मनगढ़ंत, घृणित, ओछी और दुर्भावनापूर्ण' है। उन्होंने इस तरह की गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर समाज में भ्रम और अविश्वास फैलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी भ्रामक सामग्री पर बिना सत्यापन भरोसा न करें। चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। ऐसे फर्जी और भड़काऊ संदेश समाज में विभाजन पैदा करने के साथ-साथ न्यायिक संस्थाओं की साख को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल बदला

पूर्व सीएम की जगह 15वीं, 16वीं, 17वीं विधानसभा का सीएम लिखा

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बदलते ही पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्रोफाइल बदल दिया। उन्होंने बायो में लिखा, 'फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और 15वीं, 16वीं, 17वीं विधानसभा की मुख्यमंत्री।' इससे पहले उनके बायो में फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर, वेस्ट बंगाल लिखा था। बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद

छोड़ने से इनकार कर दिया था। ममता ने इस्तीफा नहीं दिया। 7 मई को पश्चिम बंगाल की 17वीं विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया है।

सफल कॅरियर छोड़कर भारत आए थे अय्यासामी, हार के बाद हुए भावुक

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में वासुदेवनल्लूर सीट पर भाजपा उम्मीदवार अनंतन अय्यासामी को हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने राजनीति में आने के लिए अपना सफल टेक्नोलॉजी करियर और रियल एस्टेट बिजनेस भी छोड़ दिया था। अय्यासामी ने चुनाव हारने पर कहा- 'चुनाव के एक हफ्ते के पैसों ने चार साल की सच्ची सेवा को हरा दिया।' अय्यासामी ने एक्स पोस्ट में लिखा-'चार साल पहले मैंने अमेरिका में अपनी 12 साल की बेटी से कहा था कि मैं सफल टेक्नोलॉजी करियर और रियल एस्टेट छोड़कर भारत लौट रहा हूं, क्योंकि मुझे जनसेवा करना है।

हैरत

जॉर्जिया के कोहुटा के मेयर नाराज, बोले-अब बदलाव का समय आ गया है

पत्नी पर टिप्पणी की तो भंग किया पुलिस विभाग

वाशिंगटन, जेएनएन। जॉर्जिया के एक छोटे से शहर के मेयर ने पूरे पुलिस विभाग को नौकरी से निकाल दिया है। पुलिस वालों ने मेयर की पत्नी के बारे में सोशल मीडिया पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं, जिससे उनकी पत्नी नाराज हो गईं। मेयर रॉन शिनिक का कहना है कि वह तो बस टीम के कोच बदलने की तरह ही फेरबदल कर रहे थे। मेयर ने कहा, 'यह तो मर्दों वाली बात है। आप जानते हैं, कभी-कभी कॉलेज फुटबॉल प्रोग्राम में आपको कोच बदलना पड़ता है। कुछ लोगों को यह पसंद आता है तो कुछ को नहीं। और कभी-कभी चीजें इसी तरह होती हैं, है ना?'

मेयर की पत्नी से परेशान थे अधिकारी: कोहुटा, जॉर्जिया का एक छोटा सा शहर है, जिसकी आबादी लगभग 1000 है। डब्लूडीईएफ ने बताया कि पुलिस विभाग के अधिकारियों को मेयर की पत्नी पाम शिनिक से दिक्कत थी। दरअसल, पाम को शहर की काउंसिल से इसलिए निकाल दिया गया था क्योंकि उन्होंने वहां का माहौल खराब कर दिया था, लेकिन निकाले जाने के बाद भी वह काउंसिल के लिए काम करती रहीं। जब ये आरोप सामने आए तो मेयर रॉन शिनिक और शहर के वकील ब्रायन रेबर्न ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस कॉन्फ्रेंस में सभी पक्षों ने आपस में खुलकर बातचीत करने और आपसी सहमति से मध्यस्थता के जरिए मामले को सुलझाने पर राजी हो गए।

पुलिस वालों ने मेयर की पत्नी पर टिप्पणी की थी

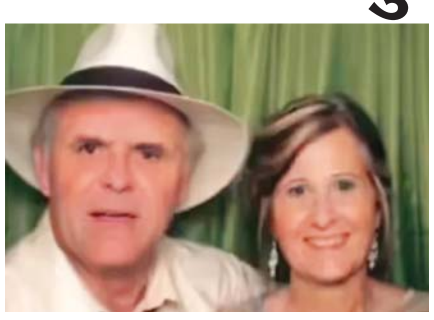

दरवाजे पर चिपका मिला नोटिस

हालांकि इस विवाद पर अब हल निकल चुका है, लेकिन बुधवार को कोहुटा पुलिस विभाग के दरवाजे पर एक नोटिस लगाया गया था, जिस पर लिखा था, 'पीडी को भंग कर दिया गया है और सभी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है।' उम्मीद थी कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने का काम अब डिप्टी संभालेंगे। पूरे पुलिस विभाग को नौकरी से निकालने के बाद मेयर शिनिक ने कहा, 'उन्हें उनकी सैलरी मिलेगी। हम ऐसे नहीं हैं और मैं उनकी सेवाओं की सराहना करता हूं, ठीक है? अब बदलाव का समय आ गया है।'

पूर्व अधिकारियों ने कहा सामान नहीं देंगे

पूर्व अधिकारियों ने कहा कि जब तक सही प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया जाता, तब तक वे विभाग का कोई भी सामान वापस नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमें सारा सामान वापस करना है और अभी यहां कोई भी ऐसा कानूनी तौर पर नियुक्त कर्मचारी मौजूद नहीं है, जो इस बात पर दस्तखत कर सके कि उसे यह सामान मिल गया है। अगर कोई बंदूक या वैसी ही कोई चीज गायब हो जाती है तो यह एक गंभीर अपराध माना जाता है। हम इसे किसी को भी नहीं सौंपेंगे। यह तब तक हमारे ही कब्जे में रहेगी, जब तक कोई इसे लेने के लिए खुद मौजूद न हो जाए।'

एआई काटेगी अफसरों की सैलरी कम हो सकती हैं 20 फीसदी उड़ानें

नई दिल्ली, जेएनएन। टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एअर इंडिया अपनी लागत घटाने के लिए कर्मचारियों की सैलरी में कटौती और उड़ानों की संख्या करीब 20 प्रतिशत कम कर सकती है। वर्तमान में एयरलाइन हर दिन करीब 900 उड़ानों का संचालन करती है। कंपनी पश्चिम मध्य युद्ध के कारण जेट फ्यूल महंगा होने से ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने की वजह से यह कदम उठाने की तैयारी कर रही है। बता दें कि एयरलाइन पहले से ही घाटे में है और अपने नए सीईओ की तलाश कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को हुई बोर्ड बैठक में एअर इंडिया ने नॉन-टेक्निकल कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजने और वाइस प्रेसिडेंट या उससे ऊपर के स्तर के अधिकारियों की सैलरी में कटौती करने पर चर्चा की। इसके अलावा, सभी कर्मचारियों के बोनस में भी कमी की जा सकती है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 510/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

वनों की आग को रोकने हुआ सम्मेलन

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर परिक्षेत्र की धौरखोह बीट में एक चरवाह सम्मेलन और जन-जागरूकता कार्यक्रम किया गया। यह कार्यक्रम पतरेई, ताली, सलैया, दुब्बार और धौरखोह गांवों में हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य वन अग्नि की रोकथाम, वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा मानव-वन्यप्राणी संघर्ष को कम करने के लिए ग्रामीणों और चरवाहों को जागरूक करना था।

पुलिस ने जनता दरबार लगाकर सुनी समस्या

जागरण, सीधी। जिले की मड़वास पुलिस ने ग्राम भदौरा में शनिवार दोपहर 1 बजे जनता चौपाल लगाकर लोगों की समस्या सुनी। थाना प्रभारी अतर सिंह के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना था। जनता शिविर में जमीन विवाद, आपसी मारपीट और साइबर धोखाधड़ी से संबंधित मामले सामने आए।

"ट्वीट ऑफ द डे"

ममता बनर्जी
पूर्व सीएम

मैं सभी विपक्षी दलों से भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मंच बनाने के लिए एकजुट होने का आह्वान करती हूं। हम इस मामले पर चर्चा में रुचि रखने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी से बातचीत करने को तैयार हैं। यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन मेरा दोस्त है, हमारी पहली दुश्मन भाजपा है।

संक्षिप्त खबरें

वाट्सएप स्टेट्स में उर्दू शायरी शेयर करना अपराध नहीं

हाईकोर्ट ने शासकीय शिक्षक के विरुद्ध निरस्त की एफआईआर

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की एकलपीठ ने बैतूल निवासी शासकीय शिक्षक फैजान अंसारी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में साफ किया कि वाट्सएप स्टेट्स में उर्दू शायरी शेयर करना कोई अपराध नहीं है। लिहाजा, याचिकाकर्ता के विरुद्ध दर्ज तीन एफआइआर निरस्त करने का राहतकारी आदेश पारित किया जाता है। यह मामला शिक्षक द्वारा अपने वाट्सअप स्टेटस पर उर्दू शायरी और कविता साझा करने से संबंधित था। कोर्ट ने कहा कि किसी को भड़काने या समाज में नफरत फैलाने के इरादे से शायरी पोस्ट करने के कृत्य को अपराध हर्गिज नहीं माना जा सकता। दरअसल, यह मामला उस समय सामने आया जब शिक्षक ने अपने वाट्सअप स्टेटस पर कुछ उर्दू शायरी और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी बातें साझा की थीं। इसके बाद उनके विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई गई और पुलिस ने कई धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया था।

लॉरेंस गैंग का एक और गुर्गा गिरफ्तार

जागरण, इंदौर। लॉरेंस गैंग द्वारा शहर के प्रमुख बिल्डरों को धमकाने और रंगदारी मांगने के मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच ने उज्जैन जिले के महिदपुर से सचिन उर्फ वेद प्रकाश शर्मा को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि सचिन ने ही इंदौर के बड़े बिजनेसमैन विवेक दम्मानी, चेतन सिंह पवार और कुंवर सिंह भूरिया के घर, दफ्तर और उनकी आवाजाही के रास्तों की रेकी की थी। आरोपी ने यह संवेदनशील जानकारियां गैंग के अन्य सदस्यों तक पहुंचाई थीं। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार, पूर्व में पकड़े गए आरोपी राजपाल से मिली लीड के आधार पर सचिन को साइबर सेल और मुखबिरों की मदद से ट्रेस किया गया।

ज्यादा जीएसटी देकर भी तंग रहेगा एमपी का हाथ, केंद्र से कम मिलेंगे 1875 करोड़

42140 के बजाय 45072 करोड़ की वसूली, पिछले साल से 7 फीसदी ज्यादा किया कलेक्शन

मुख्य संवाददाता भोपाल। मप्र ने 31 मार्च को खत्म हुए वित्त वर्ष 2025-26 में एक नया मुकाम हासिल किया है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) का टारगेट 42,140 करोड़ रुपये रखा था। यह लक्ष्य पिछले वर्ष से करीब 12 प्रतिशत अधिक था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीईसी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य ने इस लक्ष्य को पार कर लिया। पिछले वित्त वर्ष में कुल जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 45,072 करोड़ रुपये हो गया जो टारगेट से लगभग 7 फीसदी अधिक रहा। जीएसटी के अफसरों के अनुसार औद्योगिक गतिविधियों में सुधार टैक्स अनुपालन बढ़ने और लोगों की खरीद क्षमता में इजाफे के कारण जीएसटी में यह इजाफा हुआ है। हालांकि अगर मार्च 2026 के आंकड़ों को देखें तो इस माह में जीएसटी अनुमान से कम हासिल हुआ। इसका कारण अमेरिका ईरान युद्ध को बताया जा रहा है।

इस तरह होता है केंद्र राज्य के बीच रकम का बंटवारा: जब किसी राज्य के भीतर सामान बेचा जाता है तो टैक्स का आधा आधा हिस्सा केंद्र और प्रदेश सरकार को मिलता है। इसके अलावा जब सामान एक राज्य से दूसरे राच्य भेजा जाता है तो केंद्र सरकार टैक्स वसूलकर बाद में एक हिस्सा उस राच्य को देती है जहां सामान बेचा गया। इसके अलावा केंद्रीय करों के पूल में से राच्यों की हिस्सेदारी का फैसला वित्त आयोग करता है। वर्तमान में केंद्रीय करों का लगभग 41 फीसदी हिस्सा राज्यों के बीच वितरित किया जाता है। जीएसटी लागू करते समय राच्यों के राजस्व में 14 फीसदी की सालाना वृद्धि न होने पर केंद्र सरकार ने 5 साल तक नुकसान की भरपाई की घोषणा की थी। यह क्षतिपूर्ति जून 2022 में खत्म हो गई लेकिन कोरोना काल के दौरान प्रदेशों के कर्ज को चुकाने के लिए मुआवजा उपकर मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा उन राज्यों को अधिक पैसा मिलता है जहां गरीबों की संख्या अधिक होती है। वहीं प्रदेशों की जरूरतों प्रशासनिक खर्चों पर्यावरण संरक्षण और जनसंख्या नियंत्रण वाले राज्यों को ज्यादा रकम दी जाती है।

केंद्र के आगे फिर फैलाने होंगे हाथ

टैक्स के हिस्से में कटौती के कारण विकास योजनाओं को पूरा करने में परेशानी आ सकती है। इसके लिए एक बार फिर प्रदेश सरकार को केंद्र से आर्थिक मदद मांगनी होगी। विकास कार्यों या अन्य प्रयोजनो के लिए सरकार वित्तीय मदद का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को दे सकती है, हालांकि इस पर फैसला दिल्ली से ही होगा। फिलहाल एमपी सरकार के सामने 2028 में उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ कुंभ भी एक बडी चुनौती है। पिछले दिनों ही सरकार ने 20,000 करोड़ का विशेष पैकेज देने की मांग केंद्र से की थी, जिसे मंजूरी नहीं मिली। फिलहाल प्रदेश सरकार लगभग सवा चार लाख करोड़ के कर्ज में है।

देश के जीएसटी में 8.3 फीसदी की ग्रोथ, टॉप सिक्स में मप्र नहीं

पिछले वित्त वर्ष में देश में कुल 22.27 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है। इसमें सबसे बड़ा योगदान महाराष्ट्र कर्नाटक गुजरात और तमिलनाडु जैसे बड़े राच्यों का रहा। अगर टैक्स कलेक्शन की बात करें तो इस साल महाराष्ट्र ने एक बार फिर बाजी मारी। इस राच्य का कुल जीएसटी संग्रह 3 लाख 59 हजार 855 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद कर्नाटक ने 1 लाख 59 हजार 564 करोड़ गुजरात ने 1 लाख 36 हजार 748 करोड़ तमिलनाडु ने 1 लाख 31 हजार 115 करोड़ उत्तर प्रदेश ने 1 लाख 12 हजार 212 करोड़ और फिर हरियाणा ने 1 लाख 19 हजार 362 करोड़ का रेवेन्यू हासिल किया। विशेषज्ञों के अनुसार राच्य सरकार के लिए जीएसटी कर राजस्व का सबसे बड़ा जरिया है क्योंकि उसे खुद के कर संग्रहण की लगभग 39 फीसदी रकम केंद्र सरकार से मिलती है।

पिछले साल से कम राशि मिलने के आसार

भले ही एमपी ने जीएसटी के कलेक्शन में नया रिकॉर्ड बनाया हो फिर भी उसके खाते में केंद्र से मिलने वाली राशि कम हो जाएगी। केंद्र के नियमों के अनुसार जीएसटी को दो अलग अलग टुकड़ों में वसूला जाता है इसमें एसजीएसटी (वह हिस्सा जो राज्य में वसूला जाता है) और आईजीएसटी (इंटीग्रेटेड जीएसटी जो दूसरे राच्यों से आने वाले सामान पर वसूला जाता है) शामिल होते हैं। केंद्र के नियम के अनुसार इस शेयर में से एसजीएसटी को प्रदेश का हिस्सा माना जाता है। जीएसटी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार एमपी से कुल 45,072 करोड़ का कलेक्शन हुआ है इसमें राच्य सरकार का एसजीएसटी का हिस्सा 14,642 करोड़ है। इसके अलावा रिफंड और इंटर स्टेट ट्रेडिंग के साथ केंद्र सरकार अपना हिस्सा काटकर लगभग 20 हजार करोड़ रुपये एमपी को देगी। इस तरह प्रदेश को कुल 34,613 करोड़ मिलने के आसार हैं जबकि पिछले साल यह रकम 36,488 करोड़ थी। यह पिछले साल के मुकाबले 1875 करोड़ कम है।

इनका कहना है

जीएसटी के रेवेन्यू से प्रदेश को मिलने वाला रिफंड केंद्र सरकार तय करती है। अगर प्रदेश सरकार अपनी कोई विशेष मांग केंद्र के सामने रखेगी तो जीएसटी काउंसिल और केंद्र क्षतिपूर्ति की अतिरिक्त राशि दे सकती है।

■ **सीए मयूर गर्ग**, टैक्स कंसल्टेंट

'अग्नि' ने हिंद महासागर में एकसाथ भेदे कई लक्ष्य

एमआईआरवी तकनीक से लैस मिसाइल का सफल परीक्षण

बेंगलुरु, जेएनएन। भारत ने अपनी सामरिक और रक्षा क्षमता को नई ऊंचाई देते हुए एमआईआरवी तकनीक से लैस एडवांस अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा किए गए इस परीक्षण में मिसाइल ने हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद कई अलग-अलग लक्ष्यों को सटीकता के साथ भेदा।

डीआरडीओ के अनुसार, अग्नि मिसाइल ने उड़ान के दौरान कई पेलोड्स को सफलतापूर्वक अलग किया और हिंद महासागर क्षेत्र में तय किए गए अलग-अलग टारगेट्स को निशाना बनाया। इससे भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में और मजबूती से शामिल हो गया है, जिनके पास अत्याधुनिक एमआईआरवी क्षमता मौजूद है।

अग्नि मिसाइल की यह नई क्षमता देश की सुरक्षा तैयारियों में 'अभूतपूर्व ताकत' जोड़ेगी और बदलते वैश्विक सुरक्षा खतरों से निपटने में भारत को रणनीतिक बढ़त दिलाएगी।
- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

क्या है एमआईआरवी तकनीक

इस परीक्षण की सबसे बड़ी खासियत एमआईआरवी यानी मल्टिपल इंडेपेंडेटली टारगेटेड री एंट्री व्हीकल तकनीक रही। इस तकनीक की मदद से एक ही मिसाइल कई पेलोड लेकर अलग-अलग दिशाओं में स्थित लक्ष्यों पर हमला कर सकती है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, यह तकनीक भारत की रणनीतिक ताकत को काफी मजबूत बनाती है और आधुनिक युद्ध की जरूरतों के लिहाज से बेहद अहम मानी जाती है।

रेलवे ठेकेदार बनकर कटनी में लाखों की ठगी

36 लाख कैश और फॉर्च्यूनर के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। रेलवे के ठेकों में निवेश और भारी मुनाफे का सपना दिखाकर लाखों की ठगी करने वाले शातिर जालसाज को कटनी पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने को बड़ा रेलवे कॉन्ट्रैक्टर बताकर एक व्यक्ति से 36 लाख रुपये ऐंठ लिये थे और फरार हो गया था। कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र के निवासी देवकीनंदन परौहा इस जालसाजी का शिकार हुए। उन्हें तुलसी राम साहू उर्फ बोका ने बड़ी ही चालाकी से झांसा देते हुए दावा किया था कि उसे पन्ना के ग्राम सकारिया में रेलवे का एक बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। देवकीनंदन को इस प्रोजेक्ट में निवेश करने पर तगड़े मुनाफे का लालच दिया। इसके बाद परौहा ने बोका को 36 लाख 30 हजार रुपये दे दिए, लेकिन जब काफी समय बीतने के बाद भी न तो काम शुरू हुआ और न ही पैसा वापस मिला, तब देवकीनंदन एनकेजे थाने पहुंचे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कटनी की एनकेजे पुलिस और साइबर सेल ने फौरन बोका को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। तकनीकी सबूतों और साइबर इनपुट की मदद से आरोपी की लोकेशन लगातार ट्रैक की गई। पुलिस को उसकी लोकेशन पन्ना जिले के शाहनगर में मिली। बोका को पुलिस में की गई एफआईआर की जानकारी लग गई थी, लिहाजा वह यूपी भागने की तैयारी में था। जैसे ही पुलिस ने उसकी घेराबंदी की, वह अपनी फॉर्च्यूनर कार से भागने लगा। आखिर में कटनी पुलिस ने उसे घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्त में आते ही उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद उसने पुलिस को ठगी की पूरी रकम 36 लाख 30 हजार रुपये सौंप दी।

प्रमुख सचिव सहित तीन अधिकारियों के विरुद्ध जमानती वारंट

अवमानना मामले में हाई कोर्ट सख्त अगली सुनवाई 15 को

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने पूर्व आदेश का पालन न होने को लेकर दायर अवमानना मामले को सख्ती से लिया है। कोर्ट ने मामले में एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह, आयुक्त दिलीप कुमार सिंह और जिला उद्योग केंद्र रीवा के जनरल मैनेजर राहुल दुबे के विरुद्ध 25-25 हजार रुपये के जमानती वारंट जारी किए हैं। न्यायालय ने भोपाल और रीवा एसपी को वारंट तामील कराने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 मई को निर्धारित की है। यह अवमानना का मामला मामला जिला उद्योग केंद्र रीवा में पदस्थ असिस्टेंट मैनेजर जयप्रकाश तिवारी की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि वह मैनेजर पद पर प्रमोशन पाने के पात्र थे, लेकिन विभाग की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया जा रहा था, जिस पर उन्होंने हाई कोर्ट की शरण ली थी।

'फर्जी' खातों के जरिए रकम की हेराफेरी पाकिस्तान में बैठा सरगना देता था निर्देश

ग्वालियर में साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा, चार एजेंट गिरफ्तार

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर शहर के पॉश इलाके सिटी सेंटर में क्राइम ब्रांच ने साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा किया है। कैलाश विहार स्थित होटल एचजी में दबिश देकर पुलिस ने चार शातिर एजेंटों को गिरफ्तार किया है, जो म्यूल खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम की हेराफेरी कर रहे थे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस पूरे नेटवर्क के तार पाकिस्तान में बैठे सरगना से जुड़े हुए हैं। फिलहाल चारों आरोपितों से क्राइम ब्रांच की टीम गहन पूछताछ कर रही है। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में म्यूल खातों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कैलाश विहार स्थित एक होटल के कमरे में कुछ संदिग्ध युवक ठहरे हुए हैं और वहीं से साइबर ठगी का नेटवर्क संचालित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही शनिवार सुबह करीब 11 बजे क्राइम ब्रांच की टीम ने होटल में दबिश दी और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सैकड़ों एटीएम और पासबुक मिली

पकड़े गए आरोपियों में एक राजस्थान के धौलपुर, एक मुरैना और दो ग्वालियर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस को इनके पास से सैकड़ों एटीएम कार्ड, पासबुक, बैंक खातों की डिटेल और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले हैं। जब पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन खंगाले तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। मोबाइल में पाकिस्तान के कंट्री कोड वाले नंबरों से लगातार संपर्क पाया गया। इन्हीं नंबरों से म्यूल खातों का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था।

बड़े भैया के नाम से सेव था पाकिस्तानी नंबर

जांच में सामने आया है कि आरोपियों के मोबाइल में पाकिस्तान से आने वाला नंबर बड़े भैया नाम से सेव था। इसी नंबर से उन्हें साइबर ठगी की रकम, निकासी और आगे भेजने से संबंधित निर्देश मिलते थे। ठगी की रकम म्यूल खातों में जमा होने के बाद आरोपी एटीएम से नकदी निकालते थे और दूसरे एजेंटों तक पहुंचाते थे। इसके बाद रकम को क्रिप्टो ट्रेडिंग के जरिए विदेश भेज दिया जाता था। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आरोपियों से मिले इनपुट के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सुरक्षा का दावा एमजी 4 एक्स की बुकिंग 11 मई से शुरू, नई बैटरी तकनीक से मिलेगी 610 किलोमीटर की रेंज

सेमी-सॉलिड-स्टेट बैटरी के साथ आ रही है नई ई-एसयूवी

बीजिंग, जेएनएन। चीन की बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी एसएआईसी मोटर अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसका नाम है एमजी 4एक्स और इसकी सबसे बड़ी खासियत है इसमें इस्तेमाल होने वाली सेमी-सॉलिड-स्टेट बैटरी।

कंपनी ने पुष्टि की है कि चीन में इसकी बुकिंग 11 मई को शुरू होगी। कंपनी पहले भी अपनी एक इलेक्ट्रिक कार में इस बैटरी को दे चुकी है। अब एमजी 4एक्स इस बैटरी के साथ आने वाली दूसरी कार होगी। यह साधारण बैटरी की तुलना में ज्यादा सुरक्षित और पावरफुल होती है। यह इस्तेमाल में सेफ है और फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कार के अंदर 15.6 इंच की एक बड़ी टचस्क्रीन दी गई है। इसका स्मार्ट सिस्टम मोबाइल कंपनी ओपो के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इस नई बैटरी तकनीक के आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की रेंज में भारी बढ़ोतरी होगी।

हाई-टेक केबिन

कार में हाई-टेक फीचर्स दिए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कार के अंदर 15.6 इंच की एक बड़ी टचस्क्रीन दी गई है। खास बात यह है कि इसका स्मार्ट सिस्टम मोबाइल कंपनी ओप्पो के साथ मिलकर बनाया गया है।

यह कार भारत में कब लांच होगी तय नहीं

चीन में इसकी बुकिंग 11 मई 2026 से शुरू हो रही है। इस इलेक्ट्रिक कार की कीमत काफी कम रहने की उम्मीद है, जिससे यह बाजार में ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित कर सके। कंपनी इस नई बैटरी वाली कारों को साल के अंत तक यूरोप के बाजारों में भी उतारने की तैयारी कर रही है। हालांकि, भारत में इसकी लॉन्चिंग को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं मिली है।

दिन में गर्मी, रात को बारिश कई जिलों में बदला मौसम

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में शनिवार को दिन में जहां तेज धूप रहीं, वहीं शाम को बादल छाए जो रात में बरस गए। इसके अलावा प्रदेश की बात करें तो शनिवार को कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई है। भोपाल मौसम केंद्र से मिली जानकारी अनुसार शनिवार को सिवनी में ओलावृष्टि हुई। जबकि अशोक नगर में 70 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। जानकारी अनुसार भोपाल, श्योपुर, शिवपुरी, अशोक नगर, गुना, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सागर, रायसेन, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, कटनी और जबलपुर जिलों में आंधी के साथ हलकी बारिश हुई। अशोक नगर में आंधी की रफ्तार सबसे ज्यादा 65 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रही। जबलपुर में 44 किमी, सागर में 43 किमी, बैतूल में 33 किमी, अमरकंटक में 31 किमी, गुना में 30 किमी और भोपाल में 28 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली।

रतलाम में 44 डिग्री पारा: मप्र के कुछ जिलों में बारिश का मौसम बना है, लेकिन पश्चिमी प्रदेश में सूरज के तेवर तल्ख हैं। शनिवार को रतलाम में दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो प्रदेश में सबसे अधिक रहा। हालांकि पूर्वी प्रदेश के अधिकांश जिलों नरसिंहपुर और छतरपुर जिले के खजुराहो को छोड़कर में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे रिकॉर्ड किया गया।

दो सिस्टम सक्रिय: उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में बना है। मध्य पाकिस्तान से लेकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए उत्तर-पश्चिम बांग्लादेश तक एक द्रोणी गुजर रही है। कोमोरिन क्षेत्र से दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश तक एक अन्य द्रोणी बनी हुई। इन सभी प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव के कारण नमी आ रही है और आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,**
संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।